81 LAT
PONIEDZIAŁEK
UKAZUJE SIĘ OD 1945

14 września 2026

NR 215 (18608)

# Sport

# Prekop na lidera

Wydanie papierowe ISSN 0137-9305
Wydanie cyfrowe ISSN 3072-0575

eprasa.pl bf22096629

## TABELA

| | RAZEM | | | | | | U SIEBIE | | | | | | NA WYJEŹDZIE | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. Górnik (p) | 7 | 18 | 14:8 | 6 | 0 | 1 | 4 | 9 | 8:6 | 3 | 0 | 1 | 3 | 9 | 6:2 | 3 | 0 | 0 |
| 2. Legia | 8 | 16 | 16:7 | 4 | 4 | 0 | 4 | 8 | 10:3 | 2 | 2 | 0 | 4 | 8 | 6:4 | 2 | 2 | 0 |
| 3. Lech (m, sp) | 7 | 16 | 12:6 | 5 | 1 | 1 | 4 | 10 | 6:1 | 3 | 1 | 0 | 3 | 6 | 6:5 | 2 | 0 | 1 |
| 4. Wisła K. (b) | 8 | 14 | 15:11 | 4 | 2 | 2 | 4 | 12 | 8:2 | 4 | 0 | 0 | 4 | 2 | 7:9 | 0 | 2 | 2 |
| 5. Pogoń | 7 | 12 | 10:5 | 3 | 3 | 1 | 4 | 7 | 7:4 | 2 | 1 | 1 | 2 | 4 | 2:0 | 1 | 1 | 0 |
| 6. Korona | 7 | 12 | 9:6 | 3 | 3 | 1 | 3 | 3 | 3:3 | 0 | 3 | 0 | 4 | 9 | 6:3 | 3 | 0 | 1 |
| 7. Zagłębie | 7 | 12 | 8:6 | 3 | 3 | 1 | 4 | 10 | 6:2 | 3 | 1 | 0 | 3 | 2 | 2:4 | 0 | 2 | 1 |
| 8. Jagiellonia | 7 | 12 | 11:10 | 4 | 0 | 3 | 3 | 6 | 3:3 | 2 | 0 | 1 | 4 | 6 | 8:7 | 2 | 0 | 2 |
| 9. Piast | 7 | 10 | 13:13 | 3 | 1 | 3 | 4 | 7 | 11:8 | 2 | 1 | 1 | 3 | 3 | 2:5 | 1 | 0 | 2 |
| 10. GKS | 7 | 9 | 13:11 | 3 | 0 | 4 | 2 | 6 | 8:1 | 2 | 0 | 0 | 5 | 3 | 5:10 | 1 | 0 | 4 |
| 11. Widzew | 8 | 8 | 11:11 | 1 | 5 | 2 | 4 | 2 | 5:7 | 0 | 2 | 2 | 4 | 6 | 6:4 | 1 | 3 | 0 |
| 12. Cracovia | 8 | 8 | 7:11 | 2 | 2 | 4 | 4 | 6 | 5:6 | 2 | 0 | 2 | 4 | 2 | 2:5 | 0 | 2 | 2 |
| 13. Wisła P. | 7 | 8 | 7:12 | 2 | 2 | 3 | 3 | 4 | 3:3 | 1 | 1 | 1 | 4 | 4 | 4:9 | 1 | 1 | 2 |
| 14. Radomiak | 7 | 8 | 6:13 | 2 | 2 | 3 | 4 | 7 | 5:5 | 2 | 1 | 1 | 3 | 1 | 1:8 | 0 | 1 | 2 |
| 15. Śląsk (b) | 8 | 6 | 10:13 | 1 | 3 | 4 | 4 | 5 | 6:6 | 1 | 2 | 1 | 4 | 1 | 4:7 | 0 | 1 | 3 |
| 16. Motor | 8 | 5 | 9:15 | 1 | 2 | 5 | 4 | 3 | 4:7 | 1 | 0 | 3 | 4 | 2 | 5:8 | 0 | 2 | 2 |
| 17. Wieczysta (b) | 7 | 4 | 9:15 | 1 | 1 | 5 | 2 | 1 | 2:3 | 0 | 1 | 1 | 5 | 3 | 7:12 | 1 | 0 | 4 |
| 18. Raków | 7 | 3 | 8:15 | 1 | 0 | 6 | 4 | 3 | 6:10 | 1 | 0 | 3 | 3 | 0 | 2:5 | 0 | 0 | 3 |

1-2 – el. LM, 3-4 – el. LK, 16-18 – spadek

| | Cracovia | Katowice | Górnik | Jagiellonia | Korona | Lech | Legia | Motor | Piast | Pogoń | Radomiak | Raków | Śląsk | Widzew | Wieczysta | Wisła K. | Wisła P. | Zagłębie |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **Cracovia** | | 20.03. | **0:1** | 21.11. | 15.05. | 12.12. | 17.10. | 31.10. | 17.04. | **0:2** | 27.02. | **2:1** | 6.02. | 5.12. | **3:0** | 1.05. | 13.03. | 10.10. |
| **Katowice** | 19.09. | | 27.02. | 1.05. | 17.04. | 21.11. | 5.12. | 13.02. | 6.03. | 17.10. | **3:1** | 3.04. | 15.05. | 31.10. | przeł. | 12.12. | **5:0** | 13.03. |
| **Górnik** | 6.03. | **2:3** | | 3.04. | 30.01. | **2:1** | 31.10. | 6.12. | 17.10. | 22.05. | 6.02. | 20.02. | **2:1** | 17.04. | 7.11. | **2:1** | 28.11. | 8.05. |
| **Jagiellonia** | 8.05. | 7.11. | 10.10. | | **1:0** | 20.02. | 19.09. | 30.01. | 22.05. | przeł. | 28.11. | 27.02. | **2:1** | **0:2** | 24.04. | 13.03. | 24.10. | 10.04. |
| **Korona** | 28.11. | 24.10. | 1.08. | 12.12. | | 10.04. | **1:1** | **1:1** | 8.05. | 3.04. | 7.11. | 19.09. | 13.03. | 13.02. | 22.05. | **1:1** | 27.02. | 24.04. |
| **Lech** | **0:0** | 8.05. | 13.03. | **2:1** | 17.10. | | 17.04. | 22.05. | **3:0** | 28.11. | 19.09. | **1:0** | 3.04. | 27.02. | 30.01. | 31.10. | 13.02. | 7.11. |
| **Legia** | 10.04. | 22.05. | 24.04. | 20.03. | 6.02. | 24.10. | | 6.03. | 20.02. | 12.12. | **5:0** | 7.11. | **1:1** | **1:1** | 28.11. | 10.10. | 8.05. | **3:1** |
| **Motor** | 24.04. | **1:0** | 19.09. | **1:2** | 20.02. | 5.12. | **2:3** | | **0:2** | 6.02. | 3.04. | 13.03. | 17.10. | 12.12. | 8.05. | 15.05. | 7.11. | 24.10. |
| **Piast** | 24.10. | **3:0** | 10.04. | 5.12. | 21.11. | 6.02. | **1:1** | 27.02. | | 19.09. | 13.03. | 15.05. | 1.05. | 10.10. | **3:4** | **4:3** | 24.04. | 12.12. |
| **Pogoń** | 30.01. | 10.04. | 5.12. | 13.02. | 10.10. | 15.05. | **0:1** | **3:1** | 20.03. | | 24.10. | 24.04. | 21.11. | 1.05. | **2:0** | **2:2** | **1:1** | 27.02. |
| **Radomiak** | **2:1** | 30.01. | **1:3** | 15.05. | 1.05. | 20.03. | 13.02. | 10.10. | 12.09. | 17.04. | | 5.12. | 31.10. | 6.03. | **2:1** | 21.11. | 10.04. | **0:0**. |
| **Raków** | 13.02. | 27.09. | **1:2** | **2:5** | 20.03. | 6.03. | 1.05. | **2:1** | 28.11. | 31.10. | 22.05. | | 30.01. | 21.11. | 10.04. | 17.04. | **1:2** | przeł. |
| **Śląsk** | **0:0** | 28.11. | 12.12. | 6.03. | **1:2** | 10.10. | 27.02. | 10.04. | 7.11. | 8.05. | 24.04. | **2:1** | | **3:3** | 24.10. | 20.03. | 22.05. | 13.02. |
| **Widzew** | 22.05. | 24.04. | 24.10. | 6.02. | **1:2** | **2:3** | 13.03. | **2:2** | 3.04. | 7.11. | **0:0** | 8.05. | 20.02. | | 19.09. | 17.10. | 30.01. | 28.11. |
| **Wieczysta** | 20.02. | 6.02. | 1.05. | 31.10. | 5.12. | **1:2** | 15.05. | 21.11. | 13.02. | 13.03. | 12.12. | 17.10. | 17.04. | 20.03. | | 27.02. | 10.10. | **1:1** |
| **Wisła K.** | 7.11. | **2:1** | 13.02. | **2:0** | 6.03. | 24.04. | 3.04. | 28.11. | 30.01. | 20.02. | 8.05. | 24.10. | 19.09. | 10.04. | **2:0** | | **2:1** | 22.05. |
| **Wisła P.** | **2:0** | 20.02. | 15.05. | 17.04. | **0:2** | przeł. | 21.11. | 1.05. | 31.10. | 6.03. | 17.10. | 12.12. | 5.12. | **0:0** | 3.04. | 6.02. | | 20.03. |
| **Zagłębie** | 3.04. | **2:1** | 21.11. | 17.10. | 31.10. | 1.05. | 30.01. | 17.04. | **2:0** | **0:0** | 20.02. | 6.02. | **2:1** | 15.05. | 6.03. | 5.12. | 19.09. | |

## LIGOWIEC

**Michał Zichlarz**

# Nie mówią o mistrzostwie

Prawie dokładnie rok temu, bo 21 września (była to dziewiąta kolejka), Górnik wygrał z Widzewem u siebie 3:2 po świetnym spotkaniu z obu stron i po pięciu latach ponownie prowadził w tabeli ekstraklasy. Teraz na tym samym etapie znowu jest świetnie. Wtedy drużyna prowadzona przez Michala Gasparika miała 18 punktów, teraz ma tyle samo, ale po ledwie siedmiu! Górnicy przecież mają jeszcze do rozegrania zaległe spotkanie z Koroną w Kielcach we wtorek wieczorem. W sobotę, przed reprezentacyjną przerwą kolejna wyjazdowa gra w Lublinie z Motorem. W delegacji wicemistrz i zdobywca Pucharu Polski ma na razie w lidze stuprocentową skuteczność, bo same wygrane. Znakomity bilans na początek rozgrywek zespołu z Zabrza i pytania o... mistrzostwo Polski!

Rok temu dobra gra i eksponowana pozycja były zaskoczeniem. Ledwie kilka miesięcy wcześniej Górnik kończył ekstraklasę na dziewiątym miejscu. Latem zmieniono szkoleniowca, pojawiło się wielu nowych zawodników, zaczęło iść świetnie i tak było do końca rozgrywek, gdzie na koniec, po 54 latach cieszono się z Pucharu Polski i gdzie po 32 latach było medalowe miejsce w lidze. Czy teraz – po tak dobrym starcie - będzie mistrzostwo Polski po 39 latach? Ostatni tytuł Zabrzan to przypomnijmy - to 1988 rok, czyli inna epoka we wszystkim.

W Zabrzu, i słusznie, uciekają od pytania o mistrzostwo. Za wcześnie na takie dywagacje, choć widać, że drużyna jest mocna, bardzo mocna, a stanowi o tym liczna kadra, budowana z myślą o fazie ligowej europejskich pucharów, której niestety nie udało się osiągnąć. Trudno, to już za Górnikiem, a jak mówią trenerzy i zawodnicy trzeba patrzeć krótkoterminowo, w tym wypadku na najbliższe spotkania czy spotkanie, w tym wypadku na wyjazd w poniedziałek do Kielc. To jest najistotniejsze. Dalej jesteśmy we wczesnej fazie rozgrywek. Sześć lat temu w pandemicznym sezonie 2020/21 Górnicy prowadzili po pięciu kolejkach z 13 punktami, żeby potem skończyć na... 10. miejscu. Wisła Płock cztery lata temu prowadziła z 16 punktami po 7 kolejkach, żeby następnie... spaść. Lech rok temu? Ósme miejsce w lidze po 15 kolejkach z 21 punktami, a potem mistrzostwo.

Sezon jest długi, a tabele, jak mówią doświadczeni piłkarze, liczy się tylko raz. Kiedy? Na zakończenie sezonu.

# Pod asystą dzika

## Czyżby w Szczecinie narodził się nowy superduet, znajdujący się pod nadzorem gliwickiego kierownika?

Przez długie minuty mecz Pogoni z Wieczystą można było określić jako pojedynek tępych noży. Obie drużyny próbowały ciąć, ale ran żadnych nie było. Ataki były wyprowadzane to z jednej, to z drugiej strony, choć całościowo nieco lepiej zdawał się wyglądać beniaminek. Najbliżej był obijający poprzeczkę Mikkel Maigaard.

Jednakże u Portowców od pierwszych minut dobre wrażenie sprawiał ściągnięty tego lata duet – Darko Curlinov i debiutujący Jordi Sanchez. Już w trzeciej minucie Macedończyk dograł do Hiszpana, który wygrał pozycję z Mateuszem Wieteską i chybił nieznacznie. Sanchez – najskuteczniejszy w tej chwili zawodnik ekstraklasy – otworzył nawet swój szczeciński dorobek ładnym lobem w 25 minucie, ale był na spalonym. Prezentował się znacznie lepiej niż jego vis-a-vis, wracający przecież do Szczecina Efthymios Koulouris.

### MÓWIĄ LICZBY

| POGOŃ | | WIECZYSTA |
|---|---|---|
| 41 | posiadanie piłki | 59 |
| 20 | strzały | 15 |
| 6 | strzały celne | 3 |
| 4 | rzuty rożne | 5 |
| 16 | faule | 8 |
| 5 | spalone | 0 |
| 1 | żółte kartki | 3 |

Momentem kluczowym była 59 minuta, kiedy to Curlinov prostym zwodem wykiwał Pestkę, kropnął efektownie nie do obrony – i dosłownie zakończył niedzielny występ Wieczystej. Wielkie nazwiska bogaczy z Krakowa jakby zapomniały, jak się gra w piłkę. Zaczęły popełniać proste błędy techniczne, a w ataku nie najgorzej wyglądająca zespołowość została zastąpiona przez źle wyglądający indywidualizm. Pogoń zacisnęła smycz i nie puszczała, kontrolując boiskowe wydarzenia. Szalał Curlinov, który strzelił nawet na 2:0, ale spalił.

Dorównać Macedończykowi postanowił jednak Sanchez – tyle że w odwrotnej kolejności. Bo jako że miał już „spalonego" gola, to w samej końcówce zaliczył też tego „al dente"! Maigaard źle wybił piłkę spod własnego pola karnego, dzięki czemu parę sekund później nowy snajper Portowców spokojnie pokonał Mateusza Kochalskiego. Co ciekawe – i jemu, i Curlinovowi asystował pełniący obowiązki kapitana Patryk Dziczek! Czyżby duet z przodu hasał frywolnie, a Gliwiczanin szczebel niżej był odpowiedzialny za trzymanie wszystkiego w ryzach? Egzamin już w następnej kolejce... w Gliwicach!

**Piotr Tubacki**

Fot. Marcin Bielecki / PAP

**Przewrotką co prawda nie strzelił, ale i tak Jordi Sanchez pokazał, że znakomicie wprowadził się do szatni Pogoni.**

### 3

**PIŁKARZY** debiutowało w nowych barwach w Szczecinie. Mecz numer jeden dla Pogoni zagrali włoski obrońca Alessandro Pio Riccio oraz jeden z głośniejszych transferów okienka, Jordi Sanchez. W Wieczystej debiutował z kolei bramkarz Mateusz Kochalski, który – jak sam wczoraj przyznał – do krakowskiego beniaminka trafił... bo nie miał innych opcji.

OCENA MECZU ★ ★

**Pogoń Szczecin 2:0 (0:0) Wieczysta Kraków**

1:0 – Curlinov, 59 min (asysta Dziczek), 2:0 – Sanchez, 90+4 min (asysta Dziczek)

**POGOŃ**: Cojocaru 6 – Riccio 4 (68. Ali 3), Keramitsis 6, Willen 6, Mendy 4 (84. Szalai niesklas.) – Dziczek 7, Biegański 5 (63. Acosta 3) – Curlinov 7, Wojciechowski 3 (64. Ława 5), Mukairu 5 (84. Juwara niesklas.) – Sanchez 7. Trener Oscar GARCIA. Rezerwowi: Peskovič, Dąbrowski, Grosicki, Czapliński, Nsame.

**WIECZYSTA**: Kochalski 5 – Fila 5, Wieteska 4, Dujmović 5 (46. Milić 4), Pestka 5 (74. Vojtko niesklas.) – Maigaard 4, Piazon 4 (68. Pusić 3) – Semedo 4 (68. de la Rosa 3), Christensen 5, Lungoyi 5 (57. Villar 3)– Koulouris 3. Trener Željko KOPIĆ. Rezerwowi: Mikułko, Cavlina, Dankowski, Djermanović, Zagrodzki, Lederman, Mras.

**Sędziował** Damian Sylwestrzak (Wrocław) – 7. **Sędzia VAR** Piotr Urban (Warszawa). **Widzów** 18 173. **Czas gry**: 94 min (45+49). **Żółte kartki**: Dziczek (85. faul) – Dujmović (35. faul), Piazon (62. faul), Pestka (71. faul).

eprasa.pl bf22096629

## WYNIKI 8. KOLEJKI

| | |
|---|---|
| Raków Częstochowa – Motor Lublin | 2:1 (1:1) |
| Wisła Kraków – Jagiellonia Białystok | 2:0 (1:0) |
| Śląsk Wrocław – Korona Kielce | 1:2 (0:1) |
| Górnik Zabrze – Lech Poznań | 2:1 (0:1) |
| Zagłębie Lubin – GKS Katowice | 2:1 (1:0) |
| Wisła Płock – Cracovia | 2:0 (1:0) |
| Pogoń Szczecin – Wieczysta Kraków | 2:0 (0:0) |
| Legia Warszawa – Widzew Łódź | 1:1 (1:1) |
| Radomiak – Piast Gliwice | poniedziałek |

## PROGRAM 9. KOLEJKI (18-20.09)

| | | |
|---|---|---|
| **Wtorek** - zaległe | Raków Częstochowa – Zagłębie Lubin | 18.00 |
| | Korona Kielce – Górnik Zabrze | 20.30 |
| **Piątek** | Widzew Łódź – Wieczysta Kraków | 18.00 |
| | Wisła Kraków – Śląsk Wrocław | 20.30 |
| **Sobota** | Korona Kielce – Raków Częstochowa | 14.45 |
| | GKS Katowice - Cracovia | 17.30 |
| | Motor Lublin – Górnik Zabrze | 20.15 |
| **Niedziela** | Piast Gliwice – Pogoń Szczecin | 12.15 |
| | Zagłębie Lubin – Wisła Płock | 14.45 |
| | Jagiellonia Białystok - Legia Warszawa | 17.30 |
| | Lech Poznań - Radomiak Radom | 20.15 |

## WYGRANI...

### 1. Pierwsze punkty

■ Może Raków Częstochowa nadal jest na ostatnim miejscu w tabeli, ale w bilansie nie ma już samych porażek. To spory przełom i mały sukces trenera Tomasza Kaczmarka. Nie miał on wiele czasu na pracę z zespołem, a mimo tego w debiucie potrafił zapunktować. A Częstochowianie stali przed niemałym wyzwaniem, bo przecież pierwsi stracili bramkę. Mimo tego nie poddali się i zdobyli pierwsze w tym sezonie punkty.

### 2. Wyczekane gole

■ Długo kibice Górnika Zabrze czekali na przełamanie Erika Prekopa. Czech w lidze nie grał regularnie. Trener Michal Gasparik w ostatnim czasie widział go w roli rezerwowego. Tak też było w sobotnim starciu z Lechem Poznań. Czeski snajper wszedł na murawę na ostatnie pół godziny i to on sprawił, że Zabrzanie odnieśli zwycięstwo. Przegrywali 0:1, a Prekop dwukrotnie wpisał się na listę strzelców. Co ciekawe, to jego pierwsze gole w ekstraklasie.

### 3. Trafia też dla Pogoni

■ W poprzednim tygodniu Jordi Sanchez był bohaterem głośnego transferu. W jego kontrakt z Wisłą Kraków wpisana została klauzula na poziomie 250 tysięcy euro. Hiszpan do tej pory był liderem klasyfikacji strzelców, więc w Pogoni Szczecin dokonali obliczeń i wyszło im na to, że kupno zawodnika będzie opłacalne. I snajper szybko udowodnił, że gole potrafi zdobywać nie tylko w barwach Białej Gwiazdy – już w debiucie w Pogoni pokonał bramkarza.

## PRZEGRANI...

### 1. Bez szans

■ Spora była radość w zespole GKS-u Katowice po zwycięstwie z Górnikiem Zabrze. Cóż, od tego spotkania minęły już dwie kolejki, a humory znacząco się pogorszyły. Podopieczni Rafała Góraka nie tylko przegrali 0:3 z Piastem Gliwice, ale także stracili punkty w rywalizacji z Zagłębiem Lubin. GieKSa zagrała słabo, nieprzekonująco, nie miała wielu okazji na gola. Jej szkoleniowiec słusznie zauważył, że porażka była zasłużona.

### 2. Miało być lepiej

■ Gdy już wydawało się, że Cracovia wychodzi na prostą, zespół zaczął regularnie przegrywać. Po wygranych z Rakowem (2:1) i Wieczystą (3:2) ekipa Bartosza Grzelaka odpadła z Pucharu Polski po porażce w karnych ze Zniczem Pruszków, w lidze została pokonana przez Radomiaka (1:2) i Górnika (0:1), a w ten weekend była bezradna w rywalizacji z Wisłą Płock (1:3) Czy trener Pasów powinien zacząć obawiać się o posadę?

### 3. Trudne chwile

■ Los beniaminka zazwyczaj jest trudny. I przekonuje się o tym Śląsk Wrocław. Dolnośląska drużyna przegrywała z Koroną Kielce po pierwszej połowie. Po zmianie stron, na kilkanaście minut przed ostatnim gwizdkiem, doprowadziła do wyrównania. Wypracowała sobie gola i... ostatecznie i tak przegrała. Kielczanie wykazali się cierpliwością i w trzeciej minucie doliczonego czasu dali lekcję czujności Wrocławianom, zdobywając gola.

**KJ**

# Człowiek orkiestra

**Sam sobie sterem, żeglarzem, okrętem... – Rafał Augustyniak strzelał gole w obie strony, przywalił też w poprzeczkę, no i oczywiście łatał dziury w defensywie. A do tego fajnie komentował ligowy klasyk.**

To był strzał Rafała Augustyniaka w dobrą stronę.

Fot. PAP / Leszek Szymański

## MÓWIĄ LICZBY

| LEGIA | | WIDZEW |
|---|---|---|
| 49 | posiadanie piłki | 51 |
| 15 | strzały | 12 |
| 3 | strzały celne | 2 |
| 4 | rzuty rożne | 5 |
| 2 | spalone | 1 |
| 15 | faule | 16 |
| 1 | żółte kartki | 3 |

**118**

**SEKUND** dzieliło trafienia Rafała Augustyniaka do łódzkiej, a potem do własnej bramki

Od 29 lat – i pamiętnego „odwróconego" (z 2:0 na 2:3) w ostatnich pięciu minutach meczu przy Łazienkowskiej dającego gościom tytuł, Widzew wciąż czeka na ligową wygraną w stolicy. To było 17. spotkanie od tamtej legendarnej potyczki, i dopiero trzeci remis Łodzian wywieziony z Warszawy. Ważny wszakże głównie z punktu widzenia Mateusza Stolarskiego, debiutującego – po ledwie dwóch treningach z zespołem – w roli szkoleniowca Łodzian. - To był już inny Widzew. Nie będę kryć, że sposób gry i preferowany przez niego styl jest bliski mojemu spojrzeniu na piłkę – Łukasz Masłowski, dyrektor sportowy łódzkiego klubu, zadowolony był i ze zdobytego punktu, i z obrazu meczu, występując przed kamerami Canal+ Sport.

Łodzianie rzeczywiście zagrali dużo ofensywniej niż za czasów Aleksandara Vukovicia. W tej sytuacji ironią jest meczowy protokół goli, w którym nie znajdziemy nazwiska żadnego widzewiaka. Gości w zdobyciu bramki wyręczył bowiem... ekswidzewiak, Rafał Augustyniak. - Wydaje mi się, że dotknąłem piłki i ostatecznie wpadło do siatki po mojej nodze... - drapał się po głowie stoper Legii, „zeznając" przed telewizyjnymi kamerami w przerwie meczu. Przykry wpis w CV mu pozostanie, choć zapewne gdyby nie (pechowa) interwencja Warszawiaka, piłkę do bramki skierować mógł Karol Świderski. - Przypisuję sobie jakieś 20 procent udziału w tej bramce za to, że nacisnąłem „Augusta" - śmiał się reprezentacyjny napastnik.

Ważne natomiast były kolejne słowa Augustyniaka. - Nie możemy dopuszczać do takich wrzutek! - przypominał. Miał do swoich partnerów uwagi w kontekście niezablokowanego dośrodkowania Mariusza Fornalczyka. Fornalczyk do... siebie - w kwestii niezablokowanego uderzenia z rzutu wolnego... Augustyniaka. Wszystko zdarzyło się niespełna dwie minuty wcześniej: Ruben Vinagre delikatnie tylko pchnął piłkę w prawo, a obrońca Legii walnął, ile sił w nogach. Fatalny błąd popełni Bartłomiej Dągrowski, ale koledzy wcześniej mogli go od niego uchronić. - Zaskoczyli nas. Zrobili to szybko i dobrze, choć może mogłem szybciej wyskoczyć z muru... - zastanawiał się widzewski skrzydłowy. Gdyby też ciut szybciej w drugiej połowie zamknął akcję po podaniu Stipe Biuka w poprzek pola karnego, byłoby 1:2...

To była akurat akcja bez udziału Augustyniaka. Ale w innych ważnych momentach już był. Pod bramką rywala – gdy w 33. minucie „główkował" w poprzeczkę (- Zabrakło troszkę dokładności i szczęścia – mówił), a w 54. minucie przed własną bramką zablokował zmierzające do siatki uderzenie Frana Alvareza (w pierwszej połowie po uderzeniu Hiszpana piłka otarła się o słupek). Prawdziwy człowiek orkiestra!

**Dariusz Leśnikowski**

OCENA MECZU ★★

**Legia Warszawa 1:1 (1:1) Widzew Łódź**

1:0 – Augustyniak, 19 min (asysta Vinagre), 1:1 – Augustyniak, 21 min (samob.)

**LEGIA**: Hindrich 6 – Piątkowski 5 (87. Reca niesklas.), Augustyniak 7, Deziel Jr 6 – Wszołek 5, Kapustka 5 (74. Szymański niesklas.), Urbański 4, Vinagre 6 – Ševcik 4 (73. Żewłakow niesklas.), Kuchta 3 (73. Wjunnyk niesklas.) – Szczepaniak 4 (62. Adamski 2). Trener Marek PAPSZUN. Rezerwowi: Brkić, Arreiol, Chodyna, Arsenić, Zjawiński.

**WIDZEW**: Drągowski 5 – Krajewski 4 (65. Żyro 4), Wiśniewski 6, Kapuadi 5, Mario Garcia 6 – Biuk 6 (84. Klukowski niesklas.), Papanikolaou 6, Fran Alvarez 5 (65. Dani Silva 4), Kornvig 6, Fornalczyk 7 – Świderski 5 (74. Bergier niesklas.). Trener Mateusz STOLARSKI. Rezerwowi: Ilić, Visus, Selahi, Vermesan.

**Sędziował** Patryk Gryckiewicz (Toruń) - 6. **Sędzia VAR** Bartosz Frankowski (Toruń). **Widzów** 27098. **Czas gry** – 95 min (45+50). **Żółte kartki**: Vinagre (90+4. niesp. zach.) - Świderski (44. niesp. zach.), Fornalczyk (55. faul), Klukowski (90+4. faul).

## GŁOS TRENERÓW

■ **Mateusz STOLARSKI**: - Cieszę się, że chłopaki dobrze zareagowali. Utrzymali determinację z czasów trenera Vukovicia, dołożyliśmy do tego parę nowych elementów i zdobyliśmy punkt.

■ **Marek PAPSZUN**: - Wiedziałem, że to nie będzie łatwy meczu – i nie był. Ale mam niedosyt, bo stworzyliśmy sobie trzy „dwusetki" i przynajmniej jedną z nich powinniśmy zmieścić.

## PRZEKAZ Z TRYBUN

■ Aleksandar Vuković nie doczekał swego powrotu na Łazienkowską, gdzie kiedyś – w roli piłkarza, a potem trenera Legii – sięgał po mistrzowskie tytuły. Doczekał się za to serdecznej reakcji ze strony kibiców Widzewa, którzy w swoim sektorze wywiesili wielki transparent „Vuko, dziękujemy".

## WCIĄŻ BEZ WYGRANEJ

■ To był piąty mecz, w którym debiutujący na ławce Widzewa w roli trenera Mateusz Stolarski prowadził zespół w starciu z Legią. I wciąż jeszcze młody szkoleniowiec w rubryce „zwycięstwa" wpisywać będzie „0". Jego Motor dwukrotnie w lidze ze stołeczną ekipą przegrywał i dwukrotnie remisował. Nigdy też Stolarski w bezpośrednim starciu ligowym nie zdołał pokonać Marka Papszuna. Do trzech porażek i jednego remisu dołożył drugi.

eprasa.pl bf22096629

Kamil Nowogoński (z prawej) otworzył wynik meczu.

Fot. PAP / Przemysław Karolczuk

# Udany jubileusz

## GKS Katowice nie zrobił wystarczająco dużo, by postawić się Zagłębiu Lubin.

Po trzech remisach z rzędu Zagłębie rozegrało mecz jubileuszowy, w ramach obchodów 80-lecia klubu. Lubinianie podjęli GKS Katowice i pokazali się z bardzo dobrej strony – wygrali 2:1. Co więcej, byli zdecydowanie lepszą drużyną w tym starciu. GieKSa od początku nie potrafiła stworzyć zagrożenia pod bramką Zlatana Alomerovicia. Z kolei podopieczni Leszka Ojrzyńskiego kontrolowali mecz, potrafili wchodzić w pole karne Katowiczan, dzięki czemu pierwszą połowę zakończyli z golem Kamila Nowogońskiego. 19-latek wykorzystał świetne podanie z prawego skrzydła Josipa Corluki.

Po przerwie Zagłębie nie cofnęło się do defensywy. Dalej grało tak, jak w pierwszej połowie, a poskutkowało to drugim golem. GKS znów dał się zaskoczyć w podobny sposób jak przy pierwszej stracie, po akcji na boku boiska. Tym razem nie asystował Corluka, a Igor Orlikowski, który zastąpił Bośniaka. Strzelał z kolei inny rezerwowy, Michalis Kossidis. W ten sposób Miedziowi wlali spokój w serca swoich kibiców, którzy marzyli o pięknym, zwycięskim spotkaniu jubileuszowym. Według idealnego dla nich planu, Zagłębie miało „dowieźć" dwubramkowe prowadzenie do ostatniego gwizdka. To się nie udało przez faul Romana Jakuby w polu karnym, przez co Arkadiusz Jędrych zmniejszył rozmiary porażki po uderzeniu z rzutu karnego. Ostatnie sekundy meczu były więc nerwowe, ale ostatecznie Miedziowi zdobyli trzy punkty i wyprzedzili Katowiczan w tabeli.

**Kacper Janoszka**

**MÓWIĄ LICZBY**

| ZAGŁĘBIE | | GKS |
|---|---|---|
| 41 | posiadanie piłki | 59 |
| 21 | strzały | 12 |
| 5 | strzały celne | 3 |
| 6 | rzuty rożne | 4 |
| 8 | faule | 10 |
| 3 | spalone | 2 |
| 3 | żółte kartki | 0 |

### GŁOS TRENERÓW

■ **Rafał GÓRAK**: - Przeciwnik był bardziej zdeterminowany i właśnie dzięki tej determinacji wygrał mecz. Musimy być nastawieni na grę obronną i z niej przechodzić do ataku. Nie może być tak, że rywal oddaje 18 strzałów z naszego pola karnego. Było to całkowicie zasłużone zwycięstwo Zagłębia, a my musimy wyciągać wnioski przed przerwą na kadrę. Uważam, że stać nas na bardzo dużo, ale musimy być tak pokorni, jak w meczu z Górnikiem Zabrze.

■ **Leszek OJRZYŃSKI**: - Przed drugą połową nie dokonaliśmy zmian personalnych, ale później zmieniliśmy napastnika oraz prawego wahadłowego i ta nowa dwójka, czyli Kosidis i Orlikowski, odcisnęła swoje piętno na drugim golu. Pod koniec niepotrzebnie zrobiło się nerwowo po rzucie karnym, ale nie daliśmy sobie już wydrzeć wygranej. Cieszymy się, że jubileusz został zwieńczony zwycięstwem.

OCENA MECZU ★★★

**Zagłębie Lubin 2:1 (1:0) GKS Katowice**

1:0 – Nowogoński, 42 min (asysta Corluka), 2:0 – Kossidis, 78 min (asysta Orlikowski), 2:1 – Jędrych, 90+4 min (karny)

**ZAGŁĘBIE**: Alomerović 6 – Ławniczak 6, Nalepa 7, Jakuba 5 – Corluka 6 (68. Orlikowski 6), Kocaba 5 (87. Kolan niesklas.), Dąbrowski 6, Colina 5 (87. Michalski niesklas.) – Reguła 6, Szymczak 5 (58. Kossidis 7), Nowogoński 7 (68. Sypek 5). Trener Leszek OJRZYŃSKI. Rezerwowi: Burić, Hładun, Dziewiatowski, Kerk, Mlinarić, Woźniak, Łyczko.

**GKS**: Kobylak 5 – Czerwiński 5, Jędrych 5, Resta 4 – Jirka 3 (73. Wdowiak niesklas.), Wolski 3 (46. Łukasiak 4), Kowalczyk 4 (83. Milewski niesklas.), Wasielewski 3 – Markovic 3 (63. Wędrychowski 4), Szkurin 4, Nowak 4 (83. Bartlewicz niesklas.). Trener Rafał GÓRAK. Rezerwowi: Kikolski, Kokosiński, Rasak.

**Sędziował** Tomasz Kwiatkowski (Warszawa) 7. **Sędzia VAR** Damian Kos (Wejherowo). **Widzów** 6832. **Czas gry** 97 min (46+51). **Żółte kartki**: Dąbrowski (44. faul), Jakuba (90+4. faul), Kolan (90+7. faul).

MECZ PIĄTKOWY

OCENA MECZU ★★

**Wisła Kraków 2:0 (1:0) Jagiellonia Białystok**

1:0 – Rodado, 14 min (głową, asysta Božić), 2:0 – Rodado, 87 min (bez asysty)

**WISŁA**: Łubik 5 – Giger 7, Uryga 8, Grujczić 8, Krzyżanowski 7 – Duda 8, Igbekeme 7 – Youan 7 (59. Duarte 5), Ertlthaler 8 (90. Mikulec niesklas.), Božić 8 – Rodado 8. Trener Mariusz JOP. Rezerwowi: Neugebauer, Carbo, Maisonneuve, Meseguer, Pławiński, Kutwa, Biedrzycki.

**JAGIELLONIA**: Abramowicz 5 – Wojtuszek 4 (72. Conceicao niesklas.), Vital 4, Konstantopoulos 4, Wdowik 4 – Imaz 4 (82. Lozano niesklas.), Romanczuk 5, Klynge 3 (59. Finndell 2) – Agbonifo 3 (46. Ćirković 3), Prelec 3 (59. Sylla 4), Szmyt 3. Trener Adrian SIEMIENIEC. Rezerwowi: Perchel, Polak, Stojinović, Drachal, Jóźwiak, Kozłowski.

**Sędziował** Piotr Lasyk (Bytom) – 3. **Sędzia VAR** Łukasz Szczech (Warszawa). **Czas gry** 94 min (45+49). **Widzów** 30736. **Żółta kartka** Vital (90+2. faul).

# Zaczął... Koszałek Opałek

**Nafciarze odnieśli pierwsze zwycięstwo i zdobyli pierwsze gole w tym sezonie na Orlen Stadionie. Bardzo blade Pasy poniosły trzecią ligową porażkę z rzędu w dziesiątym wyjazdowym meczu bez sukcesu.**

Po niemrawym początku obu drużyn prowadzenie objęli gospodarze. Z lewej strony idealnie dośrodkował Gallapeni, a Patryk Kun głową od poprzeczki pokonał Sebastiana Madejskiego. Cracovia straciła gola po główce najniższego na boisku zawodnika! Płocka ławka wybuchła wielką radością i... niedowierzaniem, w jaki sposób dał prowadzenie wychowanek węgorzewskiego klubu Koszałek Opałek. - Bardzo się cieszę z tej bramki, bo dawno nie strzeliłem. Otworzyliśmy wynik, ale w drugiej połowie trzeba iść po drugą bramkę, bo taki wynik niczego nie przesądza – rzucił w drodze na przerwę mierzący 165 centymetrów płocki pomocnik.

Płocczanie oddali do przerwy dwa celne strzały, lecz Olaf Kobacki nie wykorzystał stuprocentowej okazji po doskonałym dograniu Żana Rogelja. Ostatecznie Nafciarze udawali się na przerwę z prowadzeniem, a Krakowscy kibice już od 30 minuty w niewybredny sposób domagali się poprawy gry. - Byliśmy spóźnieni, nie tylko ja przy bramce Kuna. Druga sprawa, że w ofensywnie nie wyglądamy dobrze, tym bardziej po dwóch porażkach, ale mentalnie jeszcze jesteśmy w meczu – zapewniał obrońca gości Mauro Perković.

Po przerwie wyglądająca bardzo blado Cracovia straciła Dominika Baumgartnera, który w 58 minucie po faulu na Łukaszu Sekulskim ujrzał czerwoną kartkę. To wykluczenie zakończyło pierwsze wyjście w podstawowej jedenastce w tym sezonie Austriaka, a osłabienie gości szybko wykorzystał Adam Radwański. Piłka po rękach Madejskiego trafiła w słupek i odbiła się nieszczęśliwie od jego pleców, więc być może jemu statystycy zapiszą samobójczą bramkę.

W 69 minucie obejrzeliśmy kopię bramki gospodarzy z pierwszej połowy (główkował Mohamed Berte), ale radość gości z gola trwała minutę. Wynik meczu ustalił 22-letni pomocnik z Nigerii Samuel Akere, który dołączył kilka dni temu do Wisły z Widzewa na zasadzie wypożyczenia do 31 maja 2027 roku z opcją wykupu. Tym samym w pojedynku na przełamie triumfowali Płocczanie, którzy zakończyli serię pięciu kolejnych meczów bez zwycięstwa.

**Zbigniew Cieńciała**

**MÓWIĄ LICZBY**

| WISŁA P. | | CRACOVIA |
|---|---|---|
| 51 | posiadanie piłki | 49 |
| 5 | strzały celne | 1 |
| 16 | strzały | 8 |
| 3 | rzuty rożne | 4 |
| 11 | faule | 14 |
| 1 | spalone | 0 |
| 0 | żółte kartki | 4 |
| 0 | czerwone kartki | 1 |

OCENA MECZU ★★★

**Wisła Płock 3:1 (1:0) Cracovia**

1:0 – Kun, 10 min (głową, asysta Gallapeni), 2:0 – Radwański, 61 min (Rogelj), 2:1 – Berte, 69 min (asysta Perković), 3:1 – Akere, 70 min (asysta Radwański)

**WISŁA P.**: Leszczyński 6 – Haglind-Sangre 6, M. Kamiński 6, A. Silva 6 – Rogelj 7, Radwański 7, Kun 7 (80. Savvidis niesklas.), Tavares 5 (80. Prsir niesklas.), Gallapeni 6 (80. Hiszpański niesklas.) – Sekulski 6 (71. Hamulić niesklas.), Kobacki (63. Akere 4). Trener: Adam MAJEWSKI. Rezerwowi: Burek, Flis, Pomorski, Więckowski, Kościelecki.

**CRACOVIA**: Madejski 5 – Kakabadze 4 (71. Piła niesklas.), Baumgartner 0, Traore 4, Perković 4 – Klich 3 (65. Berte 4), Ltaief 4, Al-Ammari 4 – Hasić 4 (82. Zahiroleslam niesklas.), Nordas 4 (65. Dej 3), Mincev 3 (65. Henrikson 3). Trener: Bartosz GRZELAK. Rezerwowi: Cymerys, Chrapusta, Selan, Praszelik, Glik, Burlet, Kameri.

**Sędziował**: Paweł Raczkowski (Warszawa) - 8. **Sędziowie VAR**: Piotr Lasyk (Bytom) i Leszek Lewandowski (Zabrze). **Widzów**: 6128. **Czas gry** – 94 min (46+49). **Żółte kartki**: Baumgartner (20. faul), Mincev (51. faul), Baumgartner (58. faul), Piła (90+1. faul). **Czerwona kartka** – Baumgartner (58. po dwóch żółtych).

eprasa.pl bf22096629

# Hit dla Górnika!

## Znakomita końcówka zdecydowała o wygranej wicemistrza nad mistrzem Polski. Dwa razy trafił Erik Prekop.

W Zabrzu w sobotnie popołudnie była atmosfera wielkiego piłkarskiego wydarzenia. Na Stadionie im. Ernesta Pohla prawie 30 tys. kibiców, w tym duża grupa fanów Kolejorza. Świetna oprawa, a na murawie dwie najlepsze jedenastki poprzedniego sezonu, które ton rozgrywkom nadają i teraz.

### Błąd Schulze

Oba zespołu zaczęły odważnie. Już pierwsze minuty zapowiadały otwartą grę i emocje. To, że w pierwszym fragmencie nie było jakichś klarownych sytuacji, to w dużej mierze zasługa dobrej oraz uważnej gra obu bloków obronnych. Po kilkunastu minutach groźnie zza pola karnego wypalił będący w ostatnim czasie w dobrej formie Irańczyk Allahyar Sayyadmanesh, skończyło się na rożnym. Górnicy próbowali skrzydłami, gdzie aktywni byli z jednej strony Peter Federico, a z drugiej Maksym Chłań. Pierwszy celny strzał w spotkaniu, to właśnie próba Ukraińca. Uderzył z okolic 25 metra, ale Mateusz Lis sparował futbolówkę. Potem swojego boiskowego przyjaciela w bramce rywala mógł pokonać Rafał Janicki, po jego główce piłka poszybowała jednak nad poprzeczką.

Z czasem, szybkie tempo z pierwszych minut zaczęło opadać. Kibice zaczęli oglądać za to coraz więcej fauli, niektórych z nich prowadzący mecz Wojciech Myć nie musiał gwizdać, ale niestety często niepotrzebnie przerywał grę (do przerwy odgwizdał aż 20 przewinień!).

Niestety dla gospodarzy, jeden błąd kosztował ich stratę. Dośrodkowaną piłkę Philipp Schulze nie wypiąstkował wystarczająco daleko, ta trafiła na głowę Sayyadmanesha, który precyzyjnym trafieniem umieścił ją pod poprzeczką. Rozpaczliwe interwencje obrońców Górnika nic nie dały. To był kolejny błąd Niemca, który zawalił wcześniej m.in. w derbowej grze z GieKSą.

### Dwa razy Prekop

Zaraz po wznowieniu po kolejnej akcji Patrika Walemarka - to on dośrodkowywał przy trafieniu Irańczyka - mogło być 0:2, ale sprzed bramki piłkę wyekspediował na rożnego Jarosław Kubicki. Początek drugiej części to przewaga mistrza Polski, który atakował i miał przewagę w środku pola. Miejscowi nie bardzo potrafili się otrząsnąć po stracie bramki. W tej sytuacji po godzinie trener Michal Gasparik zdecydował się na potrójną zmianę, na boisku pojawiła się dwójka napastników Sondre Liseth i Erik Prekop oraz skrzydłowy Yvan Ikia Dimi. To był strzał w dziesiątkę, a w zasadzie za trzy punkty! Zaraz po wejściu celnie strzelił Liseth, ale Lis dobrze interweniował. Gra Zabrzan zaczęła nabierać tempa i na kilkanaście minut przed końcem było już 1:1! Dobre dośrodkowanie Kacpra Urbańskiego, a w polu bramkowym najlepiej znalazł się Prekop i z kilku metrów wpakował piłkę do siatki. „Jeszcze jeden! Jeszcze jeden!" – skandowali kibice na stadionie w Zabrzu.

Zaraz potem kolejna dobra akcja Urbańskiego, dośrodkowanie, ale tym razem piłka po strzale Prekopa została zablokowana. Kolejny korner dla Górnika i jak przy pierwszym golu dośrodkowanie z lewej strony, tym razem Janży. Prekop z najbliższej odległości trafia i 2:1 dla wicemistrza Polski. Niesamowity zwrot akcji, ale nagana należy się również obrońcom Lecha, którzy w dwóch bliźniaczych sytuacjach w ciągu kilku minut dali się łatwo zaskoczyć.

**Michał Zichlarz**

OCENA MECZU ★★★★

| Górnik Zabrze | 2:1 (0:1) | Lech Poznań |
|---|---|---|

0:1 – Sayyadmanesh, 36 min (głową), 1:1 – Prekop, 76 min (asysta Urbański), 2:1 – Prekop, 80 min (asysta Janża)

**GÓRNIK**: Schulze 4 – Saczek 6, Janicki 6, Josema 7, Janża 7 (83. Zmrzły niesklas.) – Peter 5 (60. Ikia Dimi 4), Bernardo 5 (60. Liseth 4), Kubicki 6, Urbański 7 (87. Sadilek niesklas.), Chłań 7 – Antiste 6 (60. Prekop 7). Trener Michal GASPARIK. Rezerwowi: Loska, Bochniewicz, Dietz, Donio.

**LECH**: Lis 5 – Pereira 5, Skrzypczak 5, Mońka 5, Gurgul 5 – Walemark 7, Murawski 6 (64. Jagiełło 3), Berggren 5, Rodriguez 5 (71. Palma niesklas.), Sayyadmanesh 7 (64. Bengtsson 3) – Ishak 5 (71. Agnero niesklas.). Trener Niels FREDERIKSEN. Rezerwowi: Pruchniewski, Moutinho, Yegbe, Gumny.

**Sędziował** Wojciech Myć (Lublin) - 5. **Sędzia VAR** Szymon Marciniak. **Czas gry** 94 min (45+49). **Widzów** 28 007. **Żółte kartki**: Kubicki (30. faul), Saczek (40. faul), Bernardo (55. faul), Antiste (60. faul), Prekop (81. niesportowe zachowanie) - Walemark (26. faul), Sayyadmanesh (37. niesportowe zachowanie).

Górnik w niesamowitych okolicznościach ograł Lecha. Od lewej Peter Federico, Pablo Rodriguez i Michal Saczek.

Fot. PAP / Art Service

### GŁOS TRENERÓW

■ **Niels FREDERIKSEN**: - Przegrać mecz, to dość nietypowe uczucie, ale też absolutnie nie zasługiwaliśmy na wygraną. To był rozczarowujący występ w naszym wykonaniu. Mierzyliśmy się z czołowym zespołem. To był topowy mecz, a w takich spotkaniach trzeba wejść na wyższy poziom. My, szczególnie po przerwie, tego nie zaprezentowaliśmy. W drugiej połowie tak naprawdę przestaliśmy grać. Przy rzutach rożnych Górnika nie wypełniliśmy swoich zadań, ale to tylko część wytłumaczenia porażki.

■ **Michal GASPARIK:** - Spotkanie było wyrównane, nie było zbyt wielu sytuacji podbramkowych. I my i Lech próbowaliśmy eliminować atuty rywala. Przez cały mecz graliśmy o zwycięstwo, przeciwnik oddał tylko jeden celny strzał, a gola straciliśmy po wielkim błędzie. Potem pomogły nam zmiany. Dwie bramki Prekopa? Wierzę, że Erik się odblokował. Wcześniej był krytykowany, teraz strzelił dwie bramki. Myślę, że definicja słowa „team", to Górnik Zabrze. Musimy zostać pokorni i dalej pracować. Doceniamy to zwycięstwo, bo wiemy, jaką statystykę ma Lech. Ma najlepszych piłkarzy, ale w sobotę Górnik był lepszy na boisku.

### MÓWIĄ LICZBY

| GÓRNIK | | LECH |
|---|---|---|
| 51 | posiadanie piłki | 49 |
| 12 | strzały | 10 |
| 4 | strzały celne | 1 |
| 5 | rzuty rożne | 4 |
| 4 | spalone | 3 |
| 19 | faule | 14 |
| 5 | żółte kartki | 2 |

## TRZY PYTANIA DO...

### JAROSŁAWA KUBICKIEGO
pomocnika Górnika

**1. Wygraliście z mistrzem Polski. Jak pan to skomentuje?**

- Pokazaliśmy w drugiej połowie, że potrafimy odwracać losy spotkania, szczególnie u nas. Przyjezdni mają tu ciężko, co pokazał także mecz z Lechem. Najważniejsze, że strzelamy o jednego gola więcej niż przeciwnik i zdobywamy trzy cenne punkty. Plan na spotkanie może nie został do końca wykonany, bo straciliśmy bramkę, ale ostatecznie liczy się to, że wygrana została w Zabrzu.

**2. Wskoczyliście po wygranej na pozycję lidera. Podobnie było w zeszłym roku, kiedy po ośmiu kolejkach prowadziliście. Jest satysfakcja?**

- Teraz to nie ma znaczenia. Sezon jest długi. Ledwo się wakacje skończyły, a jeszcze wiele, wiele grania przed nami. To dopiero początek wszystkiego.

**3. Czasu na odpoczynek nie macie za wiele, bo we wtorek zaległe spotkanie z drugiej kolejki z Koroną. Jak będzie w Kielcach?**

- Nie ma wiele czasu, trzeba się regenerować, ale na pewno damy radę!

**Rozmawiał zich**

## TRZY PYTANIA DO...

### ALLAHYARA SAYYADMANESHA
skrzydłowego Lecha

**1. Co powie pan o meczu z Górnikiem? Duże rozczarowanie?**

- O tak, bo przyjechaliśmy do Zabrza po trzy punkty. Takie rzeczy się jednak w futbolu dzieją i teraz najważniejsze, jak na wszystko zareagujemy w tygodniu. Czas na pozbieranie się i na mecz w europejskich pucharach w czwartek.

**2. Po zdobytej bramce zaprezentował pan zaskakującą cieszynkę, zakładając pomarańczową maskę. O co chodziło?**

- Ta maska związana jest z bohaterem jednego z moich ulubionych filmów anime. To postać Obito. To wszystko było zaplanowane wcześniej, że tak zrobię po zdobytym golu. Udało się.

**3. Przed wami starcie w Lidze Europy w czwartek z Crystal Palace. Jak będzie w Londynie?**

- Na mecz jedziemy z takim samym nastawieniem jak na spotkanie ekstraklasy, chcemy wygrać. To jest cel. Mamy nadzieję, że pokażemy się z dobrej strony i zwyciężymy. Teraz najważniejsze to odpocząć po meczu z Górnikiem i być gotowym na dwa mecze przed reprezentacyjną przerwą.

**Rozmawiał Michał Zichlarz**

eprasa.pl bf22096629

# W tej szatni każdy chce wygrywać

## Rozmowa z **Patrykiem Makuchem**, strzelcem dwóch goli dla Rakowa w meczu z Motorem

**Jak duży kamień spadł panu z serca? Czekaliście na tę wygraną rekordowo długo.**

– Gratulacje i uznanie należą się całej drużynie, bo wszyscy musieliśmy na to zapracować. Wiemy, w jakiej sytuacji się znajdowaliśmy, drużyna była nastawiona mocno pozytywnie. Nie było zwieszania głów, tylko energia, żeby odwrócić te ostatnie mecze, wygrać i dać trochę radości kibicom.

**Najważniejsza było nastawienie mentalne? Teraz będzie już łatwiej?**

– Musimy do tego wszystkiego podchodzić z meczu na mecz, skupiać się na najbliższym przeciwniku i dobrze się przygotowywać. Trener Kaczmarek przekazał nam fajną energię i na tej pozytywnej fali musimy budować, a wtedy powinno być dobrze. Musimy być bardzo skoncentrowani, aby z pokorą podejść do kolejnych spotkań.

**Te gole są też chyba wyjątkowe z innego powodu, to pierwsze po narodzeniu córeczki Laury.**

– Tak, na pewno czekała na kołyskę. Fajnie, że się udało, a ta druga bramka dała wyjątkową radość, bo przesądziła o zwycięstwie. W tym momencie to było dla nas najważniejsze.

**Energię, o której pan mówi, czuć było od początku. Można nawet odnieść wrażenie, że to, jak poruszaliście się na boisku, było nawet ważniejsze od samego zwycięstwa. W pierwszej połowie mieliście więcej odbiorów niż we wszystkich wcześniejszych meczach.**

– Tak, my też jako zawodnicy odczuwaliśmy taką energię z boiska, Nawet ta stracona bramka nie zabiła w nas takiej motywacji. Przyjemnie się gra, gdy dobrze funkcjonujesz na boisku. To zrozumienie powinno być lepsze z każdym meczem, będzie się tworzyła chemia między nami.

**Nowy trener często jest szansą na „nowe życie" dla zawodników zagrzebanych w rezerwach. Wielkim wygranym tego meczu jest bez wątpienia Marko Bulat.**

– Marko należą się brawa, bo to też nie jest łatwe po takim czasie wrócić i od razu dobrze zagrać w wyjściowej jedenastce. Potrzebujemy go w dobrej formie!

**Nie pozostaje chyba nic innego jak pójść za ciosem. Trzy punkty we wtorek z Zagłębiem mogą was dźwignąć z ostatniego miejsca.**

– Tak jak mówiłem, w naszym przypadku musimy patrzeć z meczu na mecz. Musimy wykorzystać jak najlepiej tę energię, która się pojawiła po wygranej. Będziemy robić wszystko, aby to kontynuować.

**Druga połowa to była już prawdziwa wymiana ciosów, Raków w końcu dobrze się oglądało.**

– W końcówce czuć było, że na boisku porobiło się wiele przestrzeni. Dla ofensywnych zawodników to przyjemne warunki, dla obrońców pewnie trochę mniej. Ważne, że wyszliśmy z tego zwycięsko i potrafiliśmy ten decydujący cios wyprowadzić.

**Jak duży stres był w szatni przed tym meczem? Bo te porażki na pewno podwyższały temperaturę...**

– W tej szatni każdy chce wygrywać. Ta wewnętrzna motywacja na nas ciążyła, bo – nie ma się co oszukiwać – zerowy dorobek punktowy w nas siedział. Motywacja była wielka, bardzo mocno chcieliśmy wygrać.

**Wszelkie analizy wskazują, że nowy trener daje szybki efekt w postaci wygranej, ale przeważnie jest to krótkotrwałe. Co zrobić, aby to podtrzymać?**

– To już pytanie do trenerów i analityków. Na pewno mają już jakiś pomysł na to, abyśmy zwyciężali przez dłuższy czas. My jako zawodnicy na pewno będziemy chcieli taki plan realizować.

**Rozmawiał i notował Mariusz Rajek**

Fot. Grzegorz Misiak / Press Focus

**Gdyby wszyscy w Rakowie grali z takim zaangażowaniem i skutecznością jak Patryk Makuch, w Częstochowie biliby się o najwyższe cele.**

**MÓWIĄ LICZBY**

| RAKÓW | | MOTOR |
|---|---|---|
| 52 | posiadanie piłki | 48 |
| 15 | strzały | 15 |
| 7 | strzały celne | 5 |
| 8 | rzuty rożne | 4 |
| 12 | faule | 14 |
| 0 | spalone | 1 |
| 2 | żółte kartki | 0 |

OCENA MECZU ★ ★ ★ ★

**Raków Częstochowa 2:1 (1:1) Motor Lublin**

0:1 – Lukoszek, 34 min (asysta Rodrigues), 1:1 – Makuch, 42 min (asysta Bulat), 2:1 – Makuch, 77 min (asysta Koczergin)

**RAKÓW**: Trelowski 6 – Tudor 6, Racovitan 6, Svarnas 5 – Pieńko 5, Struski 6 (61. Koczergin 6), Repka 4, Bulat 7 (76. Basse niesklas.), Silva 7 (87. Perović niesklas.) – Emreli 6 (87. Ojo niesklas.), Makuch 9. Trener Tomasz KACZMAREK. Rezerwowi: Karić, Napieraj, Zatterstroem, Brorsson, Debohi, Jendryka, Mircetić, Brusberg.

**MOTOR**: Tratnik 6 – Lukoszek 6 (87. Meyer niesklas.), Bereszyński 4, Bartoś 5, Luberecki 5(87. Posmyk niesklas.) – Bourhane 5 – Ndiaye 6 (80. Rony Lopes niesklas.), Rodrigues 6, Łęgowski 5 (80. Kikis niesklas.), Fabio Ronaldo 5 (62. Aiko 6) – Czubak 6. Trener Mariusz MISIURA. Rezerwowi: Popa, Akatov, Gregorski, Haxha, Plavotić, Santos, Tall.

**Sędziował** Szymon Marciniak (Płock) – 6. **Sędzia VAR** Patryk Gryckiewicz (Toruń). **Widzów** 4759. **Czas gry** 95 min (46+49). **Żółte kartki**: Struski (31, faul), Koczergin (81, faul).

# Ciasteczko z pokrętełka

**Kiedy nie ma w składzie samca alfa, nie ma i talarów za zwycięstwo. Jest tylko korona cierniowa - chciałoby się podsumować występ wrocławskiego beniaminka, który zagrał bez kapitana.**

Piotr Samiec-Talar przed pierwszym gwizdkiem odebrał nagrodę dla „Piłkarza sierpnia" w ekstraklasie. W cywilnym stroju oczywiście, w którym zaraz potem poszedł na trybuny. „Piłkarzem września" nie zostanie na pewno, bo na murawy wróci dopiero w październiku, po reprezentacyjnej przerwie. To efekt ręki złamanej w nadgarstku w minionej kolejce.

### Gdzie starszak nie może, tam dzieciaka poślą

A bez niego ani rusz – można by powiedzieć. Coś w tym być musi, skoro Ante Simundża na pomeczowej konferencji walił prosto z mostu. - W pierwszej połowie przegrywaliśmy środek pola. Nie byłem zadowolony z Grzegorza Tomasiewicza i Enissa Shabaniego. Dobrze zagrał tylko Karol Linetty, ale on nie może brać całej odpowiedzialności na siebie – mówił. Słoweński opiekun Śląska po zmianie stron poszedł więc na całość, wpuszczając na murawę najpierw Doriana Markowskiego, a potem Adama Ciućkę. Obaj ledwie kilka miesięcy temu odebrali dowody osobiste, ale piłkarskiej dojrzałości – a może raczej chęci i determinacji – więcej u nich, niż u wielu wrocławskich „starszaków".

### Ciućka się nie ciaćka

- Mój cel po wejściu? Ruszyć grę do przodu – po kozacku (to nie zarzut, a odnotowanie faktu) rozmawiał z mediami po meczu ten pierwszy. Drugi mniej gadał, za to więcej grał. Kozacka była jego asysta do Malaly'ego Dembele, któremu w tym jednym – na szczęście kluczowym dla Śląska – momencie nogi na sekundę przestały się plątać, dzięki czemu uprzedził Ariela Mosóra i skierował piłkę do siatki. Kozackie były też dwa strzały Ciućki, którego pech polegał na tym, że Xavier Dziekoński fach swój zna może i najlepiej spośród wszystkich „łapaczy" w ekstraklasie. - I Ciućka, i Markowski pokazali, że są bardzo blisko składu. To cieszy, bo to zawodnicy z naszej akademii, którzy wiedzą, co to znaczy grać dla Śląska – uderzał w patetyczne tony zazwyczaj mocno bezpośredni Simundża.

### Gol z flippera

Pech Śląska nie ograniczał się tylko do Dziekońskiego w bramce Korony. Miał też postać jego własnych defensorów: Mariusz Stępiński nie zdobyłby swego gola numer 4 w tym sezonie, gdyby nie noga Lamine Ba i biodro Jehora Macenki: tak – niczym we flipperze sprzed czterech dekad (ktoś jeszcze pamięta???) – odbijała się piłka uderzana przez „Stempla", zanim wpadła do wrocławskiej siatki. Niefart Śląska miał też twarz – a raczej nogę z pokrętełkiem – Kamila Jakubczyka. - Myślę, że z meczu na mecz takich akcji będzie więcej. A asysta przy golu Simona? Cóż, w następnym meczu niech on się postara wyłożyć mi taką piłkę – mówił 22-latek, który w doliczonym czasie gry wjechał w pole karne gospodarzy i posłał „ciasteczko" do Gustafsona, dając mu szansę – po pół roku gry w Polsce – na otwarcie dorobku bramkowego!

### Co oczy widzą, tego sercu nie żal

Korona zdobyła jeszcze jednego gola, ale arbiter – po konsultacji z VAR-em – go anulował. - Obrońca przewrócił się przy moich nogach, był kontakt i sędzia tak zadecydował – wzruszał ramionami Mariusz Stępiński, asystujący przy trafieniu Michaela Ameyawa. Jacek Zieliński zaś był jeszcze bardziej rzeczowy: - Nawet specjalnie się po tym trafieniu nie cieszyłem. Z mojej perspektywy było widać, że doszło do przewinienia....

**(DaL)**

**MÓWIĄ LICZBY**

| ŚLĄSK | | KORONA |
|---|---|---|
| 57 | posiadanie piłki | 43 |
| 11 | strzały | 17 |
| 5 | strzały celne | 7 |
| 6 | rzuty rożne | 3 |
| 2 | spalone | 2 |
| 13 | faule | 15 |
| 1 | żółte kartki | 0 |

OCENA MECZU ★ ★ ★

**Śląsk Wrocław 1:2 (0:1) Korona Kielce**

0:1 – Stępiński, 35 min (bez asysty), 1:1 – Dembele, 79 min (asysta Ciućka), 1:2 – Gustafson, 90+2 min (asysta Jakubczyk)

**ŚLĄSK**: Niemczycki 6 – Andersson 5, Macenko 5, Ba 4, Malec 4, Llinares 3 (69. Ciućka 6) – Shabani 4 (69. Jurcec 5), Linetty 5, Tomasiewicz 3 (46. Markowski 5) – Dembele 4 (81. Banaszak niesklas.), Marjanac 3 (46. Camoes 4). Trener Ante SMINUDŻA. Rezerwowi: Szromnik, Ślicznіak, Szala, Christodoulou, Dijakovič, Yriarte, Żulewski.

**KORONA**: Dziekoński 6 – Rubežić 5, Pięczek 5, Mosór 5 – Ameyaw 4 (63. Fassbender 4), Remacle 5 (63. Mena 4), Jakubczyk 7, Hellebrand 6 – Długosz 6, Stępiński 6 (77. Bąk niesklas.), Lingr 3 (77. Gustafson 1). Trener Jacek ZIELIŃSKI. Rezerwowi: Mamla, Davidović, Nono, Matuszewski, Ciszek, Smolarczyk, Sotiriou, Barczak.

**Sędziował** Piotr Rzucidło (Warszawa) - 6. **Sędzia VAR** Paweł Malec (Łódź). **Widzów** 14 583. **Czas gry** – 95 min (45+50). **Żółta kartka** - Linetty (85. faul).

eprasa.pl bf22096629

## TABELA PO 8. KOLEJCE

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. ŁKS | 8 | 15 | 13:7 | 4 | 3 | 1 |
| 2. Pogoń G.M. | 8 | 15 | 13:8 | 4 | 3 | 1 |
| 3. Miedź | 8 | 14 | 12:6 | 4 | 2 | 2 |
| 4. Chrobry | 8 | 12 | 11:6 | 3 | 3 | 2 |
| 5. Warta (b) | 8 | 12 | 14:11 | 4 | 0 | 4 |
| 6. Polonia W. | 8 | 11 | 13:12 | 3 | 2 | 3 |
| 7. Arka (s) | 8 | 11 | 10:9 | 3 | 2 | 3 |
| 8. Ruch | 8 | 11 | 9:11 | 3 | 2 | 3 |
| 9. Stal Rz. | 8 | 11 | 7:13 | 3 | 2 | 3 |
| 10. Bruk-Bet (s) | 7 | 10 | 11:11 | 3 | 1 | 3 |
| 11. Lechia (s) | 8 | 10 | 10:14 | 3 | 1 | 4 |
| 12. Pogoń S. | 7 | 9 | 7:6 | 2 | 3 | 2 |
| 13. Odra | 8 | 9 | 7:8 | 2 | 3 | 3 |
| 14. Stal M. | 7 | 9 | 12:14 | 2 | 3 | 2 |
| 15. Unia (b) | 8 | 9 | 9:14 | 3 | 0 | 5 |
| 16. Polonia B. | 8 | 8 | 14:17 | 1 | 5 | 2 |
| 17. Podbeskidzie (b) | 8 | 7 | 11:13 | 0 | 7 | 1 |
| 18. Puszcza | 7 | 6 | 6:9 | 2 | 0 | 5 |

**1-2 – awans, 3-6 – baraże, 16-18 – spadek**

## WYNIKI 8. KOLEJKI (11-14.09)

| | |
|---|---|
| Polonia Warszawa – Polonia Bytom | 2:2 (1:0) |
| Puszcza Niepołomice – ŁKS Łódź | 1:2 (1:1) |
| Warta Poznań – Arka Gdynia | 3:0 (1:0) |
| Chrobry Głogów – Pogoń Siedlce | 0:0 |
| Ruch Chorzów - Podbeskidzie | 3:3 (1:1) |
| Unia Skierniewice – Pogoń Grodzisk Maz. | 3:2 (0:1) |
| Lechia Gdańsk – Miedź Legnica | 2:1 (1:0) |
| Odra Opole – Stal Rzeszów | 0:1 (0:1) |
| Stal Mielec – Bruk-Bet Termalica | poniedziałek 19.00 |

## PROGRAM 9. KOLEJKI (18-20.09)

**Piątek**: Warta - Puszcza (18.00), Polonia B. - Ruch (20.45), **sobota**: Lechia – Stal M. (12.30), Bruk-Bet - Odra, Pogoń G. M. – ŁKS, Polonia W. – Chrobry (wszystkie 15.30), Miedź – Stal Rz. (19.00) **niedziela**: Pogoń S. – Arka (14.30), Podbeskidzie – Unia S. (17.30).

| | Arka | Bruk-Bet | Chrobry | Lechia | ŁKS | Miedź | Odra | Podbeskidzie | Pogoń G. | Pogoń S. | Polonia B. | Polonia W. | Puszcza | Ruch | Stal M. | Stal R. | Unia | Warta |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **Arka** | | 24.10. | 1.05. | 17.04. | **1:1** | 27.02. | 12.12. | 7.11. | 15.05. | 3.04. | **1:1** | 10.10. | **3:0** | 28.11. | 29.05. | **4:0** | 13.02. | 20.03. |
| **Bruk-Bet** | 24.04. | | 7.11. | **2:1** | 20.02. | 1.05. | 19.09. | 15.05. | 6.03. | 6.02. | 29.05. | **1:3** | 17.10. | **2:0** | 20.03. | 28.11. | 10.04. | **1:2** |
| **Chrobry** | 31.10. | 8.05. | | 29.05. | 13.02. | 13.03. | 1.08. | **1:1** | 10.10. | **0:0** | 17.04. | 3.04. | 21.11. | **2:0** | 24.04. | 12.12. | 28.11. | **0:1** |
| **Lechia** | 17.10. | 13.03. | 5.12. | | 22.05. | **2:1** | 21.11. | 13.02. | **0:3** | **1:0** | 8.05. | 6.03. | 24.04. | 20.02. | 19.09. | 10.04. | 31.10. | **0:3** |
| **ŁKS** | 13.03. | **2:1** | **1:2** | 28.11. | | 15.05. | 6.03. | 17.10. | 3.04. | 12.12. | **2:1** | 31.10. | 20.03. | 10.10. | **4:0** | 7.11. | 29.05. | 24.04. |
| **Miedź** | **2:0** | 31.10. | **1:1** | 20.03. | 21.11. | | 10.04. | **1:1** | **0:1** | 29.05. | 28.11. | 24.04. | 8.05. | 6.02. | 17.10. | 19.09. | 20.02. | **2:1** |
| **Odra** | **0:1** | 3.04. | 6.02. | 15.05. | **0:0** | 10.10. | | 27.02. | 29.05. | 24.10. | 1.05. | 28.11. | 13.02. | 17.04. | 13.03. | **0:1** | 7.11. | **3:1** |
| **Podbeskidzie** | 8.05. | 21.11. | 20.02. | **2:2** | 17.04. | 12.12. | **1:1** | | 28.11. | 10.10. | 13.03. | 29.05. | 6.03. | 20.03. | 6.02. | 24.10. | 19.09. | 31.10. |
| **Pogoń G.** | 21.11. | **2:2** | 10.04. | 12.12. | 19.09. | 13.02. | 5.12. | 22.05. | | 8.05. | 27.02. | 7.02. | **1:0** | 24.04. | 31.10. | **1:1** | 20.03. | **1:2** |
| **Pogoń S.** | 19.09. | **1:2** | 20.03. | 27.02. | **1:1** | 5.12. | 24.04. | 10.04. | 7.11. | | 13.02. | **1:0** | 5.09. | 31.10. | **2:0** | 17.10. | 15.05. | 22.05. |
| **Polonia B.** | 6.03. | 5.12. | 17.10. | 7.11. | 6.02. | 22.05. | 31.10. | **0:0** | **2:2** | **2:2** | | 20.03. | 10.04. | 19.09. | 20.02. | 15.05. | 24.04. | **4:3** |
| **Polonia W.** | 10.04. | 27.02. | 19.09. | **2:4** | 1.05. | 24.10. | 22.05. | 5.12. | 17.04. | 20.02. | **2:2** | | 12.12. | **1:1** | 21.11. | 13.03. | **3:1** | 8.05. |
| **Puszcza** | 20.02. | 17.04. | 15.05. | 24.10. | **1:2** | 7.11. | **3:1** | **2:0** | 6.02. | 13.03. | 10.10. | **0:1** | | 29.05. | 28.11. | 1.05. | **0:1** | 3.04. |
| **Ruch** | 22.05. | 12.12. | 6.03. | **1:0** | 10.04. | **0:2** | 17.10. | **3:3** | 24.10. | 1.05. | 3.04. | 13.02. | 5.12. | | 8.05. | 27.02. | **3:1** | 21.11. |
| **Stal M.** | 5.12. | 12.09. | 24.10. | 3.04. | 27.02. | 17.04. | **1:1** | **3:3** | 1.05. | 6.03. | **5:2** | 15.05. | 22.05. | 7.11. | | 13.02. | 12.12. | 10.10. |
| **Stal R.** | 6.02. | 22.05. | **1:5** | 10.10. | 8.05. | 3.04. | 20.03. | 24.04. | 20.02. | 17.04. | 21.11. | **2:1** | 31.10. | **0:1** | **1:1** | | 6.03. | 5.12. |
| **Unia** | **2:0** | 10.10. | 22.05. | 1.05. | 5.12. | **0:3** | 8.05. | 3.04. | **3:2** | 21.11. | 24.10. | 6.02. | 27.02. | 13.03. | **1:2** | **0:1** | | 17.04. |
| **Warta** | **3:0** | 13.02. | 22.08. | 6.02. | 24.10. | 29.08. | 20.02. | 1.05. | 13.03. | 28.11. | 12.12. | 7.11. | 19.09. | 15.05. | 10.04. | 29.05. | 17.10. | |

## KOMENTARZ „SPORTU”

**Dariusz Leśnikowski**

### Już są w Ogródku

Hit 8. kolejki? Gdyby zapytać o to przed jej rozpoczęciem, zapewne niewielu wskazałoby na mecz w Poznaniu. W tym sezonie Arka, mimo letniej rewolucji, przypomina zespół z poprzednich rozgrywek; ten, który z 17 gier w gościnie przegrał 13, a wygrał – ledwie jedną. Warta zaś do tej pory wynikowo „zataczała się” od ściany do ściany. Była – i wciąż jest – zespołem bezkompromisowym, w myśl zasady „wszystko albo nic”. Kunktatorstwo, podział punktów? W żadnym wypadku!

To swoisty przywilej młodości; miewa ona swoją cenę w postaci błędów, ale gdy ma swój dzień, jest nie do zatrzymania. W sobotnie popołudnie beniaminek miał w swej jedenastce dziewięciu piłkarzy z rokiem urodzenia rozpoczynającym się od dwójki, a wszystkie trzy gole jednemu z głównych kandydatów do awansu zaaplikowali 21-latkowie. Mogło ich być zresztą dużo więcej, a znakiem firmowym ekipy Macieja Tokarczyka (34 lata) stają się kapitalne akcje w okolicach „szesnastki” rywala, grane „na jeden kontakt”. To powiew świeżości w lidze, w której czasami „klepie się” piłkę dla samego „klepania”.

Jest jeszcze jeden element, który każe spojrzeć na Wartę z uwagą. Po siedmiu występach na boiskach rywali, w Poznaniu zakończone prace nad murawą kameralnego stadioniku przy Drodze Dębińskiej 12. W ubiegłym sezonie był znaczącym atutem Zielonych w II lidze, przegrali u siebie ledwie dwa razy (najmniej w całej stawce). Jeżeli u progu rundy rewanżowej, kiedy przyjdzie im zagrać siedem spotkań w roli gospodarza, zamienią swój obiekt w twierdzę, może okazać się, że nie tylko są w Ogródku (to jego oficjalna nazwa), ale i przywitają się z (ekstraklasową) gąską!

# Godzina w przewadze i nic

Fot. Odra Opole

**Bartosz Biedrzycki i jego koledzy z Odry zostali przez Rzeszowian rzuceni na kolana.**

## Rzeszowska młodzież przerwała passę spotkań bez porażki Odry.

Z perspektywy tabeli porażka Odry, która od 8 sierpnia mogła się szczycić mianem niepokonanej, z Rzeszowianami, grającymi od 35 minuty w dziesiątkę, na pewno jest niespodzianką. Trzeba jednak dodać, że ze Stali, która po 5 kolejkach zajmowała ostatnie miejsce w tabeli, mając zaledwie dwa punkty, nie ma już ani śladu. Podopieczni Marka Zuba otrząsnęli się z niedanego wejścia w sezon i zaczęli straszyć rywali. Przekonali się o tym także Opolanie, bo gdy – jak zwykle – odważnie i wysoko zakładali pressing w pierwszych minutach, rywale spokojnie wychodzili spod naporu i wyprowadzali groźne akcje.

Najlepszą rozpoczął i zakończył w 16 minucie Szymon Pukała. 19-latek, który 1 września w pół godziny zachwycił hat trickiem w Pucharze Polski z Podbeskidziem, tym razem przechwycił futbolówkę na połowie gospodarzy i ruszył odważnie do przodu. Podał do Wojciecha Brzęka, a 18-latek rozciągnął grę, zapraszając do szarży lewoskrzydłowego Marvina Rittmuellera. Doświadczony Niemiec dobiegł do linii bocznej pola karnego i ostro dośrodkował, a zamykający akcję Pukała uprzedził Maksymiliana Pingota i biodrem z 7. metra pokonał Artura Halucha.

Był to jedyny celny strzał przed przerwą i jedno z dziewięciu uderzeń Rzeszowian w tej części spotkania. Obraz gry, w której znacznie wyraźniej swoje zadania taktyczne realizowali przyjezdni, uległ zmianie w 35 minucie. Wtedy to bowiem Mateusz Leniart został ukarany drugą już w tym spotkaniu żółtą kartką i Stal musiała grać w osłabieniu.

Opolanie przejęli więc inicjatywę, a kibice Niebiesko-czerwonych liczyli, że drużyna Łukasza Tomczyka zagra tak, jak w pucharowym starciu z Wisłą Kraków. Wtedy też po golu straconym w 16 minucie i czerwonej kartce dla rywali, Odra wygrała 2:1, obie bramki zdobywając w pierwszym kwadransie po zmianie stron.

Tym razem jednak czas mijał, a w rubryce strzały celne miejscowych ciągle widniało zero. Próbowali je wymazać Stanisław Gieroba czy Tomasz Gajda, ale to Rzeszowianie pokazali, jak się powinno finalizować swoje zamierzenia. Dwa razy pokazał się asystent przy golu z pierwszej połowy. Ograny w 2. Bundeslidze wychowanek Rot-Weiss Erfurt na w 63 minucie w polu karnym ograł Filipa Kupczyka i huknął z 14 metra, ale Haluch instynktownie – choć już ruszył w lewą stronę – zostawił rękę i obronił. 27-letni Niemiec także dwie minuty później w podbramkowym zamieszaniu znalazł miejsce do oddania uderzenia i tym razem bramkarz Odry nogą zagrodził piłce drogę do siatki.

Pierwszy celny strzał Opolanie oddali dopiero w 68 minucie, bo Kupczyk wypracował pozycję strzelecką, ale uderzył zbyt lekko i Marek Kozioł z łatwością złapał piłkę, tak samo jak po główkach Irziego Pirocha w 73 minucie czy Michała Feliksa pięć minut później oraz Patryka Szysza w 88 minucie.

Przewaga miejscowych rosła wraz z każdą zmianą dokonywaną przez sztab szkoleniowy. Tym bardziej że rywale, którzy przyjechali do stolicy polskiej piosenki, mając wśród siedmiu piłkarzy na ławce rezerwowych czterech młodzieżowców, musieli sięgać w końcówce po juniorów, w tym 16-letniego Antoniego Perdutę. Nie stracili jednak nic z obronnego monolitu i wywieźli z Opola czwarte z rzędu zwycięstwo – licząc z Pucharem Polski.

**Jerzy Dusik**

OCENA MECZU ★ ★

**Odra Opole – Stal Rzeszów**

**0:1 (0:1)**

0:1 – Pukała, 16 min

**ODRA**: Haluch – Pochcioł (69. Milosz), Piroch, Pingot (84. Scalet) – Spychała (61. Spaczil), Liber, Gajda, Biedrzycki – Szysz, Feliks, Gieroba (61. Kupczyk). Trener Łukasz TOMCZYK.

**STAL**: Kozioł – Thiede, Krasowskij, Kaczor, Kukułka (82. Perduta) – Pukała (60. Masiak), Leniart, Goss, Brzęk (60. Madej), Rittmueller – Salamon (72. Musik). Trener Marek ZUB.

**Sędziował** Paweł Horożaniecki (Żary). **Widzów** 4000. **Żółte kartki:** Spychała, Spaczil, Liber, Piroch – Leniart, Kaczor, Kozioł. **Czerwona** Leniart (35, druga żółta).

eprasa.pl bf22096629

# Panowanie trwa

## Król remisów ciągle swoje! Podbeskidzie musiało się wykazać, aby utrzymać tron, bo w Chorzowie aż trzykrotnie odrabiało straty. Ale... czy kogoś to zadowoliło?

### GŁOS TRENERÓW

■ **Marcin WŁODARSKI:** – Strzeliliśmy trzy gole na Ruchu, a nie mamy trzech punktów. Mimo że trzy razy odrabialiśmy, to nie jestem do końca zadowolony. Po raz kolejny byliśmy i blisko, i daleko.

■ **Waldemar FORNALIK:** – Wszystko się zgadza, tylko nie wynik. Zagraliśmy dobry mecz, było wiele przemyślanych akcji w dobrym tempie, mieliśmy jeszcze dwa słupki, natomiast traciliśmy bardzo proste bramki. Nie można być zadowolonym z rezultatu.

OCENA MECZU ★ ★ ★ ★

**Ruch Chorzów – Podbeskidzie Bielsko-Biała 3:3 (1:1)**

1:0 – Szwedzik, 19 min, 1:1 – Urynowicz, 24 min, 2:1 – Coscia, 58 min, 2:2 – Biernat, 83 min (karny), 3:2 – Lukić, 85 min, 3:3 – Tomczyk, 90 min

**RUCH**: Wrąbel – Wójcik (78. Konczkowski), Leśniak-Paduch, Lukić, del Moral – Chrapek, Kristan – Rostek (78. Laskowski), Nagamatsu (67. Sutherland), Szwedzik (90+1. Sikora) – Coscia (67. Pawłowski). Trener Waldemar FORNALIK.

**PODBESKIDZIE**: Brańczyk – Sochań, Biernat, Kasperkiewicz – Sitek (63. Rakoczy), Iwańczyk (46. Słomka), Sewerzyński, Urynowicz (64. Hirosawa), Martosz – Szykawka (46. Tomczyk), Klisiewicz (82. Gach). Trener Marcin WŁODARSKI.

**Sędziował** Szymon Łężny (Namysłów). **Widzów** 9488. **Żółte kartki:** Konczkowski, Lukić – Rakoczy, Tomczyk.

OCENA MECZU ★ ★ ★ ★

**Warta Poznań - Arka Gdynia 3:0 (1:0)**

1:0 – Młynarczyk, 40 min, 2:0 – Szymanek, 67 min, 3:0 – Wołczek, 90+3 min

**WARTA**: Przybylak – Lelito, Azatsky, Kalata – Apolinarski (84. Kendzia), Łysiak, Niedzielski, Stefaniak (60. Avdeev) – Kusztal (77. Wołczek), Stanek (77. Smoczyński) – Młynarczyk (60. Szymanek). Trener Maciej TOKARCZYK.

**ARKA**: Grobelny – Gruszkowski, Dominquez, Komenda, Gojny – Demirowic (63. Kun), Pawłowski (46. Waluś), Ambrosiewicz – Solecki (86. Kowalski), Milewski (46. Dzięgielewski) – Rama (63. Gutkovskis). Trener Marek JAROLIM.

**Sędziował** Marcin Kochanek (Opole). **Widzów** 2400. **Żółte kartki**: Niedzielski – Komenda, Solecki.

OCENA MECZU ★ ★ ★ ★ ★

**Unia Skierniewice – Pogoń Grodzisk Maz 3:2 (0:1)**

0:1 – Oshafi, 23 min, 1:1 – Woliński, 57 min, 2:1 – Uzoigwe (samobójcza), 60 min, 3:1 – Burkiewicz, 78 min, 3:2 – Konstantyn, 83 min.

**UNIA**: Pruszkowski – Woliński, Stępień, Straus – Mierzwa (77. Czarnecki), Dudek (68. Burkiewicz), Makuch (90+2. Bieroński), Szmyd – Sabiłło (68. Kosior), Gąska (90+2. Kamiński) - Bida. Trener Kamil SOCHA.

**POGOŃ**: Kamiński – Głogowski, Dembek, Niewiadomski (79. Konstantyn) – Zbrog (46. Jędrasik), Łoś, Uzoigwe, Ciepiela, Niski (71. Ruszkiewicz) – Majewski (63. Jaroń), Oshafi (63. Turski). Trener Tomasz KAFARSKI.

**Sędziował** Aleksander Borowiak (Poznań). **Widzów** 2800. **Żółte kartki**: Mierzawa, Dudek – Niski, Głogowski, Dembek.

OCENA MECZU ★ ★

**Chrobry Głogów – Pogoń Siedlce 0:0**

**CHROBRY**: Bąkowski - Tabiś (58. Kozajda), Grič, Czajka, Bartolewski - Mandrysz, Grzelak – Lis (46. Ozimek), Staszak (82. Rybak), Ibe-Torti (73. Klimek) – Strózik (58. Sadiku). Trener Łukasz BECELLA.

**POGOŃ**: Lemanowicz – Trepka, Kendzia, Szur, Miś – Kobusiński (77. Marzec), Poczobut, Dzięcioł, Demianiuk (86. Zielonka) – Szuprytowski - Rosołek. Trener Adam NOCOŃ.

**Sędziował** Łukasz Karski (Słupsk). **Widzów** 1028. **Żółte kartki:** Strózik – Dzięcioł, Szuprytowski, Demianiuk, Trepka.

Czy się stoi, czy się leży – remis z Podbeskidziem się należy. Nowy napastnik Ruchu, Agustin Coscia, już się o tym przekonał.

Fot. Marcin Bulanda / Press Focus

Stadion Śląski dawno nie widział tak szalonego spotkania! Od samego początku działo się dużo, a pierwszy cios zadał w 19 minucie Patryk Szwedzik. Tak jak z Unią Skierniewice, tak i z Podbeskidziem Ruch otworzył wynik strzałem z metra, a dla „Szwedzia" było to przełamanie i pierwsze trafienie w sezonie! Długo się z niego jednak nie nacieszył – po pięciu minutach wyrównał najskuteczniejszy w barwach Górali Marcin Urynowicz. Urodzony w Zabrzu pomocnik podbiegł w stronę sektora najzagorzalszych kibiców Ruchu... i „zachęcił" ich do głośniejszego śpiewania. Ci oczywiście odpowiedzieli – a co konkretnie, można się domyślić...

Gospodarze trafili na 2:1 po niespełna godzinie, a był to gol wyjątkowy – bo pierwszy w historii klubu argentyński. Agustin Coscia już kilka dni po transferze wskoczył do wyjściowej jedenastki i pokazał się z bardzo dobrej strony. Bramka to jedno, ale przy stanie 1:1 ostemplował słupek (Krystian Rostek tak samo), nieźle się ustawiał i walczył z obrońcami. Jednak Podbeskidzie... znowu wyrównało, choć potrzebowało ciut więcej, bo 25 minut. „Antyzmianę" dał Martin Konczkowski, bo wszedł i od razu walnął łokciem Lucjana Klisiewicza – a karnego wykorzystał doświadczony Marcin Biernat.

Była 83 minuta i początek końcowej jazdy bez trzymanki. W 85 minucie... Ruch znowu prowadził! Tym razem trafił Andrej Lukić, któremu asystował – jak i Coscii – Jakub Kristan, po raz kolejny udowadniając, że ma znakomicie ułożoną lewą nogę. Lecz jak w pierwszej połowie... Chorzowianie cieszyli się tylko pięć minut! Rezerwowy Oskar Tomczyk strzelił na 3:3, uprzedzając... Konczkowskiego! Niebiescy tym samym nie wskoczyli do strefy barażowej, Górale zaś – choć pokazali charakter – nie odskoczyli od strefy spadkowej. To był ich... siódmy remis w ósmym meczu!

**Piotr Tubacki**

### CZY WIESZ, ŻE...

■ Andrej Lukić zdobył swoją debiutancką bramkę w barwach Ruchu. Uczynił to w 61. występie i zarazem pierwszym, w którym wyprowadził Niebieskich jako kapitan.

■ Chorzowianie na własne oczy mogli przekonać się, „co stracili". Asystę przy pierwszym golu Podbeskidzia zanotował Bartosz Martosz, który zimą bliski był przenosin do Ruchu. 14-krotni mistrzowie Polski wybrali jednak Jakuba Jendrykę (i chyba nie żałowali).

■ Podbeskidzie nie słynie z największej społeczności kibiców, ale w Kotle Czarownic mogło liczyć na rekordowe wsparcie. Górali z sektora gości wspierało ok. 600 fanów – najwięcej w wyjazdowej historii klubu. Bielszczanom pomagali sympatycy Ruchu – ale Radzionków, który ostatnio grał w 1. lidze w 2012 roku.

■ Kibice Niebieskich z Rudy Śląskiej w szczególny sposób chcą uczcić 80. urodziny klubowej legendy, Bronisława Buli z Kochłowic, trzykrotnego mistrza Polski z Ruchem, które ten będzie obchodził 28 września. Na meczu z Podbeskidziem wywieszono dla niego transparent z dopiskiem „legenda", a na stoisku kibiców zbierano podpisy do księgi pamiątkowej, która zostanie wręczona jubilatowi, na co dzień mieszkającemu we Francji.

■ Obie drużyny pokazały pazur, ale mocniej drapał Ruch. Jak podaje nadawca rozgrywek TVP Sport, gospodarze oddali 29 strzałów, z czego 9 celnych, a goście – 9 strzałów i 4 celne.

## CZTERY PYTANIA DO...

### Ruch fajnie grał w piłkę

**MARCINA URYNOWICZA,** pomocnika Podbeskidzia

**1. Przy celebracji gola na 1:1 wyszła z pana zabrzańska natura?**

– Nie, nie było większego podkręcania. Po prostu cieszyłem się z bramki. Nie było zbyt wielkiej euforii, tyle.

**2. Strzelił pan swojego czwartego gola, ale Podbeskidzie znowu nie wygrało. Czyli król remisów nadal panuje?**

– Zgadza się – niby nie przegrywamy, ale też nie wygrywamy. Musimy znaleźć złoty środek, żeby przede wszystkim nie tracić pierwszej bramki, a później dołożyć coś z przodu.

**3. Ale charakter pokazaliście w Chorzowie znakomity. Czy trzykrotne odrabianie straty można potraktować jako optymistyczny prognostyk na przyszłość?**

– Fajnie, że drużyna się nie załamała i parła cały czas do przodu mimo straconych goli – bo to zawsze podcina skrzydła. Charakternie szliśmy do przodu i udawało się to odrobić.

**4. Ale z drugiej strony – trzy gole stracone. Czym zaskoczył was Ruch?**

– Dobrze operował piłką, dobrze zmieniał stronę. Miał dobre stałe fragmenty gry, po których strzelał nam gole. Po prostu... fajnie grał w piłkę.

**Rozmawiał Piotr Tubacki**

eprasa.pl bf22096629

# Kurde, mogliśmy dowieźć!

## Prócz króla remisów z Bielska-Białej, to właśnie niebiesko-czerwoni z Piłkarskiej 8 mają największy problem z wygrywaniem meczów o punkty.

**POLONIA BYTOM**

Fot. PAP / Leszek Szymański

**Cóż z tego, że Oskar Krzyżak wygrał zdecydowaną większość boiskowych potyczek z Germanem Barkowskijem, skoro Bytomianie i tak dali sobie strzelić dwa gole i posiali dwa punkty?**

Pozornie takie wyniki, jak 1:1 w Gdyni czy 2:2 w Warszawie – a więc remisy na stadionach kandydatów do awansu – powinny być przyjmowane z satysfakcją przez polonijnych kibiców, a pewnie i samych piłkarzy też. Jest jednak zupełnie inaczej. - Potrzebujemy zwycięstwa, radości w szatni – zaznaczał po ostatnim gwizdku przy Konwiktorskiej bytomski bohater wyprawy do stolicy, Konrad Andrzejczak. Raz jeszcze błysnął niepoślednimi umiejętnościami w finalizacji akcji i żałować należy nie tylko czerwonej kartki sprzed tygodnia (bo być może przez ostatnie pół godziny meczu z Podbeskidziem znalazłby sposób na zdobycie zwycięskiej bramki), ale i przymusowej pauzy w następnej kolejce, w prestiżowych derbach z Ruchem.

Sam zawodnik żałował też innych rzeczy. Ot, choćby – to też już niemal „tradycja" tego sezonu – dwóch różnych odsłon w wykonaniu jego drużyny. - Już kolejny raz I połowa jest dziwna, na zasadzie „jesteśmy - nie jesteśmy" - mówił pozornie zagadkowo, ale jednak z oczywistym przesłaniem: „gramy nierówno".

No gracie – chciałoby się rzec. Widzi to oczywiście Konrad Gerega, wyliczając etapy swoistego „falowania" formy swych podopiecznych: - Jest dobre wejście w mecz. Potem strata bramki powoduje chaos, nic nam się już do końca I połowy nie klei. W przerwie następuje korekta planu meczowego, i dzięki temu – znów dobre wejście w drugą połowę. A na koniec – minimalizm: prowadzisz i się cofasz, co przeciwnicy wykorzystują. W końcówce brakowało nam konsekwencji.

„Stare demony" - nazwaliśmy jeden z fragmentów relacji z piątkowego meczu. Trudno o inną nazwę. - Nie jesteśmy konsekwentni w naszych poczynaniach obronnych. W meczu z Podbeskidziem (0:0 – dop. aut.) potrafiliśmy wybronić 20 stałych fragmentów, w Warszawie po dwóch straciliśmy dwa gole – z narastającymi emocjami zauważał trener Bytomian. - Mocno się musimy zastanowić nad tym, co teraz zrobić, bo dla mnie to jest niezrozumiałe!

Wtórował mu Andrzejczak. - Dużo sił nas kosztuje strzelenie gola, a potem przeciwnik wrzuci piłkę w nasze pole karne i od razu zdobywa gola – też trudno mu to było zrozumieć. Sęk w tym, że takie sytuacje – i takie słowa – to smutna „powtórka z rozrywki" po niemal każdym spotkaniu Polonii w tym sezonie. To jedna z głównych przyczyn obecnego bilansu niebiesko-czerwonych: jedno zwycięstwo – pięć remisów – dwie porażki.

Gerega: - Te remisy pewnie do nas wrócą około 30 kolejki, gdy będziemy mówić: „Kurde, mogliśmy dowieźć wygraną tu, dowieźć tu, dowieźć tam". Ja chcę wygrywać, a nie remisować. I myślę, że zawodnicy też to czują.

**(DaL)**

# Trzymali kibiców w napięciu

## Lechiści wygrali, ale musieli drżeć o wynik do ostatnich sekund.

Pomimo pochmurnej aury, w Gdańsku momentami robiło się naprawdę gorąco. Dobrze w spotkanie weszli piłkarze Miedzi, u których szwankowała jednak skuteczność. Najpierw Zvonimir Petrović w sytuacji sam na sam z bramkarzem nie trafił nawet w światło bramki, a chwilę później Axel Holewiński obronił uderzenie Daniela Stanclika. Niewykorzystane sytuacje szybko się mszczą i Legniczanie poczuli to na własnej skórze.

Karol Noiszewski pociągnął za rękę jednego z rywali, a sędzia po analizie VAR nie miał wątpliwości o przewinieniu i podyktował rzut karny. Tomasz Neugebauer strzelił bardzo pewnie i ucieszył ponad 8 tysięcy kibiców na trybunach, którzy pobili frekwencyjny rekord Lechii w tym sezonie.

Sytuacja Miedzi była słaba, ale tuż po starcie drugiej połowie zrobiła się beznadziejna. Artur Shakh pokazał, że sprinterem jest dobrym, bo odjechał rywalom i wyłożył piłkę do Kevina Dodaja, który podwyższył prowadzenie gospodarzy. To nie był jednak koniec emocji. Obaj trenerzy reagowali zmianami – jeden próbował pobudzić drużynę, a drugi obronić korzystny wynik. Wejście 21-letniego Igora Bambeckiego nie było jednak udane. Skrzydłowy w trzy minuty zobaczył dwie żółte kartki i wyleciał z boiska.

Stało się to w niedługim czasie po kontaktowej bramce gości z Legnicy. Marcel Mansfeld głową wykorzystał dobre dośrodkowanie Asiera Cordoby z rzutu rożnego. Dla Miedzi była to pierwsza ligowa bramka w historii występów tego klubu w Gdańsku. Ostatecznie jednak nic ona nie dała, ponieważ Lechiści pomimo zmasowanych ataków zdołali się obronić. Duża w tym zasługa nieporadności rywali, od których głowa rozboleć może trenera Janusza Niedźwiedzia. Dla Legniczan, którzy celują w awans do ekstraklasy, to trzecia porażka z rzędu (licząc mecz w Pucharze Polski), ale z ostatniego miejsca na podium w tabeli nie spadną.

**Miłosz Cebo**

OCENA MECZU ★ ★ ★

**Lechia Gdańsk – Miedź Legnica**

**2:1 (1:0)**

1:0 – Neugebauer (karny), 32 min, 2:0 – Dodaj, 53 min, 2:1 – Mansfeld (głową), 81 min

**LECHIA**: Holewiński – Kopasek, Łopata, Beskerovajnyj, Małow – Wójtowicz (73. Bambecki), Iwanow (60. Adkonis), Neugebauer, Dodaj – Blanuta (88. Madej), Shakh (73. Głogowski; 88. Szczepankiewicz). Trener Władysław ŁUPASZKO.

**MIEDŹ**: Lucić – Szymoniak (56. Olewiński), Noiszewski, Mazur, Grudziński (76. Norlin) – Cordoba, Hajda (56. Korczakowski), Letniowski (56. Fucak), Antonik – Petrović, Stanclik (68. Mansfeld). Trener Janusz NIEDŹWIEDŹ.

**Sędziował** Łukasz Szczech (Kobyłka). **Widzów** 8278. **Żółte kartki:** Bambecki, Kopasek, Dodaj – Noiszewski, Grudziński; **czerwona**: Bambecki (87. druga żółta).

# Sufit? Nie dla nich!

## 52 lata polska piłka czekała na to, żeby reprezentacja wygrała wszystkie trzy mecze w fazie grupowej mundialu – potrząsnął szabelką selekcjoner kobiecej młodzieżówki.

**MŚ U-20**

No, no... Wysoko wzleciał w cytowanym wyżej komentarzu trener Marcin Kasprowicz, nawiązując do wielkich Orłów Górskiego i ich legendarnego startu w mistrzostwach świata na boiskach w RFN. W sumie jednak... dlaczego odmawiać mu prawa do radości i wielkich słów? Pewność siebie to cecha przyszłych zwycięzców. I najwyraźniej udziela się wszystkim jego podopiecznym, bo w rozmowie z portalem „Łączy nas piłka" pewność siebie zademonstrowała również na przykład Zuzanna Grzywińska. – My sufitu nie mamy. Chcemy wygrać wszystko i liczymy na to, że zobaczymy się w finale! – wypaliła po spotkaniu z Beninem, wygranym przez Polki 4:1, w którym ustrzeliła hat trick. Do tej pory snajperka 1. FC Nürnberg nie była zawodniczką podstawowego składu podczas turnieju; zaliczyła jedynie pół godziny w starciu z Meksykankami. Frustracji z tego powodu nie było. – Nasza drużyna ma bardzo dużo zawodniczek o ogromnych umiejętnościach. Każda z nas ma swoją wartość, a naszą siłą jest to, że potrafimy rotować składem – podkreślała Grzywińska.

Trener Kasprowicz z racji szerokiej i wyrównanej kadry zaciera ręce, nie martwiąc się ewentualnym bólem głowy przy wyborze wyjściowego składu na czwartkowy mecz 1/8 finału z Kolumbią, który zostanie rozegrany w Bielsku-Białej. – Wszystkie piłkarki są wartościowe, więc w odpowiednich momentach dostają szanse. I ją wykorzystują, co mnie zupełnie nie zaskakuje: mamy przecież zespół złożony z zawodniczek o wysokim i wyrównanym potencjale – podkreśla.

Po piątkowym starciu z niepokojem oczekiwał natomiast na raport sztabu medycznego – wszystko za sprawą kontuzji Weroniki Araśniewicz. Oficjalny komunikat o stanie zdrowia zawodniczki VfL Wolfsburg zabrzmiał jednak optymistycznie. „Przeprowadzone badania wykluczyły poważny uraz" – poinformowano.

**(DaL)**

**GRUPA A**

Polska – Argentyna 3:0, Meksyk – Benin 2:2; Benin – Argentyna 0:8, Polska – Meksyk 2:1; Benin – Polska 4:1, Argentyna – Meksyk 3:2

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. Polska | 3 | 9 | 9:2 |
| 2. Argentyna | 3 | 6 | 11:5 |
| 3. Meksyk | 3 | 1 | 5:7 |
| 4. Benin | 3 | 1 | 3:14 |

**GRUPA B**

Brazylia – Tanzania 4:1, Kanada – Anglia 1:1; Brazylia – Kanada 3:0, Anglia – Tanzania 5:1; Anglia – Brazylia 1:2, Tanzania – Kanada 0:6

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. Brazylia | 3 | 9 | 9:2 |
| 2. Anglia | 3 | 4 | 7:4 |
| 3. Kanada | 3 | 4 | 7:4 |
| 4. Tanzania | 3 | 1 | 2:15 |

**GRUPA C**

Francja – Korea Południowa 1:1, Ekwador – Ghana 3:0; Ghana – Korea Płd. 3:1, Francja – Ekwador 3:2; Ghana – Francja 0:4, Korea Płd. – Ekwador 3:2

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. Francja | 3 | 7 | 8:3 |
| 2. Korea Płd. | 3 | 4 | 5:6 |
| 3. Ekwador | 3 | 3 | 7:6 |
| 4. Ghana | 3 | 3 | 3:8 |

**GRUPA D**

Japonia – Nowa Zelandia 2:1, USA – Włochy 1:2; Włochy – Nowa Zelandia 3:0, Japonia – USA 2:2; Włochy – Japonia 1:1, Nowa Zelandia – USA 0:9

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. Włochy | 3 | 7 | 6:2 |
| 2. Japonia | 3 | 5 | 5:4 |
| 3. USA | 3 | 4 | 12:4 |
| 4. Nowa Zelandia | 3 | 0 | 1:14 |

**GRUPA E**

Korea Północna – Portugalia 2:0, Kostaryka – Kolumbia 1:3; Korea Płn. – Kostaryka 4:0, Kolumbia – Portugalia 0:0; Kolumbia – Korea Płn. 0:3, Portugalia – Kostaryka 3:0

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. Korea Płn. | 3 | 9 | 9:0 |
| 2. Portugalia | 3 | 4 | 3:2 |
| 3. Kolumbia | 3 | 4 | 3:4 |
| 4. Kostaryka | 3 | 0 | 1:10 |

**GRUPA F**

Nowa Kaledonia – Chiny 0:5, Hiszpania – Nigeria 2:0; Hiszpania – Nowa Kaledonia 11:0, Chiny – Nigeria 0:0; Chiny – Hiszpania 1:3, Nigeria – Nowa Kaledonia 10:1

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. Hiszpania | 3 | 9 | 16:1 |
| 2. Nigeria | 3 | 4 | 10:3 |
| 3. Chiny | 3 | 4 | 6:3 |
| 4. Nowa Kaledonia | 3 | 0 | 1:26 |

**1/8 FINAŁU**

**16.09.:** Argentyna – Korea Płd. (15.00), Brazylia – USA (15.00), Włochy – Chiny (18.30), Hiszpania - Portugalia (18.30)
**17.09.:** Francja – Kanada (15.00), Anglia – Nigeria (15.00), Korea Płn. – Japonia (18.30), Polska – Kolumbia (18.30)
**ćwierćfinały** (19-20.09.), **półfinały** (23.09.), **mecz o 3. miejsce** (26.09.), **finał** (27.09.)

eprasa.pl bf22096629

Fot. Borussia Moenchengladbach

# Awantura w szatni Źrebaków

Jutro stuknąłby „Ojgenowi" rok pracy z pięciokrotnymi mistrzami Niemiec. Nie dotrwał...

## Eugen Polanski nie jest już trenerem Borussii Moenchengladbach.

NIEMCY

Źrebaki notujące słaby start sezonu to w ostatnich latach widok nierzadki. Przed rokiem trener Gerardo Seoane zaczął od punktu w trzech kolejkach, z bilansem 0:5, i po porażce 0:4 z Werderem stracił posadę. Zastąpił go Eugen Polanski... i teraz spotkało go to samo! Borussia po trzech meczach ma zero punktów i bilans 3:12, przypieczętowany w miniony weekend porażką 0:5 z rozpędzonym Freiburgiem – liderem Bundesligi!

– Pomimo dobrych przygotowań i pozytywnego podejścia nie udało się osiągnąć oczekiwanych wyników w Bundeslidze – przekazał dyrektor sportowy Rouven Schröder, a za obecną sytuację przepraszał również sam Eugen Polanski: – Mieliśmy duże plany, ale nie udało się ich zrealizować – mówił.

Borussia ma obecnie pewne problemy z kontuzjami, jej skład pod względem nazwisk też nie rzuca na kolana – ale utrzymać się z nim da. A co do „pozytywnego podejścia", można mieć wątpliwości, bo kilka dni temu ostro po kolegach „pojechał" kapitan Tim Kleindienst, który zresztą z Freiburgiem... obejrzał dwie żółte kartki.

– Musimy zwiększyć koncentrację, żeby starczyło na 90 minut. Nie wiem, jaki jest powód, może powinni oglądać mniej TikToka. Nie obchodzi mnie, jak to zrobią – stwierdził między innymi. Oberwało się też młodym i choć nazwisk nie podał, niemieckie media od razu wyłapały, że w gronie krytykowanych chodziło pewnie o Jana Leszczyńskiego, który dostał minuty w drugiej kolejce. – To normalne, że popełniają błędy, ale po trzecim, czwartym razie to powinno się skończyć. Trzeba wyciągać wnioski, a tutaj się to nie wydarzyło – mówił twardo Kleindienst.

Tak więc Polanskiego już w Gladbach nie ma, ale wciąż – od 2009 roku – masażystą jest tam Adam Szordykowski!

**Piotr Tubacki**

### BUNDESLIGA

**Freiburg – Borussia Moenchengladbach 5:0 (2:0)**
1:0 – Engelhardt (23), 2:0 – Matanović (29), 3:0 – Matanović (77), 4:0 – Engelhardt (79), 5:0 – Eggestein (86)

**FREIBURG**: Backhaus – Treu (82. Kuebler), Ginter, Lienhart, Makengo – Eggestein, Engelhardt – Beste (82. Irie), Suzuki (78. Goto), Scherhant (67. Grifo) – Matanović (78. Hoeler).
**GLADBACH**: Nicolas – Scally, Itakura, Diks, Herold – Honorat (67. Lidberg), Sander, Stoeger (83. Nguefack), Hack (67. Mohya) – Bolin (46. Machino), Kleindienst

**Union Berlin – Schalke 1:3 (0:1)**
0:1 – Gosens (25), 0:2 – Aouchiche (46), 1:2 – Skarke (90+6), 1:3 – Woeber (90+13)

**Mainz – Eintracht Frankfurt 1:3 (0:2)**
0:1 – Uzun (6), 0:2 – Burkardt (45+1), 0:3 – Uzun (60), 1:3 – Tietz (89)

**Borussia Dortmund – Paderborn 3:0 (1:0)**
1:0 – Silva (5), 2:0 – Nmecha (80), 3:0 – Nmecha (89)

**Augsburg – Bayer Leverkusen 2:2 (0:1)**
0:1 – Kofane (18), 1:1 – Gregoritsch (50), 2:1 – Gregoritsch (55), 2:2 – Schick (89)

**Hoffenheim – Stuttgart 2:1 (1:0)**
1:0 – Hložek (13), 1:1 – Mittelstaedt (48), 2:1 – Hložek (67)

**Kolonia – Werder Brema 1:1 (1:0)**
1:0 – Maina (11), 1:1 – Fuellkrug (69)

**RB Lipsk – HSV 5:0 (2:0)**
1:0 – Gomis (17), 2:0 – Nusa (28), 3:0 – Orban (72), 4:0 – Nkunku (74), 5:0 – Romulo (77)

**Elversberg – Bayern Monachium 1:2 (0:1)**
0:1 – Karl (26), 1:1 – Krattenmacher (61), 1:2 – Kane (72)

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. Freiburg | 3 | 9 | 10:1 |
| 2. Dortmund | 3 | 9 | 8:2 |
| 3. Augsburg | 3 | 7 | 9:3 |
| 4. Bayern | 3 | 7 | 7:2 |
| 5. Lipsk | 3 | 6 | 9:3 |
| 6. Elversberg | 3 | 6 | 8:7 |
| 7. Leverkusen | 3 | 4 | 8:5 |
| 8. Mainz | 3 | 4 | 6:3 |
| 9. Eintracht | 3 | 4 | 7:8 |
| 10. Werder | 3 | 4 | 5:6 |
| 11. Schalke | 3 | 4 | 3:4 |
| 12. Kolonia | 3 | 4 | 5:7 |
| 13. Hoffenheim | 3 | 3 | 6:7 |
| 14. Stuttgart | 3 | 3 | 6:8 |
| 15. Paderborn | 3 | 1 | 0:4 |
| 16. Union | 3 | 1 | 4:10 |
| 17. Gladbach | 3 | 0 | 3:12 |
| 18. HSV | 3 | 0 | 0:12 |

1-4 – LM, 5 – LE, 6 – LK, 16 – baraże, 17-18 – spadek

**Strzelcy**
3 – Matanović, Suzuki (obaj Freiburg), Tietz (Mainz), Gregoritsch (Augsburg), Ebnoutalib (Eintracht), Schick (Leverkusen), Krattenmacher (Elversberg)

### PROGRAM 4. KOLEJKI

**18.09:** Bayern – Union (20.30), **19.09:** Gladbach – Mainz, Eintracht – Freiburg, HSV – Kolonia, Werder – Augsburg (wszystkie 15.30), Stuttgart – Dortmund (18.30), 20.09: Leverkusen – Lipsk (15.30), Schalke – Elversberg (17.30), Paderborn – Hoffenheim (19.30)

### 2. BUNDESLIGA

**Norymberga – Hannover 2:1 (1:1):** Justvan (5), Zoma (65) – Gindorf (8)

**Darmstadt – Arminia Bielefeld 2:1 (1:0):** Ho-jae (3), Smit (86) – Woerl (59)

**Magdeburg – Kaiserslautern 3:0 (2:0):** Iyoha (12, 53), Nollenberger (16)

**Eintracht Brunszwik – Dynamo Drezno 2:2 (1:1):** Entrup (5), Aydin (68) – Rapp (3), Keller (72)

**Bochum – Greuther Fuerth 1:1 (1:0):** Hofmann (16) – Sillah (71)

**St Pauli – Wolfsburg 1:0 (0:0):** Fujita (88)

**Heidenheim – Holstein Kiel 1:0 (0:0):** Foehrenbach (83)

**Karlsruhe – Energie Cottbus 0:3 (0:1):** Michelbrink (45+2), Pelivan (55), Butler (62)

**Osnabrueck – Hertha Berlin 1:3 (0:0):** Gomez (82) – Brekalo (50), Sessa (70), Alfa-Ruprecht (90+2)

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. Hertha | 5 | 15 | 15:6 |
| 2. Norymberga | 5 | 13 | 15:6 |
| 3. Heidenheim | 5 | 12 | 12:10 |
| 4. Magdeburg | 5 | 9 | 10:8 |
| 5. Wolfsburg | 5 | 8 | 10:7 |
| 6. Kaiserslautern | 5 | 8 | 5:4 |
| 7. Energie | 5 | 7 | 13:12 |
| 8. Bochum | 5 | 7 | 4:4 |
| 9. St Pauli | 5 | 6 | 7:7 |
| 10. Osnabrueck | 5 | 6 | 8:11 |
| 11. Greuther | 5 | 5 | 8:10 |
| 12. Karlsruhe | 5 | 5 | 6:11 |
| 13. Brunszwik | 5 | 4 | 12:12 |
| 14. Arminia | 5 | 4 | 8:10 |
| 15. Hannover | 5 | 4 | 5:8 |
| 16. Darmstadt | 5 | 4 | 4:8 |
| 17. Dynamo | 5 | 4 | 7:12 |
| 18. Holstein | 5 | 3 | 6:9 |

1-2 – awans, 3 – baraże o awans, 16 – baraże o utrz., 17-18 – spadek

### POLACY W NIEMCZECH

**Bundesliga**

| | |
|---|---|
| Dawid Kownacki (Werder) | poza kadrą |
| Jan Leszczyński (Gladbach) | ławka |
| Łukasz Poręba (Elversberg) | 90 min |
| Kacper Potulski (Mainz) | 90 min |
| Dariusz Stalmach (Werder) | od 70 min |
| Oskar Wójcik (Werder) | ławka |

**2. Bundesliga**

| | |
|---|---|
| Adam Dźwigała (St Pauli) | od 67 min |
| Robin Lisewski (Norymberga) | ławka |
| Marcel Lotka (Energie) | 90 min |
| Arkadiusz Pyrka (St Pauli) | 90 min |
| Jakub Zieliński (Wolfsburg) | 90 min |
| Mateusz Żukowski (Magdeburg) | 90 min |

# Spalone

## Czy sędzia pomógł Manchesterow

ANGLIA

Derby Manchesteru nie były najlepszym „piłkarsko" widowiskiem w historii Premier League, ale to nie znaczy, że brakowało w nich emocji. Oj, było ich wręcz w nadmiarze – a to za sprawą dwóch sytuacji.

Pierwsza, w 23 minucie. Wychowanek City Phil Foden po upadku kopnął w brzuch gwiazdę United Bruno Fernandesa. Czerwona kartka – ewidentna, lecz niektórzy wskazywali na dwa „ale". Pierwsze – Fernandes „poskrobał" leżącego rywala po tyłku, a potem jeszcze wykopał będącą obok futbolówkę. Żółta kartka raczej mu się należała, ale nie obejrzał jej za te prowokacyjne gierki. Drugie – niektórzy twierdzą, iż Foden kopnął Portugalczyka, bo... po prostu chciał wstać, a ten akurat znajdował się nad nim. Mając jednak na uwadze, że Anglik od razu zaczął krzyczeć i gestykulować do kapitana United, można mieć wątpliwości... Oczywiście całe zajście trwało sekundy.

I te sekundy wystarczyły, by przez większość derbów Obywatele grali w osłabieniu. Gospodarze nie potrafili jednak „wrzucić ich na karuzelę" i kreowali słabe okazje – 16 strzałów, ale gole oczekiwane na poziomie tylko 0,95. Prosili się o problemy i je dostali, bo mimo osłabienia to City strzeliło jedynego gola – i to właśnie ta druga emocjonująca sytuacja: bramka (rzecz jasna) Erlinga Haalanda z 60 minuty. Dlaczego?

Bo wydawało się, że Norweg był na spalonym, lecz – co potwierdziła sama Premier League – zaawansowane technologicznie nowinki VAR-owe udowodniły, że w życiu mężczyzny centymetry faktycznie mają znaczenie. Tu zadziałały na korzyść Haalanda. Natomiast drugie „ale" z tą sytuacją było takie, że między dośrod-

Fot. PAP / EPA

Harry Maguire miał pewne pretensje do

### PREMIER LEAGUE

**Manchester United – Manchester City 0:1 (0:0)**
0:1 – Haaland (60)
**UNITED**: Lammens – Dalot, Maguire, Martinez, Dorgu – Tielemans (67. Sesko), Mainoo – Mbeumo, Fernandes, Rashford (83. Zirkzee) – Cunha.
**CITY**: Donnarumma – Nunes, Guehi, Dias, Gvardiol – Anderson, Fernandez (82. O'Reilly) – Foden, Cherki (46. Ndiaye), Semenyo – Haaland.

**Aston Villa – Nottingham Forest 1:2 (0:0)**
0:1 – Delap (46), 1:1 – Alysson (74), 1:2 – Jesus (88)

**Bournemouth – Brentford 2:2 (1:1)**
0:1 – Schade (34), 1:1 – Kluivert (38), 2:1 – Tavernier (52), 2:2 – Schade (56)

**Chelsea – Hull City 2:2 (1:2)**
1:0 – Rogers (7), 1:1 – Belloumi (28), 1:2 – Belloumi (34), 2:2 – Pedro (66)

**Crystal Palace – Ipswich Town 2:3 (1:2)**
1:0 – Khalaili (14), 1:1 – Emersonn (23), 1:2 – Davis (45), 2:2 – Strand Larsen (75), 2:3 – Flemming (90)

**Liverpool – Fulham 0:0**

**Tottenham Hotspur – Everton 0:0**

**Sunderland – Arsenal 0:2 (0:0)**
0:1 – Guimaraes (58), 0:2 – Saka (90+7)

**Coventry City – Brighton and Hove Albion 0:5 (0:1)**
0:1 – Kostoulas (35), 0:2 – Yalcouye (51), 0:3 – Gross (70), 0:4 – Dunk (83), 0:5 – Ayari (90+4)

**Poniedziałek:** Leeds – Newcastle (21.00)

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. Arsenal | 4 | 12 | 8:1 |
| 2. Man. City | 4 | 12 | 8:2 |
| 3. Hull | 4 | 8 | 5:2 |
| 4. Brighton | 4 | 7 | 13:5 |
| 5. Chelsea | 4 | 7 | 10:9 |
| 6. Brentford | 4 | 6 | 7:4 |
| 7. Liverpool | 4 | 6 | 6:4 |
| 8. Everton | 4 | 6 | 5:3 |
| 9. Ipswich | 4 | 6 | 5:3 |

eprasa.pl bf22096629

# e derby

## vi City wygrać na Old Trafford?

Enzo Fernandeza.

kowującym Josko Gvardiolem a zamykającym Norwegiem był jeszcze trzeci Obywatel – Enzo Fernandez. On był na ewidentnym spalonym, rzucił się na piłkę „szczupakiem", ale jej nie sięgnął. Nie brakuje opinii, że pozycja Argentyńczyka powinna zostać uznana za absorbowanie obrońców – bo Fernandez stał idealnie na wprost bramkarza, będąc pilnowanym przez rodaka Lisandro Martineza (który nie mógł pokryć niepokrytego Haalanda). Sędzia liniowy początkowo podniósł chorągiewkę, ale VAR uznał trafienie, stwierdzając, że udział Fernandeza nie był wystarczający do jego anulowania.

Anglia oczywiście zapłonęła i jeszcze przez kilka dni będzie się tą decyzją tlić, głównie w Manchesterze. Nie zmieni to natomiast faktu, że City – razem z Arsenalem – może po czterech kolejkach pochwalić się kompletem zwycięstw.

**Piotr Tubacki**

| | | | |
|---|---|---|---|
| 10. Newcastle | 3 | 5 | 6:4 |
| 11. Leeds | 3 | 5 | 3:2 |
| 12. Nottingham | 4 | 5 | 4:4 |
| 13. Man. Utd | 4 | 4 | 7:7 |
| 14. Sunderland | 4 | 4 | 3:5 |
| 15. Bournemouth | 4 | 3 | 6:7 |
| 16. Crystal Palace | 4 | 3 | 6:11 |
| 17. Tottenham | 4 | 2 | 0:5 |
| 18. Fulham | 4 | 1 | 4:7 |
| 19. Aston Villa | 4 | 1 | 1:7 |
| 20. Coventry | 4 | 0 | 0:10 |

1-4 – LM, 5 – LE, 18-20 – spadek

**Strzelcy**

4 – Haaland (Man. City), 3 – siedmiu graczy

**PROGRAM 5. KOLEJKI**

**18.09:** Brentford – Chelsea (21.00),
**19.09:** Tottenham – Aston Villa (13.30), Brighton – Arsenal, Everton – Ipswich, Newcastle – Hull (wszystkie 16.00), Nottingham – Coventry (18.30),
**20.09:** Bournemouth – Liverpool, Leeds – Crystal Palace, Man. City – Sunderland (wszystkie 15.00), Fulham – Man. Utd (17.30)

**CHAMPIONSHIP**

West Ham – Wrexham 6:0, Bolton – Cardiff 1:0, Derby – Birmingham 1:2, West Brom – QPR 1:1, Blackburn – Millwall 3:1, Charlton – Portsmouth 0:0, Middlesbrough – Norwich 4:3, Preston – Lincoln 0:1, Southampton – Bristol City 4:1, Swansea – Burnley 3:1, Watford – Stoke 1:2, Sheffield Utd – Wolverhampton 0:1

**■ Czołówka tabeli**

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. West Ham | 7 | 14 | 20:9 |
| 2. Swansea | 7 | 14 | 11:5 |
| 3. West Brom | 7 | 14 | 10:7 |
| 4. Middlesbrough | 6 | 13 | 12:8 |
| 5. QPR | 7 | 12 | 8:5 |
| 6. Charlton | 7 | 12 | 6:7 |

**POLACY NA WYSPACH**

**■ Premier League**

| | |
|---|---|
| Matty Cash (Aston Villa | kontuzja |

**■ Championship**

| | |
|---|---|
| Daniel Bielica (Portsmouth) | 90 min |
| Krystian Bielik (Cardiff) | 90 min |

# Wina Flicka

## Drużyny Barcelony i Realu były bezlitosne dla swoich weekendowych rywali.

**HISZPANIA**

FC Barcelona pozostaje jedynym niepokonanym zespołem w lidze hiszpańskiej po pięciu kolejkach. Duma Katalonii w niedzielę bezproblemowo pokonała na wyjeździe Levante 4:2. Premierową bramkę w pierwszej drużynie Barcy zdobył Xavi Espart, który w tym sezonie stał się zawodnikiem wyjściowego składu. 19-latek jest kolejnym odkryciem Hansiego Flicka. Niemiecki szkoleniowiec regularnie wprowadza do składu kolejnych zawodników ze znakomitej akademii Barcelony, a oni regularnie zaskakują kibiców. Już teraz kibice Blaugrany nie mogą sobie wyobrazić gry swojego ukochanego zespołu bez Esparta.

### Każdy strzelać potrafi

Później już Barcelonie zwycięstwo zapewnił człowiek, który bramki zdobywa w miarę regularnie – Lamine Yamal. Co prawda po kontuzji z poprzedniego sezonu jeszcze nie jest w najlepszej możliwej formie, ale w rywalizacji z Levante ustrzelił dublet. W ataku w zdobywaniu bramek wyręczył Raphinhę. Dla Brazylijczyka był to pierwszy mecz w sezonie, w którym nie trafił do siatki. Za to dwukrotnie asystował! Nawet gdy miał okazję na to, żeby pokonać bramkarza, oddał piłkę Yamalowi, gdy już miał uderzyć z jedenastki. – Wybór wykonawcy rzutu karnego zależy od tego, kto czuje się na siłach. Ostatnio strzelał Raphinha, teraz Lamine. Dla mnie najważniejsze jest to, że jesteśmy jednym zespołem, że każdy potrafi zdobywać gole 11 metrów – stwierdził Hansi Flick. Czwartą bramkę dla Barcelony zdobył Karim Adeyemi.

Mimo znakomitego wyniku Hansi Flick nie był w pełni zadowolony. - Przy wyniku 3:0 powinniśmy grać z większym spokojem. Pierwsza stracona bramka idzie na moje konto. Mieliśmy zrobić zmianę, a ja zadecydowałem, żeby poczekać do następnej przerwy. W międzyczasie straciliśmy gola. To moja wina, ale cieszę się, że drużyna zdobyła czwartego gola.

### Mecz trwał 45 minut

Wielkich problemów z pokonaniem rywala w weekend nie miał też Real Madryt, który tydzień wcześniej stracił punkty z Betisem (0:1). Rayo Vallecano na stadionie Santiago Bernabeu zostało kompletnie zdominowane. Wynik 4:1 doskonale obrazuje to, jak wyglądał mecz, a Jose Mourinho znów mógł być zadowolony z Kyliana Mbappe. Francuz chciał dogonić Raphinhę i ten cel udało mu się wykonać – zrównał się liczbą trafień z dotychczasowym liderem, zdobywając piątego i szóstego gola.

Królewscy już w pierwszej połowie zamknęli rywalizację. – Według mnie mecz trwał 45 minut i się zakończył. Nie ma większej historii. Niepewne było jedynie to, czy spotkanie zakończy się wynikiem 3:1, 3:0 czy 4:0. Wiedziałem, że drużyna nie ma sił fizycznych i psychicznych, żeby po zdobyciu trzech goli w pierwszej połowie zagrać kolejne 45 takich samych minut. Wiedziałem, że taka połowa się nie powtórzy. Spadła intensywność, koncentracja, pojawiło się trochę błędów. Przy moim wieloletnim doświadczeniu w grze w Lidze Mistrzów spodziewałem się, że ten mecz będzie tak wyglądał. Naszym celem było mocne rozpoczęcie i szybkie rozstrzygnięcie spotkania. To się udało – komentował po spotkaniu portugalski szkoleniowiec. Ma on więc powody do radości, choć z drużyną Realu pracuje dopiero od lata. – Jesteśmy wszyscy razem nawet nie od trzech miesięcy, bo początek naszej pracy trzeba datować na moment, gdy każdy piłkarz powrócił do klubu po mistrzostwach świata. W takim czasie nie da się zbudować perfekcji. Zresztą, w futbolu pojęcie perfekcji nie istnieje. Natomiast w tym, co obecnie robimy, jest wiele pozytywnych rzeczy. Rozwijamy się i staramy się cały czas poprawiać – przekazał Mourinho, którego drużyna zajmuje drugie miejsce za niepokonaną Barceloną.

### Wygryziony

Bright Ede, który latem przeniósł się z Motoru Lublin do Deportivo A Coruna, stracił miejsce w wyjściowej jedenastce. W niedzielę spędził cały mecz przeciwko Getafe (1:1) na ławce, podobnie było w poprzednim starciu z Villarrealem (3:2). Wszystko przez to, że na ostatniej prostej okna transferowego klub sprowadził Jose Marię Gimeneza z Atletico Madryt. Urugwajczyk szybko wszedł do pierwszego składu i wygląda na to, że nie będzie chciał oddać tego miejsca.

**Kacper Janoszka**

Fot. PAP/EPA

Xavi Espart (z lewej) zdobył premierowego gola w Barcelonie.

**LA LIGA**

**■ Sevilla – Valencia 1:0 (0:0)**
1:0 – Iglesias (81)
**■ Racing Santander – Deportivo Alaves 2:1 (1:1)**
0:1 – Koski (18), 1:1 – Zabiri (38), 2:1 – Zabiri (53)
**■ Osasuna – Espanyol 0:2 (0:2)**
0:1 – R. Fernandez (3), 0:2 – R. Fernandez (17)
**■ Athletic Bilbao – Elche 1:1 (0:0)**
0:1 – Buonanotte (50, karny), 1:1 – I. Williams (79)
**■ Real Madryt – Rayo Vallecano 4:1 (3:0)**
1:0 – Mbappe (14, karny), 2:0 – Carreras (17), 3:0 – Bellingham (35), 3:1 – Camello (51), 4:1 – Mbappe (90+1)
**■ Celta – Malaga 1:1 (1:0)**
1:0 – Jutgla (41), 1:1 – Nino (83)
**■ Levante – Barcelona 2:4 (0:2)**
0:1 – Espart (5), 0:2 – Yamal (19), 0:3 – Yamal (48, karny), 1:3 – Romero (79), 2:3 – Brugue (88), 2:4 – Adeyemi (90+2)

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. Barcelona | 5 | 15 | 21:4 |
| 2. Real M. | 5 | 12 | 14:4 |
| 3. Alaves | 5 | 10 | 11:5 |
| 4. Sevilla | 5 | 10 | 8:6 |
| 5. A Coruna | 5 | 9 | 9:6 |
| 6. Betis | 4 | 9 | 5:5 |
| 7. Espanyol | 5 | 7 | 8:5 |
| 8. Atletico | 4 | 7 | 7:6 |
| Athletic | 5 | 7 | 7:6 |
| 10. Santander | 5 | 7 | 9:9 |
| 11. Sociedad | 5 | 7 | 6:8 |
| 12. Osasuna | 5 | 7 | 5:8 |
| 13. Levante | 5 | 5 | 7:9 |
| 14. Getafe | 5 | 5 | 3:6 |
| 15. Celta | 6 | 4 | 3:6 |
| 16. Rayo | 5 | 4 | 8:14 |
| 17. Malaga | 5 | 3 | 2:8 |
| 18. Villarreal | 4 | 2 | 6:8 |
| 19. Elche | 5 | 2 | 6:13 |
| 20. Valencia | 5 | 1 | 1:10 |

1-4 – LM, 5 – LE, 6 – elim. LK, 18-20 – spadek

**Strzelcy**

6 – Raphinha (Barcelona), Mbappe (Real M.), Camello (Rayo), Yamal (Barcelona)

eprasa.pl bf22096629

# Kara za spóźnienie

## Łukasz Skorupski usiadł na ławce w meczu z Napoli. Powód? Złamanie regulaminu!

WŁOCHY

Bolonia pojechała na mecz do Neapolu po trzech meczach bez zwycięstwa. Komplet minut w tych spotkaniach rozegrał Łukasz Skorupski, który jest nie tylko numerem jeden u kolejnego trenera, ale także bardzo ważną częścią szatni. 35-letni Polak w starciu z Napoli usiadł jednak na ławce rezerwowych z powodów dyscyplinarnych. Domenico Tedesco trzyma się żelaznych zasad i nie ugina ich nawet dla najbardziej doświadczonych.

– Skorupski spóźnił się na odprawę. Zgodnie z wewnętrznymi zasadami podjęto decyzję, a Łukasz ją zaakceptował ze spokojem i będzie wspierał Massimo Pessinę. Wierzymy, że zanotuje dobry występ – powiedział przed spotkaniem dyrektor sportowy klubu, Marco di Vaio.

Beneficjentem takiej decyzji włoskiego szkoleniowca został wspomniany zaledwie 18-letni Pessina. Dla młodziana to dopiero piąte spotkanie na poziomie Serie A, ale już druga taka sytuacja, w której młodzieżowy reprezentant Włoch zastępuje Skorupskiego w meczu z Napoli. W listopadzie zeszłego roku Polak doznał kontuzji i zszedł z boiska po kilku minutach, a w jego miejsce wskoczył właśnie Pessina, który spisał się bardzo dobrze, a Bolonia wygrała tamto starcie 2:0.

W niedzielny wieczór nie było jednak tak kolorowo. Rossoblu przegrali 0:1 po golu Stanislava Lobotki. Można się jedynie zastanawiać,czy ze Skorupskim w bramce wynik byłby korzystniejszy, ponieważ cały zespół wyglądał po prostu bardzo słabo. Natomiast młody Pessina był w tym meczu bardzo niepewny, zestresowany i w żaden sposób nie pomógł swojemu zespołowi. 18-latek może wręcz cieszyć się z nieudolności piłkarzy z Neapolu, na których co akcje wściekły był trener Massimiliano Allegri.

**Miłosz Cebo**

Fot. IPA/SIPA USA / Press Focus

**Tym razem Massimo Pessina nie zatrzymał Napoli.**

### POLACY W SERIE A

| | |
|---|---|
| **Kornel Lisman** (Venezia) | ławka |
| **Adrian Przyborek** (Lazio) | ławka |
| **Nicola Zalewski** (Atalanta) | ławka |
| **Jan Ziółkowski** (Monza) | kontuzja |
| **Łukasz Skorupski** (Bolonia) | ławka |

SERIE A

**Venezia – Fiorentina 2:4 (1:2)**
1:0 – Adams (22), 1:1 – Mastantuono (29), 1:2 – Mastantuono (30), 1:3 – Pellegrino (66), 1:4 – Mastantuono (84), 2:4 – Hainaut (86)

**Genoa – Frosinone 1:1 (0:1)**
0:1 – Kvernadze (14), 1:1 – Vasquez (50)

**Lazio – Milan 2:2 (2:0)**
1:0 – Cancellieri (10), 2:0 – Noslin (39), 2:1 – Moreira (65), 2:2 – Moreira (67)

**Atalanta – Cagliari 1:2 (1:1)**
0:1 – Mendy (19), 1:1 – Scamacca (41), 1:2 – Maldini (61. karny)

**Lecce – Monza 3:2 (3:1)**
1:0 – Coulibaly (3), 2:0 – Tiago Gabriel (10), 2:1 – Mangas (20), 3:1 – Coulibaly (21), 3:2 – Zeballos (89)

**Napoli – Bolonia 1:0 (0:0)**
1:0 – Lobotka (66)

Spotkanie Sassuolo – Juventus zakończyło się po zamknięciu wydania.

**Poniedziałek:** Como – Parma, Torino – Roma (oba 18.30), Inter – Udinese (20.45).

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. Lazio | 4 | 10 | 6:3 |
| 2. Roma | 3 | 9 | 10:1 |
| 3. Inter | 3 | 9 | 8:3 |
| 4. Cagliari | 4 | 9 | 4:2 |
| 5. Milan | 4 | 8 | 7:4 |
| 6. Como | 3 | 7 | 7:3 |
| 7. Juventus | 3 | 7 | 4:1 |
| 8. Frosinone | 4 | 7 | 7:4 |
| 9. Napoli | 4 | 6 | 6:5 |
| 10. Atalanta | 4 | 6 | 5:5 |
| 9. Udinese | 2 | 4 | 4:3 |
| 10. Sassuolo | 3 | 4 | 5:5 |
| 11. Lecce | 4 | 6 | 5:7 |
| 12. Udinese | 3 | 4 | 5:5 |
| 13. Sassuolo | 3 | 4 | 5:5 |
| 14. Torino | 3 | 3 | 4:5 |
| 15. Fiorentina | 4 | 3 | 5:11 |
| 16. Parma | 3 | 1 | 1:4 |
| 17. Bolonia | 4 | 1 | 2:5 |
| 18. Monza | 4 | 1 | 6:11 |
| 19. Genoa | 4 | 1 | 2:8 |
| 20. Venezia | 4 | 0 | 4:11 |

1-4 – LM, 5-6 – LE, 7 – el. do LKE, 18-20 – spadek

**STRZELCY**

5 – Malen (Roma), 4 – Raimondo (Frosinone)

# Grają jak z nut

## Rennes zwyciężyło w kolejnym spotkaniu, ale tym razem bez konkretu od Polaków.

FRANCJA

Nowy sezon Ligue 1 rozpoczął się dosyć niespodziewanie. Obrońcy tytułu, Paris Saint-Germain, nie zwyciężyli w pierwszych trzech spotkaniach tego sezonu. W stawce nie ma już także zespołów, które wygrały albo przegrały wszystkie mecze.

Na czoło wysunęło się jednak kilka drużyn. Wśród nich jest Stade Rennes, w którym grają Przemysław Frankowski i Sebastian Szymański. Trener Franck Haise ceni naszych rodaków, a oni odwdzięczają się — podobnie jak reszta piłkarzy — dobrą grą. Zespół z Bretanii w pierwszych trzech kolejkach odniósł dwa zwycięstwa i zremisował z PSG. W piątek Rennes zdołało wygrać w prestiżowym starciu z Olympique Marsylia. Jedynego gola w meczu zdobył Adrien Thomasson, który w środku pola wystąpił zamiast Szymańskiego. 27-letni Polak wszedł na boisko dopiero na ostatnie kilkanaście minut spotkania.

Decyzja szkoleniowca o niewystawieniu pomocnika w wyjściowej jedenastce była zaskakująca, ponieważ we wcześniejszych spotkaniach to się nie zdarzało. Jak widać jednak, decyzja Haise'a się obroniła. Z kolei Frankowski wyszedł w podstawowym składzie i opuścił murawę na ok. 20 minut przed końcem. Mogło to być spowodowane żółtą kartką, którą miał na swoim koncie.

Po dobrym początku sezonu Lens po raz kolejny zawiodło i jedynie zremisowało 2:2 z beniaminkiem Le Mans. Dla Sang et Or to trzecie spotkanie z rzędu w Ligue 1 bez zwycięstwa. Pomiędzy ligowymi potyczkami udało się dosłownie wyrwać wygraną ze Slavią Praga w Lidze Mistrzów (3:2) po dwóch bramkach w doliczonym czasie. Michał Skóraś jest podstawowym wahadłowym w drużynie, wychodzi w wyjściowych jedenastkach, ale na razie nie dokłada liczb. Polak musi jak najlepiej wykorzystać swój czas, póki kontuzję leczy Saud Abdulhamid, który wcześniej wygrywał rywalizację z 26-latkiem.

**Miłosz Cebo**

### POLACY W LIGUE 1

| | |
|---|---|
| **Przemysław Frankowski** (Rennes) | do 68 min, żółta |
| **Sebastian Szymański** (Rennes) | od 78 min |
| **Maximillian Oyedele** (Strasbourg) | kontuzja |
| **Miłosz Piekutowski** (Strasbourg) | ławka |
| **Maik Nawrocki** (Lens) | kontuzja |
| **Michał Skóraś** (Lens) | do 46 min |

LIGUE 1

**Rennes – Marsylia 1:0 (0:0)**
1:0 – Thomasson (52)

**Strasbourg – Monaco 1:1 (0:0)**
1:0 – Sane (52. samobójcza), 1:1 – Brunner (72)

**Auxerre – Nicea 1:0 (0:0)**
1:0 – Archer (74)

**La Havre – Angers 0:0**

**Lorient – Toulouse 2:2 (2:0)**
1:0 – Balde (37), 2:0 – Mbamba (39), 2:1 – Tengstedt (48), 2:2 – Jorgensen (69)

**Paris – Lyon 0:0**

**Lille – Troyes 2:0 (1:0)**
1:0 – Santos (18), 2:0 – E. Mbappe (90+3)

**La Mans – Lens 2:2 (2:1)**
1:0 – Bourabaa (32), 2:0 – Calodat (44), 2:1 – Sima (45+2), 2:2 – Ivanović (51)

Spotkanie Brest – PSG zakończyło się po zamknięciu wydania.

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. Lille | 4 | 10 | 7:2 |
| 2. Monaco | 4 | 10 | 6:2 |
| 3. Rennes | 4 | 10 | 8:5 |
| 4. Paris | 4 | 8 | 6:2 |
| 5. Lyon | 4 | 8 | 6:2 |
| 6. Strasbourg | 4 | 7 | 9:8 |
| 7. Brest | 3 | 5 | 6:5 |
| 8. Lorient | 4 | 5 | 4:4 |
| 9. Lens | 4 | 4 | 8:7 |
| 10. Angers | 4 | 4 | 4:5 |
| 11. Troyes | 4 | 4 | 4:9 |
| 12. Marsylia | 4 | 3 | 6:6 |
| 13. Le Mans | 4 | 3 | 7:8 |
| 14. Auxerre | 4 | 3 | 5:11 |
| 15. PSG | 3 | 2 | 5:6 |
| 16. Le Havre | 4 | 2 | 2:4 |
| 17. Toulouse | 4 | 2 | 4:7 |
| 18. Nicea | 4 | 2 | 1:5 |

1-3 – LM, 4 – el. do LM, 5 – LE, 6 – el. do LKE, 16 – baraż, 17-18 – spadek

**STRZELCY**

4 – Doumbia (Brest), Gouiri (Marsylia), Sinayoko (Paris)

## KRÓTKA PIŁKA

PORTUGALIA

### DEBIUTANCKIE TRAFIENIE

■ Jakubowi Kiwiorowi w końcu udało mu się zdobyć bramkę dla FC Porto. Tyszanin czekał na to do 47. spotkania w niebiesko-białych barwach i przerwał serię nieuznanych goli – w tym sezonie już dwukrotnie wpakował piłkę do siatki, lecz sędziowie za każdym razem dopatrywali się przewinień.
W sobotę Smoki po pierwszej połowie remisowały 1:1 w meczu z Casa Pia, ale po godzinie gry sprawy w swoje ręce wziął polski obrońca. 26-latek trafił do bramki ładnym strzałem głową po rzucie rożnym. Ostatecznie mecz zakończył się wygraną mistrzów Portugalii 4:1. Porto po sześciu spotkaniach ma komplet punktów i prowadzi w ligowej tabeli. Pełne spotkanie obok Kiwiora rozegrał także Jan Bednarek, który dla Smoków trafił w poprzedniej kolejce. Oskar Pietuszewski jest bliski powrotu po kontuzji, ale wciąż znajduje się poza kadrą meczową.

KOREA POŁUDNIOWA

### ZNOWU STRZELA

■ Patryk Klimala bardzo dobrze odnalazł się w koreańskiej drużynie FC Seoul, dla której regularnie strzelał gole. Ostatnie trzy spotkania polski napastnik kończył jednak bez żadnego trafienia. Tę krótką, ale jałową serię przełamał w sobotę. 28-latek dwukrotnie trafił do siatki w meczu z Jeonbuk Hyundai Motors.
Drugą, decydującą bramkę na 2:1 zdobył w doliczonym czasie gry i tym samym został bohaterem swojego zespołu. Były młodzieżowy reprezentant Polski w tym sezonie ma na koncie już 12 ligowych goli oraz asystę. Z kolei drużyna z Seulu pozostaje liderem tabeli z dużą przewagą nad resztą stawki i pewnie kroczy po mistrzostwo.

TURCJA

### DOSTANIE POWOŁANIE?

■ Adrian Benedyczak co kolejkę daje argumenty selekcjonerowi Janowi Urbanowi, żeby ten znalazł dla niego miejsce w reprezentacji Polski. 25-letni napastnik zdobył teraz gola dla Kasimpasy SK w meczu z Genelerbirligi SK (2:1). Dla wychowanka Pogoni Szczecin to czwarte ligowe trafienie w tym sezonie. Ponadto snajper ma serię ośmiu kolejnych meczów z golem lub asystą!

CZECHY

### SNAJPER CO SIĘ ZOWIE!

■ Wiktor Nowak zdobył bramkę dla Slavii Praga w wyjazdowym spotkaniu z FK Teplice (2:0) i z pięcioma golami jest współliderem klasyfikacji strzelców czeskiej ekstraklasy (tyle samo ma Martin Subert z Mladej Boleslav). Jego zespół, który walczy o trzecie z rzędu mistrzostwo, prowadzi w tabeli po ośmiu kolejkach. **(MC)**

eprasa.pl bf22096629

## TABELA PO 8. KOLEJCE

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. Znicz (s) | 8 | 17 | 16:9 | 5 | 2 | 1 |
| 2. Górnik (s) | 8 | 16 | 18:9 | 5 | 1 | 2 |
| 3. Tychy (s) | 8 | 16 | 12:6 | 4 | 4 | 0 |
| 4. Hutnik | 8 | 15 | 16:9 | 4 | 3 | 1 |
| 5. Zawisza (b) | 8 | 15 | 16:11 | 4 | 3 | 1 |
| 6. Sandecja | 8 | 14 | 13:8 | 4 | 2 | 2 |
| 7. Podhale | 8 | 14 | 18:14 | 4 | 2 | 2 |
| 8. Rekord | 8 | 13 | 11:9 | 4 | 1 | 3 |
| 9. Lechia (b) | 8 | 12 | 16:12 | 3 | 3 | 2 |
| 10. Olimpia | 8 | 12 | 10:12 | 3 | 3 | 2 |
| 11. Chojniczanka | 8 | 11 | 13:13 | 3 | 2 | 3 |
| 12. Avia (b) | 8 | 9 | 10:14 | 3 | 0 | 5 |
| 13. Stal | 8 | 7 | 12:17 | 2 | 1 | 5 |
| 14. Sokół | 8 | 7 | 8:19 | 1 | 4 | 3 |
| 15. Legia II (b) | 8 | 6 | 15:17 | 2 | 0 | 6 |
| 16. Śląsk II | 8 | 6 | 13:17 | 2 | 0 | 6 |
| 17. Świt | 8 | 5 | 9:20 | 1 | 2 | 5 |
| 18. Resovia | 8 | 3 | 6:16 | 0 | 3 | 5 |

1-2 - awans, 3-6 - baraże o awans, 13-14 - baraże o utrzymanie, 15-18 - spadek

## STRZELCY

7 - Marcinho (Podhale)
6 - Zawada (Hutnik)
5 - Bicki (Legia II), Brenkus (Sandecja), Kamiński (Śląsk II), Kasprzak (Rekord), Remeniuk (Avia)
4 - Deja (Górnik), Jeleń (Stal), Kazimierczak (Znicz), Korbecki (Górnik), Szabala (Chojniczanka), Śpiewak (Sokół)

## WYNIKI 8. KOLEJKI

| | |
|---|---|
| Sokół Kleczew - Olimpia Grudziądz | 1:1 (1:1) |
| Resovia - Lechia Zielona Góra | 0:1 (0:1) |
| Znicz Pruszków - GKS Tychy | 1:1 (1:1) |
| Podhale Nowy Targ - Stal Stalowa Wola | 5:0 (3:0) |
| Hutnik Kraków - Zawisza Bydgoszcz | 1:1 (1:1) |
| Świt Szczecin - Chojniczanka | 1:5 (1:2) |
| Górnik Łęczna - Legia II Warszawa | 4:1 (0:1) |
| Avia Świdnik - Rekord Bielsko-Biała | 0:1 (0:1) |
| Sandecja Nowy Sącz - Śląsk II Wrocław | 4:2 (2:0) |

## 9. KOLEJKA - 18-20 WRZEŚNIA

Chojniczanka - Olimpia, Tychy - Sandecja, Lechia - Znicz, Legia II - Podhale, Rekord - Świt, Sokół - Avia, Stal - Resovia, Śląsk II - Hutnik, Zawisza - Górnik.

# Raz, a dobrze

## Beniaminek ze Świdnika szukał przełamania po serii porażek, ale to Rekord wygrał drugi raz rzędu.

Był czas, kiedy Avia chwaliła się trzema wygranymi z rzędu i miejscem w czołówce. Potem przyszły cztery „wtopy" z rzędu i solidny zjazd. Meczem z Rekordem planowała przepędzić demony i od początku zaatakowała. Najlepszą okazję miał Dominik Pisarek, który urwał się Mateuszowi Brodzie, ale strzał z ostrego kąta nie zaskoczył Wiktora Kaczorowskiego. Goście przetrzymali napór i zaczęli groźnie atakować. Najpierw po dośrodkowaniu Mateusza Tekielego piłki w okolicy pola karnego nie zdołał opanować Kacper Kasprzak, a chwilę później Łukasz Jakubowski z trudem odbił mocne uderzenie Jakuba Rysia z 16 metrów. W 35 minucie nastąpił przełom. Daniel Ściślak zagrał prostopadle na linię pola karnego do Kasprzaka, ten przytomnie wycofał piłkę, a nabiegający Ryś precyzyjnym strzałem przy dalszym słupku dał gościom prowadzenie. Przed przerwą po dośrodkowaniu z rzutu rożnego Jan Sobociński uderzył piłkę głową, a ta trafiła w słupek.

Fot. Mateusz Sobczak/PressFocus

Precyzyjne uderzenie Jakuba Rysia dało Biało-zielonym 3 punkty i awans w tabeli.

Po zmianie stron powtórzył się scenariusz z początku spotkania. W 54 minucie bardzo groźnie z rzutu wolnego uderzył Andrij Remeniuk, jednak Kaczorowski popisał się kapitalną interwencją. Bielszczanie odpowiadali kontrami - po jednej z nich groźnie z powietrza strzelał Ściślak, ale jego próbę zablokował Damian Zbozień. W kolejnych fragmentach gry przyjezdni oddali inicjatywę Avii, jednak ta nie potrafiła przekuć tego na konkretne zagrożenie. Seryjnie egzekwowane rzuty rożne nie przynosiły efektu, bo czujna defensywa Rekordu nie pozwoliła miejscowym stworzyć stuprocentowej sytuacji.

**(gru)**

### Górnik Łęczna - Legia II Warszawa 4:1 (0:1)

0:1 - Pchełka, 18 min (głową), 1:1 - Kobryń, 67 min (głową), 2:1 - Korbecki, 69 min, 3:1 - Korbecki, 90+1 min, 4:1 - Deja, 90+3 min

**GÓRNIK**: Matysek - Quainoo, Kobryń, Jaroszyński, Hołownia, Myszor (62. Rogala) - Janaszek (46. Świerkot, 87. Tkacz), Walski (79. Ahmedow), Deja, Korbecki - Novotny (62. Antkowiak). Trener Jurij SZATAŁOW.

**LEGIA II:** Bienduga - Fukuda, Korżyński (86. Kosiorek), Góra, Lauryn, Pchełka (70. Mikanowicz) - Stępniewski (62. Lis), Wyganowski (86. Piasta), Możdżeń, Saletra (62. Gawarecki) - Bicki. Trener Marcin MATYSIAK.

**Sędziował** Łukasz Dobrzyński (Olsztyn). **Widzów** 1200.
**Żółte kartki:** Kobryń, Deja - Saletra, Lauryn.

### Sandecja Nowy Sącz - Śląsk II Wrocław 4:2 (2:0)

1:0 - Płocica, 15 min, 2:0 - Brenkus, 45+2 min, 3:0 - Brenkus, 59 min, 4:0 - Divisz, 82 min, 4:1 - Muszyński, 87 min, 4:2 - Nsangou, 90+1 min

**SANDECJA:** Szymkowiak - Ogorzały (83. Danek), Pleśnierowicz, Słaby, Gerstenstein - Kieliś (76. Divisz), Holań, Kosiński (70. Kawała), Brenkus (70. Żurawski), Płocica - Kolar (70. Roman). Trener Rafał SMALEC.

**ŚLĄSK II:** Klint - Wesołowski (46. Tudruj), Szala (76. Rozum), Rygiel, Żulewski, Coulibaly - Krzewiński (46. Moskaluk), Danielewicz, Chodera (46. Muszyński), Nsangou - Stangret (70. Kobelczuk). Trener Michał HETEL.

**Sędziował** Maciej Pelka (Poznań). **Widzów** 8200.
**Żółte kartki:** Słaby - Danielewicz, Rygiel.

OCENA MECZU ★★

### Avia Świdnik - Rekord Bielsko-Biała 0:1 (0:1)

0:1 - Ryś, 35 min

**AVIA**: Jakubowski - Kołodziejski (59. Kumorek), Kursa, Zbozień, Karasiewicz (59. Pigiel), Assuncao (69. Niepsuj) - Jodłowski (79. Uliczny), Kamiński, Remeniuk, Falbierski (59. Skiba) - Pisarek. Trener Wojciech SZACOŃ.

**REKORD**: Kaczorowski - Pawłowski, Broda (22. Sobociński), Boczek, Mazurek - Ściślak (75. Potoma), Gibiec (69. Wyroba), Ceglarz, Ryś (75. Kempny), Tekieli (69. Kasprowicz) - Kasprzak. Trener Piotr TWOREK.

**Sędziował** Mateusz Stępniak (Gdańsk). **Widzów** 1200.
**Żółte kartki:** Jodłowski, Assuncao, Niepsuj.

### Świt Szczecin - Chojniczanka 1:5 (1:2)

0:1 - Szabala, 23 min (głową), 1:1 - Frączczak, 27 min (karny), 1:2 - Tkocz, 37 min, 1:3 - Janicki, 61 min, 1:4 - Stypułkowski, 70 min, 1:5 - Sobol, 87 min

**ŚWIT:** Abramowicz - Ciechanowski, Rogala, Szwiec, Nowicki - Kapelusz (61. Kacper Nowak), Andruszko (61. Żendełek), Gorgon, Kort (72. Gołębiewski), Konrad Nowak (72. Woźniak) - Frączczak (32. Ropski). Trener Przemysław CECHERZ.

**CHOJNICZANKA:** Primel - Bąkowicz, Nowacki, Juchymowycz, Tkocz, Mosek (64. Sobeczko) - Stypułkowski (78. Famulak), Żywicki (64. Adamczyk), Szczepanek - Szabala (72. Sobol), Janicki (72. Oleksiewicz). Trener Marek BRZOZOWSKI.

**Sędziował** Paweł Pskit (Łódź). **Widzów** 600.
**Żółte kartki:** Rogala, Kort - Primel, Żywicki, Stypułkowski, Szczepanek.

### Hutnik Kraków - Zawisza Bydgoszcz 1:1 (1:1)

0:1 - Juśkiewicz, 21 min, 1:1 - Kordykiewicz, 33 min (głową)

**HUTNIK:** Mędrala - Nweke, Bracik, Ściuk - Motrycz (77. Gałek), Budziński (56. Burka), Laskowski (56. Sajdak), Kordykiewicz (70. Lelek), Sowiński, Zawada (77. Rzepka) - Florek. Trener Krzysztof ŚWIĄTEK.

**ZAWISZA:** Oczkowski - Brzozowski (85. Dziarkowski), Golak, Staniak, Juśkiewicz - Rak (65. Bogusiewicz), Kanach, Szumilas, Cywiński (70. Kona), Stępień (64. Strzyżewski) - Kozłowski (84. Mas). Trener Adrian STAWSKI.

**Sędziował** Dawid Wiśniewski (Olsztyn). **Widzów** 900.
**Żółte kartki:** Laskowski, Burka, Rzepka - Kanach, Cywiński.

### Podhale Nowy Targ - Stal Stalowa Wola 5:0 (2:0)

1:0 - Marcinho, 14 min (głową), 2:0 - Żemło, 22 min (samobójcza), 3:0 - Seweryn, 32 min, 4:0 - Seweryn, 46 min, 5:0 - Kołtański. 85 min

**PODHALE**: Frątczak - Salak, Voszko, Seweryś (70. Lipień) - Baniowski (70. Rubiś), Mikołajczyk, Nowak, Surzyn (77. Kubik), Marcinho (77. Talar), Seweryn - Sobczak (70. Kołtański). Trener Tomasz KUŹMA.

**STAL**: Harciński - Czerwik, Furtak, Żemło, Chrzanowski, Zaucha - Kamiński (63. Rogalski), Nongo (46. Nawrocki), Żyra (46. Tomalski), Śliwa (46. Hebel) - Jeleń (75. Wolny). Trener Jarosław SKROBACZ.

**Sędziował** Kornel Paszkiewicz (Wrocław). **Widzów** 700.
**Żółte kartki**: Seweryś - Jeleń, czerwona Czerwik (4, brutalny faul).

eprasa.pl bf22096629

## TABELA PO 8. KOLEJCE

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. Barycz (b) | 8 | 19 | 14:7 | 6 | 1 | 1 |
| 2. Zagłębie II | 8 | 18 | 16:9 | 5 | 3 | 0 |
| 3. Sparta | 8 | 17 | 14:5 | 5 | 2 | 1 |
| 4. Odra (b) | 8 | 17 | 10:4 | 5 | 2 | 1 |
| 5. Górnik | 8 | 14 | 17:14 | 4 | 2 | 2 |
| 6. Zagłębie (s) | 8 | 13 | 12:8 | 4 | 1 | 3 |
| 7. Karkonosze | 8 | 12 | 10:6 | 3 | 3 | 2 |
| 8. Warta | 8 | 12 | 8:11 | 3 | 3 | 2 |
| 9. Kluczbork | 8 | 12 | 8:12 | 4 | 0 | 4 |
| 10. ROW (b) | 8 | 10 | 18:15 | 3 | 1 | 4 |
| 11. Stilon (b) | 8 | 9 | 14:13 | 2 | 3 | 3 |
| 12. Miedź II | 8 | 8 | 18:15 | 2 | 2 | 4 |
| 13. Stal (b) | 8 | 8 | 14:12 | 2 | 2 | 4 |
| 14. Goczałkowice | 8 | 8 | 7:12 | 2 | 2 | 4 |
| 15. Raków II (b) | 8 | 6 | 10:17 | 1 | 3 | 4 |
| 16. Ślęza | 8 | 6 | 11:20 | 2 | 0 | 6 |
| 17. Carina | 8 | 5 | 6:16 | 1 | 2 | 5 |
| 18. Polonia | 8 | 5 | 8:19 | 1 | 2 | 5 |

1 - awans, 16-18 - spadek.

## STRZELCY

7 - Nagrodzki (Górnik)
5 - Walczak (Stilon), Wójcik (Ślęza)
4 - Barć (Zagłębie), Dziedziński (Raków II), Grzelczak (Barycz), Marek (Zagłębie II), Podgórski (Zagłębie), Wolsztyński (Sparta), Zdybowicz (Karkonosze), Zimon (Polonia)

## POZOSTAŁE WYNIKI

■ Carina Gubin - Odra Bytom Odrzański 1:1 (1:0)
1:0 - Szela, 24 min, 1:1 - Drzazga, 48 min
■ Miedź II Legnica - KS Panattoni Goczałkowice 5:0 (3:0)
1:0 - Sy, 22 min, 2:0 - Maliszewski, 25 min, 3:0 - Herbut, 42 min, 4:0 - Podgórski, 64 min, 5:0 - Klich, 90 min (karny)
■ MKS Kluczbork - Ślęza Wrocław 3:2 (1:1)
1:0 - Czapliński, 16 min, 1:1 - Wójcik, 45 min, 2:1 - Wiszniowski, 55 min, 2:2 - Wójcik, 64 min, 3:2 - Kabaj, 71 min
■ Warta Gorzów Wielkopolski - Stal Brzeg 1:0 (0:0)
1:0 - Siwiński, 56 min (karny)
■ ROW 1964 Rybnik - Zagłębie II Lubin 2:2 (0:0)
1:0 - Szczepanik, 49 min, 1:1 - Kosmalski, 54 min, 2:1 - Świetlicki, 56 min, 2:2 - Marek, 88 min (karny)
■ Barycz Sułów - Górnik Polkowice 2:1 (2:0)
1:0 - Leończyk, 23 min (karny), 2:0 - Kucharczyk, 43 min, 2:1 - Leończyk, 76 min (samobójcza)
■ Karkonosze Jelenia Góra - Stilon Gorzów Wielkopolski 4:2 (2:1)
0:1 - Pielak, 7 min, 1:1 - Zdybowicz, 29 min, 2:1 - Zdybowicz, 44 min, 3:1 - Piątek, 61 min, 3:2 - Walczak, 81 min, 4:2 - Piątek, 90 min

## 9. KOLEJKA - 18-19 WRZEŚNIA

Górnik - Zagłębie, Odra - Barycz, Zagłębie II - Carina, Stilon - ROW, Stal - Karkonosze, Goczałkowice - Warta, Ślęza - Miedź II, Sparta - Kluczbork, Polonia - Raków II.

# Przełamanie w osłabieniu

## Po dwóch porażkach z rzędu piłkarze Zagłębia Sosnowiec nie bez trudu wywieźli komplet punktów z Nysy.

Sosnowiczanie punktują na razie kosztem drużyn z dołu tabeli. Pokonując beniaminka z Opolszczyzny, zapalili na jego stadionie czerwoną latarnię. Zagłębie było zdecydowanym faworytem tej konfrontacji. Dominowało od początku i o nieco ponad kwadransie objęło prowadzenie. Piłkę dograną przez Szymona Jarka przejął Michał Barć i precyzyjnym uderzeniem posłał do siatki. Do 30 minuty wszystko układało się po myśli gości, ale wtedy wychodzącego na czystą pozycję Michała Zimona nieprzepisowo powstrzymał Maksymilian Rozwandowicz, za co zobaczył czerwoną kartkę. Miejscowi zwietrzyli szansę na korzystny wynik. Ruszyli do huraganowego ataku, ale brakowało im pomysłu na sforsowanie defensywy Zagłębia.

Fot. Zagłębie Sosnowiec

Michał Barć (przy piłce) powoli wyrasta na czołowego snajpera Zagłębia.

■ **Polonia Nysa - Zagłębie Sosnowiec 1:2 (0:1)**
0:1 - Barć, 16 min, 0:2 - Podgórski, 50 min, 1:2 - Ceesay, 75 min
**POLONIA**: Szczerbal - Korzeniewicz, Czajkowski, Pawlak, Sz. Sikorski - Krawczyk (65. Dziedzic), Kupczak, Glinka (65. Ceesay), Łyszczarczyk (75. Dychus) - Zimon, Khiri. Trener Krzysztof MORDAK.
**ZAGŁĘBIE**: Kudła - O. Sikorski, Rozwandowicz, Gryszkiewicz - Krawiec, Rodriguez (46. Kośmicki), Tront, Jarek - Gogół (90+2. Chmarek), Barć (71. Madej) - Podgórski. Trener Tomasz ŁUCZYWEK.
**Sędziował** Przemysław Burliga (Katowice). **Widzów** 800.
**Żółte kartki**: Korzeniewicz, Dychus, Khiri - Kudła, Tront, czerwona Rozwandowicz (30, faul taktyczny).

Na początku drugiej połowy zespół z Sosnowca podwyższył prowadzenie za sprawą Maksymiliana Podgórskiego, który z bliskiej odległości zmienił kierunek lotu piłki po strzela Patryka Gogoła. Beniaminek nie zamierzał się poddawać i wykorzystując liczebną, przewagę próbował złapać kontakt. Dawid Kudła kilka razy znajdował się w opałach, ale dzięki swym umiejętnościom i refleksowi kilka razy ratował swój zespół. W 75 minucie był jednak bez szans, a przytomnością w zamieszaniu podbramkowym błysnął Modou Ceesay. 20-letni Gambijczyk miał sporo czasu i miejsca, by zdobyć premierowe trafienie w sezonie. Po 4 minutach stanął przed szansą na wyrównanie, ale tym razem główkował obok słupka. On i jego koledzy uwierzyli, że są w stanie wywalczyć choćby punkt, ale defensorzy Zagłębie nie dali się już oszukać.

- Najważniejsze, że wywieźliśmy z Nysy komplet punktów. Po dwóch ostatnich porażkach przyjechaliśmy na to spotkanie z konkretnym planem, który po czerwonej kartce legł w gruzach. Mimo że do 30 minuty prowadziliśmy i wydawało się, że ten mecz będzie pod naszą kontrolą, wyrzucenie z boiska Maksymiliana Rozwandowicza zmieniło układ sił. Oddaliśmy pole rywalom, by szukać innych atutów. Mieliśmy grać wysoko, odebrać piłkę, dominować i kreować sytuacje. Będąc w osłabieniu, musieliśmy zmienić ten plan, starając się nie dopuścić rywali pod pole karne - tłumaczył Tomasz Łuczywek, trener Zagłębia, który nie krył zadowolenia z kompletu punktów. - Cieszę się, że tak ten mecz rozegraliśmy. Zwycięstwo w takich okolicznościach smakuje lepiej i mocniej buduje drużynę. Strata zawodnika po czerwonej kartce to element piłki nożnej. Trzeba być na to gotowym, nie podejmować nerwowych ruchów, niczego się nie obawiać, tylko walczyć, starać się wygrać, czego przykładem jesteśmy my.

**Krzysztof Polaczkiewicz**

# Grali na gole, nie na kartki

## Gdyby Spartanie wygrali pod Jasną Górą, siedzieliby w fotelu lidera.

Katowiczanie jechali do Częstochowy z zamiarem podtrzymania serii zwycięstw i wskoczenia na 1. miejsce; zajmujące je Zagłębie II Lubin z trudem zremisowało w Rybniku, oddając prowadzenie beniaminkowi z Sułowa, który pokonał Górnika Polkowice. Spartanie byli zmotywowani, rywala mieli rozpracowanego przez trenera Dariusza Klaczę, odpowiadającego za wyniki Rakowa II wiosną 2025 roku, ale nie spodziewali się aż tak ambitnej postawy gospodarzy. Mecz był twardy, zacięty, a inicjatywa przechodziła z rąk do rąk. Głośno było też na ławkach. - To jest kartka! - domagał się krótko przed przerwą Michał Mizgała, gdy Tarik Karić został poturbowany. - Trenerze, ale my nie gramy na kartki, tylko na gole - uspakajał go Klacza. - I właśnie dlatego prowadzimy 1:0 - przytomnie ripostował szkoleniowiec rezerw Rakowa, który chwilę wcześniej cieszył się z 4. w sezonie gola Reece'a Dziedzińskiego. Polak z amerykańskim paszportem sprytnie urwał się obrońcom, główkując po dośrodkowaniu Jakuba Cierpiała z rzutu wolnego. Podrażnieni goście rzucili się na Czerwono-niebieskich zaraz po zmianie stron i za sprawą Mateusza Michalskiego doprowadzili do remisu. Do końca meczu wypracowali więcej okazji, a najlepszą w ostatniej akcji zmarnował Robert Woźniak, stąd wyjeżdżali ze sporym niedosytem. Dla Rakowa II była to trzecia potyczka bez porażki.

**Marek Hajkowski**

■ **Raków II Częstochowa - Sparta Katowice 1:1 (1:0)**
1:0 - Dziedziński, 41 min (głową), 1:1 - Michalski, 48 min
**RAKÓW:** Karić - Mazanek (74. Karmelita), Całko, Napieraj - Filec, Szulc (74. Góral), Bród, Cierpiał - Mordaka, Dziedziński, Kabala. Trener Michał MIZGAŁA.
**SPARTA:** Kucharski - Michalski, Kliś, Bedronka, Załucki (46. Piątek) - Imiolek (71. Całka), Kuliński, Lusiusz (85. Woźniak), M. Mazurek (61. Śliwka), Żagiel (85. Sobolewski) - Wolsztyński. Trener Dariusz KLACZA.
**Sędziował** Mateusz Czerwień (Kraków). **Widzów** 150.
**Żółte kartki:** Napieraj, Całko, Bród - Załucki, Bedronka.

Fot. FB/Sparta Katowice

Mateusz Michalski (z prawej) zdobył bramkę na wagę remisu, ale do pełnej satysfakcji było mu daleko.

eprasa.pl bf22096629

# Złoty gol Gembickiego

Fot. Rozwój Katowice

**Skromna, ale zasłużona wygrana naszpikowanego młodzieżą Rozwoju Katowice z Ruchem Radzionków to największa niespodzianka 8. kolejki.**

## BETCLIC 3. LIGA

### GRUPA I

Widzew II Łódź - Mazovia Mińsk Maz. 2:3, Ząbkovia - Lechia Tomaszów Maz. 4:2, Wisła II Płock - ŁKS II Łódź 2:2, Jagiellonia II Białystok - Mławianka 7:4, KS CK Troszyn - ŁKS Łomża 1:1, Świt Nowy Dwór Maz. - KTS Weszło Warszawa 0:1, Olimpia Elbląg - Pelikan Łowicz 1:0, Olimpia Zambrów - Wigry Suwałki 1:1, Polonia Lidzbark Warm. - Warta Sieradz 1:2.

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. KTS Weszło (b) | 8 | 22 | 20:5 |
| 2. Mazovia (b) | 8 | 17 | 23:13 |
| 3. Wisła II | 8 | 15 | 18:13 |
| 4. Jagiellonia II | 8 | 15 | 19:15 |
| 5. Widzew II | 8 | 13 | 17:11 |
| 6. Wigry | 8 | 13 | 10:7 |
| 7. Warta | 8 | 13 | 15:13 |
| 8. Pelikan (b) | 8 | 13 | 12:11 |
| 9. Ząbkovia | 8 | 13 | 14:14 |
| 10. Świt | 8 | 11 | 10:9 |
| 11. Lechia | 8 | 10 | 17:18 |
| 12. Olimpia Z. (b) | 8 | 10 | 17:21 |
| 13. Olimpia E. | 8 | 10 | 12:16 |
| 14. ŁKS II (s) | 8 | 7 | 12:16 |
| 15. Troszyn | 8 | 6 | 10:19 |
| 16. Polonia (b) | 8 | 5 | 13:19 |
| 17. Mławianka | 8 | 4 | 12:24 |
| 18. Łomża | 8 | 3 | 10:17 |

### GRUPA II

Wikęd Luzino - Grom Nowy Staw 5:1, Polonia Środa Wlkp. - Unia Swarzędz 4:3, Lech II Poznań - Noteć Czarnków 2:1, Kluczevia Stargard - Elana Toruń 2:1, Victoria Września - Chemik Bydgoszcz 2:2, KKS 1925 Kalisz - Wda Świecie 1:1, Kotwica Kórnik - Lipno Stęszew 4:1, Bałtyk Koszalin - Błękitni Stargard 0:2, Flota Świnoujście - Gedania Gdańsk 1:1.

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. Polonia | 8 | 22 | 27:14 |
| 2. Wikęd | 8 | 19 | 25:9 |
| 3. Wda | 8 | 18 | 14:8 |
| 4. Kluczevia | 8 | 16 | 17:14 |
| 5. Flota | 8 | 14 | 15:10 |
| 6. Lech II | 8 | 14 | 17:15 |
| 7. Kalisz (s) | 8 | 13 | 14:9 |
| 8. Błękitni | 8 | 13 | 18:15 |
| 9. Noteć | 8 | 12 | 15:13 |
| 10. Kotwica (b) | 8 | 10 | 16:16 |
| 11. Bałtyk (b) | 8 | 9 | 8:11 |
| 12. Gedania (b) | 8 | 7 | 16:20 |
| 13. Grom (b) | 8 | 7 | 19:24 |
| 14. Chemik (b) | 8 | 7 | 12:17 |
| 15. Unia | 8 | 7 | 10:16 |
| 16. Elana | 8 | 5 | 11:19 |
| 17. Victoria | 8 | 5 | 9:21 |
| 18. Lipno | 8 | 1 | 8:20 |

### GRUPA IV

Podlasie Biała Podl. - Wieczysta II Kraków 2:1, Korona II Kielce - Sokół Kolbuszowa Dolna 2:2, Wisła II Kraków - KSZO 1929 Ostrowiec Święt. 0:1, Chełmianka - Siarka Tarnobrzeg 1:1, Pogoń-Sokół Lubaczów - AKS 1947 Busko-Zdrój 2:1, Naprzód Jędrzejów - Hetman Zamość 4:2, Wiślanie Skawina - JKS Jarosław 3:1, Moravia - Czarni Połaniec 1:2, Star Starachowice - Wisłoka Dębica 2:3.

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. Chełmianka | 8 | 22 | 14:2 |
| 2. KSZO | 8 | 18 | 14:6 |
| 3. Czarni | 8 | 18 | 14:9 |
| 4. Wiślanie | 8 | 16 | 13:7 |
| 5. Jarosław (b) | 8 | 13 | 19:13 |
| 6. Wisłoka | 8 | 13 | 11:11 |
| 7. Siarka | 8 | 11 | 10:9 |
| 8. Wisła II | 8 | 11 | 9:9 |
| 9. Podlasie | 8 | 11 | 7:7 |
| 10. Naprzód | 8 | 11 | 15:17 |
| 11. Hetman (b) | 8 | 9 | 13:14 |
| 12. Sokół | 8 | 8 | 8:9 |
| 13. Busko-Zdrój (b) | 8 | 8 | 11:16 |
| 14. Wieczysta II (b) | 8 | 7 | 9:13 |
| 15. Pogoń-Sokół | 8 | 7 | 8:13 |
| 16. Star | 8 | 6 | 7:14 |
| 17. Morawica (b) | 8 | 6 | 8:16 |
| 18. Korona II | 8 | 5 | 20:25 |

**(g)**

## 4. LIGA ŚLĄSKA

■ **Unia Turza Śląska - MRKS Czechowice-Dziedzice 3:0 (2:0)**
**Bramki:** Oślizlok 19, 42, Opioł 88.

■ **Rozwój Katowice - Ruch Radzionków 1:0 (0:0)**
**Bramka** - Gembicki 81.

■ **Spójnia Landek-Jasienica - Gwarek Tarnowskie Góry 1:0 (0:0)**
**Bramka** - Bojdys 81.

■ **Polonia Łaziska Górne - Kuźnia Ustroń 2:2 (1:2)**
**Bramki:** Turoń 10 - samobójcza, Jaront 50 - Ślosarczyk 32 - karny, 38.

■ **Decor Bełk - Drama Zbrosławice 1:1 (1:0)**
**Bramki:** Rasek 43 - Ochwat 65.

■ **Szombierki Bytom - Podlesianka Katowice 1:0 (1:0)**
**Bramka** - Kotow 40.

■ **Victoria Częstochowa - Podbeskidzie II Bielsko-Biała 0:6 (0:1)**
**Bramki:** Czyż 40, Janusz 48, 53, Wiesner 71, 75, Klimczak 80.

■ **Ruch II Chorzów - Piast II Gliwice 1:2 (0:1)**
**Bramki:** Dyduch - 81 - karny - Fal 19, Żak 55.

■ **GKS II Katowice - Przemsza Siewierz 6:1 (5:0)**
**Bramki:** Kokosiński 7, 16, 22, 44, Bartlewicz 17, Gierałtowski 81 - Błaszkiewicz - 56 - karny.

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. Unia | 8 | 19 | 21:5 |
| 2. MRKS (b) | 8 | 18 | 11:6 |
| 3. Ruch II (b) | 8 | 17 | 16:6 |
| 4. Katowice II (b) | 8 | 16 | 17:6 |
| 5. Polonia | 8 | 15 | 15:6 |
| 6. Spójnia | 8 | 15 | 16:11 |
| 7. Radzionków | 8 | 14 | 7:3 |
| 8. Podbeskidzie II (b) | 7 | 12 | 14:5 |
| 9. Przemsza | 8 | 12 | 16:15 |
| 10. Szombierki | 7 | 10 | 8:7 |
| 11. Drama | 8 | 9 | 9:10 |
| 12. Kuźnia | 8 | 8 | 15:15 |
| 13. Podlesianka | 8 | 7 | 10:16 |
| 14. Rozwój | 7 | 7 | 11:19 |
| 15. Piast II | 8 | 6 | 9:14 |
| 16. Decor | 8 | 4 | 7:13 |
| 17. Gwarek | 7 | 3 | 1:10 |
| 18. Victoria | 8 | 0 | 5:41 |

**9. kolejka - 18-19 września:** Kuźnia - Spójnia, Podbeskidzie II - Polonia, Radzionków - Victoria, MRKS - Rozwój, Podlesianka - Unia, Przemsza - Szombierki, Drama - Katowice II, Piast II - Decor, Gwarek - Ruch II.

**(DaL, mar)**

## 5. LIGA ŚLĄSKA

### GRUPA I

Jedność 32 Przyszowice - Zagłębie II Sosnowiec 2:3, Gwarek Ornontowice - Śląsk Świętochłowice 0:1, Sarmacja Będzin - Odra Miasteczko Śl. 2:3, Unia Rędziny - Zieloni Żarki 2:2, Unia Dąbrowa Górnicza - Górnik Piaski 0:0, Orzeł Miedary - Start Sierakowice 1:1, Liswarta Krzepice - Pilica Koniecpol 0:1, AKS Mikołów - CKS Czeladź 4:5.

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. Ornontowice | 6 | 15 | 17:5 |
| 2. Koniecpol | 6 | 15 | 13:10 |
| 3. Miasteczko Śl. | 6 | 13 | 16:6 |
| 4. Zagłębie II | 6 | 13 | 15:7 |
| 5. Piaski (b) | 6 | 13 | 11:7 |
| 6. Czeladź | 6 | 12 | 17:11 |
| 7. Śląsk | 6 | 12 | 9:9 |
| 8. Rędziny | 6 | 10 | 12:8 |
| 9. Sarmacja (b) | 6 | 8 | 14:11 |
| 10. Krzepice | 6 | 7 | 8:13 |
| 11. Miedary | 6 | 5 | 10:11 |
| 12. Unia D. G. | 6 | 5 | 8:10 |
| 13. Przyszowice | 6 | 3 | 7:14 |
| 14. Mikołów | 5 | 1 | 10:17 |
| 15. Żarki (b) | 5 | 1 | 6:17 |
| 16. Sierakowice (b) | 6 | 1 | 4:21 |

### GRUPA II

Beskid Skoczów - Błyskawica Drogomyśl 3:0, Góral Istebna - Stal-Śrubiarnia Żywiec 1:3, Forteca Świerklany - GLKS Wilkowice 2:4, Pasjonat Dankowice - BKS Stal Bielsko-Biała 4:1, Pniówek 74 Pawłowice - LKS Czaniec 1:6, MKS Lędziny - Tempo Puńców 1:1, Panattoni II Goczałkowice - Rekord II Bielsko-Biała 1:3, Start Mszana - LKS Tworków 1:2.

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. Stal-Śrubiarnia | 6 | 16 | 24:5 |
| 2. Rekord II | 5 | 13 | 14:5 |
| 3. Czaniec | 6 | 13 | 13:5 |
| 4. Goczałkowice II | 6 | 11 | 21:7 |
| 5. Drogomyśl | 6 | 11 | 13:8 |
| 6. Tworków | 6 | 11 | 13:10 |
| 7. Mszana (b) | 6 | 10 | 10:7 |
| 8. Skoczów | 6 | 9 | 16:9 |
| 9. Puńców (b) | 6 | 8 | 14:10 |
| 10. Dankowice (b) | 6 | 7 | 9:12 |
| 11. Wilkowice | 5 | 5 | 9:14 |
| 12. Lędziny | 6 | 5 | 7:14 |
| 13. Istebna | 6 | 4 | 11:14 |
| 14. Świerklany | 6 | 3 | 8:14 |
| 15. BKS Stal | 6 | 2 | 7:20 |
| 16. Pniówek (s) | 6 | 0 | 1:36 |

**(g)**

## ŚLĄSKA KLASA OKRĘGOWA

### GRUPA I

Silesia Miechowice - ŁTS Łabędy 1:2, Burza Borowa Wieś - Tarnowiczanka 0:1, Olimpia Boruszowice - Victoria Pilchowice 0:4, Orzeł Biały Brzeziny Śl. - Concordia Knurów 1:1, Walka Zabrze - Górnik Bobrowniki Śl. 1:3, MOSiR Sparta Zabrze - Unia Strzybnica 1:1, Tempo Paniówki - Carbo Gliwice 4:0, Ruch II Radzionków - Polonia II Bytom 4:3. Sośnica Gliwice pauzowała.

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. Concordia (s) | 7 | 17 | 16:6 |
| 2. Stare Tarnowice (b) | 7 | 15 | 22:13 |
| 3. Polonia II | 6 | 13 | 27:12 |
| 4. Brzeziny Śl. (b) | 6 | 13 | 12:8 |
| 5. Łabędy | 6 | 12 | 21:16 |
| 6. Miechowice | 7 | 12 | 15:10 |
| 7. MOSiR Sparta | 6 | 11 | 17:8 |
| 8. Pilchowice | 6 | 11 | 16:7 |
| 9. Borowa Wieś | 6 | 10 | 15:9 |
| 10. Bobrowniki Śl. | 6 | 10 | 14:16 |
| 11. Radzionków II | 7 | 9 | 14:19 |
| 12. Strzybnica | 7 | 7 | 12:12 |
| 13. Boruszowice | 7 | 7 | 13:20 |
| 14. Carbo (b) | 7 | 6 | 7:18 |
| 15. Paniówki | 6 | 3 | 12:23 |
| 16. Sośnica | 6 | 2 | 6:20 |
| 17. Walka (b) | 7 | 0 | 5:27 |

### GRUPA II

Znicz Kłobuck - MKS Myszków 0:4, Warta Poraj - Lot Konopiska 2:1, Stradom Częstochowa - Jedność Boronów 7:1, Sparta Lubliniec - Skra Częstochowa / Amator Golce 1:2, Promień Glinica - Warta Kamieńskie Młyny 1:3, LKS Kamienica Polska - KS Panki 5:0, Liswarta II Krzepice - Unia Kalety 0:1, Płomień Lgota Mała - Lotnik Kościelec 3:0.

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. Skra/Golce | 6 | 16 | 25:8 |
| 2. Kamieńskie Młyny | 6 | 12 | 17:10 |
| 3. Myszków (b) | 6 | 12 | 13:7 |
| 4. Kłobuck (s) | 6 | 11 | 16:10 |
| 5. Kamienica Polska | 6 | 10 | 16:10 |
| 6. Kalety | 6 | 10 | 13:7 |
| 7. Stradom | 6 | 10 | 16:14 |
| 8. Boronów | 6 | 10 | 15:17 |
| 9. Lgota Mała | 6 | 9 | 19:13 |
| 10. Poraj | 6 | 9 | 12:18 |
| 11. Glinica (b) | 6 | 8 | 11:16 |
| 12. Kościelec | 6 | 5 | 8:13 |
| Lubliniec (b) | 6 | 5 | 8:13 |
| 14. Panki | 6 | 5 | 9:19 |
| 15. Krzepice II (b) | 6 | 4 | 8:14 |
| 16. Konopiska | 6 | 0 | 9:26 |

### GRUPA III

Sparta Żory - Unia II Turza Śl. 1:1, Naprzód Czyżowice - LKS Krzyżanowice 1:2, Kolejarz Chałupki - Naprzód Borucin 2:1, KS 1905 Krzanowice - Czarni Gorzyce 0:3, Dąb Gaszowice - Ruch Stanowice 4:1, LKS 1908 Nędza - Przyszłość Rogów 0:3, Unia Racibórz - Górnik Radlin 1:0, TKKF Sokół Chwałęcice - Silesia Lubomia 3:4.

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. Unia Racibórz | 6 | 18 | 21:2 |
| 2. Żory (b) | 6 | 16 | 34:5 |
| 3. Rogów | 6 | 13 | 21:8 |
| 4. Turza Śl. II | 6 | 12 | 18:2 |
| 5. Radlin | 6 | 11 | 14:4 |
| 6. Gorzyce | 6 | 10 | 14:8 |
| 7. Krzyżanowice | 6 | 10 | 12:14 |
| 8. Chałupki | 6 | 10 | 7:12 |
| 9. Stanowice | 6 | 9 | 15:15 |
| 10. Chwałęcice (b) | 6 | 9 | 13:20 |
| 11. Nędza | 6 | 6 | 9:15 |
| 12. Gaszowice | 6 | 5 | 10:15 |
| 13. Borucin (b) | 6 | 4 | 9:29 |
| 14. Lubomia | 6 | 3 | 12:27 |
| 15. Czyżowice | 6 | 1 | 4:19 |
| 16. Krzanowice (b) | 6 | 0 | 2:20 |

### GRUPA IV

Unia Ząbkowice - Siemianowiczanka 1:0, Ostoja Żelisławice - Przemsza Okradzionów 2:3, Wawel Wirek - Unia Kosztowy 2:1, Górnik Wojkowice - GKS III Katowice 4:0, Jastrząb Bielszowice - Pogoń Imielin 1:4, Cyklon Rogoźnik - Niwy Brudzowice 1:2, Warta Zawiercie - Urania Ruda Śl. 5:0, Stadion Śląski Chorzów - Górnik Sosnowiec 5:1.

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. Wojkowice | 6 | 18 | 17:3 |
| 2. Zawiercie | 6 | 13 | 17:5 |
| 3. Żelisławice (b) | 6 | 13 | 14:8 |
| 4. Okradzionów (b) | 5 | 12 | 12:8 |
| 5. Brudzowice | 6 | 10 | 13:12 |
| 6. Kosztowy | 5 | 7 | 10:7 |
| 7. Stadion Śląski | 5 | 7 | 10:11 |
| 8. Wirek | 6 | 7 | 10:12 |
| 9. Bielszowice | 6 | 7 | 11:14 |
| 10. GKS III (b) | 6 | 7 | 10:17 |
| 11. Siemianowice Śl. | 5 | 6 | 10:7 |
| 12. Imielin | 6 | 6 | 12:14 |
| 13. Rogoźnik | 6 | 6 | 11:13 |
| 14. Ząbkowice | 4 | 4 | 5:10 |
| 15. Górnik S. | 5 | 4 | 10:19 |
| 16. Urania (b) | 5 | 0 | 7:19 |

### GRUPA V

LKS Bestwina - LKS Łąka 3:2, Rotuz Bronów - Ogrodnik Cielmice 2:0, Iskra Pszczyna - LKS Wisła Wlk. 5:0, GTS Bojszowy - Wilamowiczanka 1:0, JUWe Jaroszowice - KS Bestwinka 0:4, Fortuna Wyry - Iskra Rybarzowice 3:2, Podbeskidzie III Bielsko-Biała - ZET Tychy 4:0, Piast Gol Bieruń - Czarni Jaworze 2:2.

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. Pszczyna | 6 | 18 | 26:3 |
| 2. Bestwinka | 6 | 13 | 23:13 |
| 3. Wyry | 6 | 12 | 17:7 |
| 4. Cielmice (b) | 6 | 12 | 17:12 |
| 5. Bojszowy | 6 | 12 | 8:10 |
| 6. Rybarzowice (b) | 6 | 11 | 19:11 |
| 7. Wisła Wielka (b) | 6 | 10 | 13:14 |
| 8. Bronów | 6 | 9 | 17:13 |
| 9. Bestwina | 6 | 7 | 11:13 |
| 10. ZET | 6 | 7 | 14:22 |
| 11. Jaroszowice | 6 | 6 | 9:15 |
| 12. Podbeskidzie III | 6 | 6 | 8:14 |
| 13. Piast Gol | 6 | 5 | 12:19 |
| 14. Jaworze | 6 | 4 | 10:15 |
| 15. Wilamowice (b) | 6 | 3 | 5:14 |
| 16. Łąka | 6 | 1 | 6:20 |

### GRUPA VI

Wisła Strumień - Victoria Hażlach 3:4, Cukrownik Chybie - Podhalanka Milówka 1:4, GKS Radziechowy-Wieprz - Maksymilian Cisiec 2:2, Sokół Słotwina - LKS Pogórze 2:4, LKS Leśna - WSS Wisła 0:3, Bory Pietrzykowice - Smrek Ślemień 2:0, Orzeł Łękawica - Strażak Dębowiec 3:1.

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. Pietrzykowice | 6 | 15 | 14:3 |
| 2. Milówka | 6 | 15 | 15:7 |
| 3. Radziechowy-W. | 6 | 14 | 14:5 |
| 4. Słotwina | 6 | 12 | 20:13 |
| 5. Hażlach | 6 | 12 | 14:14 |
| 6. Chybie | 6 | 9 | 13:13 |
| 7. Strumień | 6 | 7 | 15:13 |
| 8. Pogórze | 6 | 7 | 13:13 |
| 9. Łękawica (s) | 6 | 7 | 11:15 |
| 10. Cisiec (b) | 6 | 7 | 10:19 |
| 11. Leśna | 6 | 6 | 9:12 |
| 12. Wisła | 6 | 4 | 9:15 |
| 13. Ślemień | 6 | 4 | 8:15 |
| 14. Dębowiec (b) | 6 | 3 | 8:16 |

**(g)**

eprasa.pl bf22096629

# Całe serducho, w zamian porażka

## Inauguracja sezonu w Gliwicach dostarczyła kibicom ogromnych emocji. Sośnica była bliska zwycięstwa, ale bardzo nieskuteczna końcówka pozbawiła ją pierwszych punktów.

LOTTO SUPERLIGA KOBIET

Dziękujemy naszym dziewczętom, które zostawiły dziś na parkiecie całe serducho – tak spiker, mimo porażki z drużyną z Kalisza, dziękował po meczu miejscowym zawodniczkom.

### Zatrzymane na 24 bramkach

- Po całkiem mocnych perturbacjach zgrywamy się jakby na nowo, więc potrzebujemy trochę czasu. Każda daje z siebie tyle, ile może, ale praktycznie całe serce. Na razie nie wystarcza, ale mam nadzieję, że w kolejnych meczach uda nam się przechylić szalę zwycięstwa - stwierdziła gliwicka rozgrywająca Katarzyna Kozimur, nie do końca zgadzając się z opinią chociażby swojego trenera, że jej i koleżankom zabrakło w sobotę sił. - Gdyby tak było, to byłaby to okoliczność usprawiedliwiająca. Nie sądzę więc, żeby siła była decydującym czynnikiem. Zatrzymałyśmy się na 24 bramkach w końcówce, a wiadomo, że mecze wygrywa się w ostatnich 10 minutach. To głównie przeważyło.

### Super połowa i męki w ataku

Trudno nie zgodzić się z doświadczoną zawodniczką, ponieważ przez większość spotkania Gliwiczanki były na prowadzeniu, w pewnym momencie nawet czterobramkowym! Gospodynie grały bardzo dobrze w defensywie, co pozwalało sądzić, że odniosą pierwszy w tym sezonie triumf. Skoro w 44 minucie prowadzi się 22:18, od stanu 23:20 przez 11 minut nie zdobywa się bramki, marnując przy okazji rzut karny, a w ostatniej akcji marnuje się „setkę", to nie można wygrać. - Pierwsza połowa super w obronie i ofensywie, a potem tak się męczymy w ataku, że nawet nie wiem, co mam powiedzieć. W końcówce miałyśmy parę czystych sytuacji, zmarnowany rzut karny i to zaważyło. Zabrakło chłodnej głowy. A co dalej? Nie wiem. Gramy i wygrywamy, bo musimy wyjść z -6 na plus – skomentowała MVP spotkania, bramkarka Weronika Gloser, smutno dodając. - Nie potrzebuję nagród, jeśli będziemy wygrywać jedną, dwoma, czy dziesięcioma bramkami.

**Zbigniew Cieńciała**

Fot. LottoSuperliga

**Być może to jedno dobre przedarcie się Anny Diablo przez obronę Sośnicy zadecydowało o sukcesie jej drużyny.**

**SPR Sośnica Gliwice - Szczypiorno Kalisz 25:26 (14:11)**

**SOŚNICA**: Glosar 1, Osowska - Grobelna 2, Kozimur 2, Holińska 4/2, Gasević 2, Świerczek 8, Doktorczyk 2, Leśniak 3/1, Tukaj, Szczotka 1. Kary: 6 min. Trener Michał KUBISZTAL.

**SZCZYPIORNO**: Petkovska, Wawrzynkowska - Furmanets 7, Striukova, Diablo 4/1, Gakidova 3/2, Szarkowa 5, Aydin 6/1, Gliwińska 1, Bury, Ściernicka, Lundstroem. Kary: 10 min. Trener Dmytro HREBENIUK.

### GŁOS TRENERÓW

■ **Dmytro HREBENIUK**: - Chciałbym podziękować Gliwicom za mocny mecz, bardzo ciekawy do oglądania. Wiedzieliśmy, że jedziemy na trudny teren. W pierwszej połowie zawiodła nas skuteczność, w drugiej było lepiej, więc jestem zadowolony. Najważniejsze było zwycięstwo.

■ **Michał KUBISZTAL**: - Mieliśmy pomysł na ten mecz i przez długi czas udało nam się go realizować. Niestety, nie wygramy ze zdrowiem. Mając na ławce tylko jedną rozgrywającą i kołową, trudno rotować składem, ciężko grać, i to nas w końcówce zabolało. Szkoda. Mieliśmy sytuacje, karnego, przy remisie mogliśmy odskoczyć. Chylę jednak czoło przed moimi zawodniczkami, bo zostawiły ogrom serca. Z drugiej strony wiemy, że ten mecz był do wygrania, więc tym mocniej boli porażka jedną bramką. Choć to dopiero druga kolejka, to już wiemy, że musimy gonić i szukać punktów wszędzie. Mamy zespół, który na to stać i jestem przekonany, że wkrótce to udowodnimy.

**KGHM MKS Zagłębie Lubin - KPR Gminy Kobierzyce 25:30 (16:14)**

**LUBIN**: Zima, Maliczkiewicz 1 - Janas 1, Jakubowska 5/2, Matieli 5, Drabik 1, Fernandes 6, Grzyb 3/3, Cesareo 2, Cavo 1, Cavo, Fernandez. Kary: 2 min. Trenerka Bożena KARKUT.

**KOBIERZYCE**: Simić, Sałtaniuk - Szukal 6/1, Zimnicka 6, Drażyk 2, Meleketcewa 2, Buklarewicz, Wiertelak 5, Mączka 2/2, Ważna, Kozioł 2, Kostuch, Ignjatović 3, Wiśniewska 2, Pilikauskaite. Kary: 6 min. Trener Herlander SILVA.

**Krasoń MKS Piotrcovia - Elmas-KPS APR Radom 36:22 (17:12)**

**PIOTRCOVIA**: Sarnecka, Chojnacka, Cieślak - Królikowska 5, Roszak 9/3, Polańska 4, Olek 2, Zimny 2, Gadzina 6, Noga 2, Nosek 3, Byzdra 1, Haric 2, Guguljanova, Cielątkowska. Kary: 12 min. Trener Horiatu PASCA.

**RADOM**: Gryczewska, Kolasińska - Głuszko 2, Domka 2, Salisz 4/1, Owczaruk 1, Mitrović 3, Sołościuk 2, Mielewczyk 4/1, Freiler 1, Pawłowska 2, Skorża 1, Krzymowska, Kuryś, Simic. Kary: 8 min. Trener Adrian KONDRACIUK.

**Energa Start Elbląg - Enea MKS Gniezno 23:34 (8:16)**

**PGE MKS El-Volt Lublin - HC Galiczanka Lwów 31:20 (15:10)**

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. Lublin | 2 | 6 | 67:43 |
| 2. Piotrków | 2 | 6 | 61:43 |
| 3. Kobierzyce | 2 | 6 | 61:46 |
| 4. Lubin | 2 | 3 | 65:55 |
| 5. Gniezno | 2 | 3 | 55:48 |
| 6. Lwów | 2 | 3 | 57:60 |
| 7. Kalisz | 2 | 3 | 47:56 |
| 8. Elbląg | 2 | 0 | 48:74 |
| 9. Radom | 2 | 0 | 48:74 |
| 10. Gliwice | 2 | -6 | 54:63 |

**3. seria - 15-16 września:** Kobierzyce - Gliwice - wtorek, 18.00, Gniezno - Lubin - wtorek, 20.15, Lwów - Piotrków - środa, 18.00, Kalisz - Lublin - środa, 18.00, Radom - Elbląg - środa, 20.15. **(mha)**

# Widowisko w Legionowie

## Kolejny raz potwierdziło się, że trzeba walczyć przez pełne 60 minut.

LOTTO SUPERLIGA

Zespoły z Legionowa i Opola zaczęły sezon od zwycięstw i chciały budować serię. Przez długi czas ich konfrontacji wydawało się, że po pełną pulę sięgną Gwardziści; prowadzili od początku, sukcesywnie budując przewagę. Cuda między słupkami wyczyniał Jakub Ałaj, broniący rzuty z dystansu, z 7 metra i sam na sam. W 37 minucie Opolanie prowadzili 17:11 i wydawało się, że wszystko potoczy się po ich myśli. Tymczasem miejscowi włączyli wyższy bieg i odrabiali straty. Nie przeszkodziła im w tym czerwona kartka dla Filipa Fąfary. Ostatnie 5 minut wygrali 5:1, a wyprowadzenie Mateusza Kosmali, który zdobył zwycięską bramkę, było majstersztykiem.

**Zepter KPR Legionowo - Corotop Gwardia Opole 22:21 (9:15)**

**LEGIONOWO**: Tsintsadze, Liljestrand - Kosmala 2, Wołowiec 7, Fąfara 6/3 (CZK, 48 min - gradacja kar), Ilczenko 1, Ciok 1, Matuszak 2, Antolak, Słupski 1, Drozdalski 1, Petryczenko, Wiaderny, Jagielski, Stawicki 1. Kary: 14 min. Trener Tomasz STRZĄBAŁA.

**GWARDIA:** Ałaj, Balcerek - Artemenko 3, Kamiński 2, Kowalczyk 2/2, Janikowski 3, Racotea 3, Rugała 1, Cikatić 1, Luksa, Wilisowski, Wisiński 4, Zarzycki 1, Wojdan 1/1, Milewski. Kary: 8 min. Trener Bartosz JURECKI.

**MKS Piotrkowianin - Industria Kielce 30:46 (13:21)**

**PIOTRKOWIANIN**: Matlęga - Filipowicz 2, Dudkowski 4, Rutkowski 3, Petlak 5, Szopa 4/4, Mastalerz 1, Surosz 1, Wawrzyński 3, Trójniak, Jurczenia 3, Bekisz 4, Waśkiewicz, Wroniszewski. Kary: 6 min. Trener Ivo VAVRA.

**KIELCE**: Milosavljew, Morawski - Kounkoud 6, Bos 1, Jędraszczyk 1, Monar 10, Rabczyński 9, Yusuf 6, Vlah 1, Karalek 7, Klarica 4, Jarosiewicz 1/1, Latosiński. Kary: 6 min. Trener Krzysztof LIJEWSKI.

**Rebud KPR Ostrovia Ostrów Wielkopolski - Orlen Wisła Płock 32:37 (17:22)**

**OSTROVIA**: Valerio, Zimny - Kamyszek 3, Ribeiro 3, Smolikow 2, Tilte 1, Burzak 4, Marciniak 5/5, Kałużny 2, Urbaniak 3, Chojnacki 1, Krok, Frankowski 5, Wojciechowski 2, Misiejuk 1, Szpera. Kary: 14 min. Trener Kim RASMUSSEN.

**PŁOCK**: Vujović, Alilović - Daszek 10, Richardson 2, Fazekas 1, Dawydzik 1, Janc 3, Bjerre 11/6, Szita, Ilić 1, Kosorotow, Krajewski 4, Mihić 2, Rey, Zarabec 2. Kary: 14 min. Trener Xavier SABATE.

**WKS Śląsk Wrocław - KGHM Chrobry Głogów 19:24 (11:9)**

**ŚLĄSK**: Małecki, Mazur - K. Adamski 1, Okapa, M. Marciniak 4, Wandzel 1, Góralski 4/1, Niedzielenko 2, Przybylski 3/2, Wychowaniec 1, Chałupka, Parowinczak 1, Wielgucki 2, Świątkiewicz, Mojeścik, Granowski. Kary: 20 min. Trenerzy: Bartłomiej KOPROWSKI i Jarosław KNOPIK.

**GŁOGÓW**: Stachera, Derewiankin - Grabowski 1/1, Stolarski, Zieniewicz, Żyszkiewicz 1, Orpik, Dadej, J. Adamski 2, Styrcz 4, Mosiołek 1, Paterek 7, Kosznik 1, Komarzewski 2, Skiba, Pawłowskij 5. Kary: 14 min. Trener Witalij NAT.

Fot. LOTTO Superliga

**Filip Fąfara nie dotrwał do syreny, ale i tak skakał z radości.**

**Energa Bank PBS MMTS Kwidzyn - Netland MKS Kalisz 34:24 (18:10)**

Stal Mielec - PGE Wybrzeże Gdańsk poniedziałek, 17.00

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. Płock | 2 | 6 | 83:51 |
| 2. Kielce | 2 | 6 | 83:61 |
| 3. Chrobry | 2 | 6 | 55:44 |
| 4. Legionowo | 2 | 6 | 56:54 |
| 5. Śląsk | 2 | 3 | 48:45 |
| 6. Gwardia | 2 | 3 | 53:52 |
| 7. Kwidzyn | 2 | 3 | 53:70 |
| 8. Wybrzeże | 1 | 0 | 33:34 |
| 9. Stal | 1 | 0 | 25:31 |
| 10. Ostrovia | 2 | 0 | 62:69 |
| 11. Kalisz | 2 | 0 | 55:71 |
| 12. Piotrkowianin | 2 | 0 | 51:75 |

**3. seria - 19-23 września:** Chrobry - Piotrkowianin, Wybrzeże - Śląsk, Płock - Legionowo, Gwardia - Stal, Kielce - Kwidzyn, Kalisz - Ostrovia.

**(mar)**

eprasa.pl bf22096629

# Kolejny chichot losu

## Tyszanie przegrali czwarty raz – po raz trzeci po heroicznym boju i znów jednym golem.

HOKEJOWA LIGA MISTRZÓW

Wrażenie artystyczne zupełnie się nie liczy, skoro nie mamy punktów – stwierdził po meczu z Servette Genewa kontuzjowany kapitan Filip Komorski, paradujący z ortezą po złamaniu palca. W czwartym występie w Champions Hockey League mistrzowie Polski byli najbliżej zdobyczy punktowych. Na 103 sekundy przed końcową syreną Vili Saarijärvi uderzył precyzyjnie i krążek wylądował w prawym rogu tyskiej bramki. Tomaš Fučik był bez szans, bo przed nim było kilku zawodników, którzy nawzajem się blokowali.

- Po takim meczu najchętniej szybko uciekłbym do domu, zjadł coś smacznego, włączył dobry film i chciałbym szybko o wszystkim zapomnieć. Zagraliśmy dobry mecz, nie mamy czego się wstydzić, ale przegraliśmy 0:1 i z tego powodu jestem bardzo smutny – stwierdził nasz reprezentacyjny golkiper z podwójnym paszportem.

Fot. PAP / Art Service

Na tyskiej tafli nie było zmiłuj się – od początku do końca trwała niesłychana walka.

### Szczupła kadra

Już w okresie przygotowań sygnalizowaliśmy szczupłą kadrze Tyszan, a rozgrywki HLM jest niesłychanie wymagająca, o czym mogliśmy się także przekonać podczas meczów ze szwajcarskimi zespołami. Kontuzje Komorskiego oraz Fina Jusso Jämsena sprawiły, że trzeba było dokonać przetasowań w poszczególnych formacjach. Czwarty atak składał się z doświadczonego Mateusza Gościńskiego oraz dwóch młokosów. W ostatniej odsłonie trener Pekka Tirkkonen „skrócił" nieco skład i ten tercet pojawiał się sporadycznie. To zapewne miało wpływ na tempo i intensywność gry, bo przecież przyjezdni posiadali momentami przygniatającą przewagę.

- Trzymaliśmy fason i wynik, a rywal coraz bardziej się denerwował. Żałuję, że nie udało się nam doprowadzić do dogrywki. W moim przekonaniu był to nasz najlepszy występ w tej edycji – dodał niepocieszony Fučik.

Sam Halama, trener przyjezdnych, też musiał dokonać rotacji w ustawieniu, bowiem po raz drugi z rzędu nie wystąpił utytułowany fiński napastnik, Markus Granlund, z przeszłością w NHL. Powody do satysfakcji miał natomiast były reprezentant kraju i ceniony trener, Henryk Gruth, obecnie komentator Polsatu Sport. W zespole gości wystąpili jego dwaj wychowankowie, obrońca Roger Karrer oraz napastnik Marco Miranda, który w 1. ataku zastąpił Granlunda.

### Zmienne nastroje

Hokeiści ze Szwajcarii zaskoczyli gospodarzy, bowiem przybyli do Tychów ze Szwecji w dniu meczu. Może dlatego w 1. odsłonie nie mogli znaleźć właściwego rytmu. Grali zachowawczo, ale i tak posiadali przewagę (w strzałach 11-1). W 12 min ścierpła nam skóra, bowiem Karol Sobecki sfaulował Mirandę i otrzymał podwójną karę mniejszą. Pod tyską bramką raz po raz się „kotłowało", ale wszyscy bronili jak lwy i potrafili wyjść z opresji obronną ręką.

Za ten fragment należą im się słowa uznania, ale jeszcze większe za grę w przewadze. Najpierw w boksie kar znalazł się Simas Ignatavicius (26 min), a potem Jimmy Vesey (31) i wówczas gospodarze stworzyli kilka groźnych sytuacji, a Robert Mayer miał sporo pracy (w strzałach 10-11). Bartłomiej Pociecha, kapitan GKS-u pod nieobecność „Komory", w 28 min trafił w spojenia słupka z poprzeczką, a nieco wcześniej Dominik Paś miał dobrą sytuację, podobnie jak Henri Knuutinen i Valtteri Kakkonen.

- Szkoda że 10-minutowy dobry fragment gry nie został zamieniony na bramkę. Gdybyśmy objęli prowadzenie, być może to spotkanie miałoby nieco inny przebieg. Niestety, fakty są zgoła i musimy się z tym pogodzić – kręcił głową tyski golkiper, niewątpliwy bohater tej edycji rozgrywek.

Pod koniec 2. tercji na ławce kar usiadł Fin Lauri Sertti, a potem sędziowie odgwizdali Pasiowi faul za uderzanie. W tej sytuacji na lodowisku zrobiło się ponuro, bo przez 44 sek. Tyszanie mieli grać w podwójnym osłabieniu, jednak sędziowie po analizie wideo uznali, że nieco wcześniej fiński napastnik podbił kij Pasiowi i ten wylądował na jego rękach. Tak czy siak, pod tyską bramką raz po raz było gorąco, aż w końcu krążek trafił do siatki.

- Staram się wypełniać swoje obowiązki jak najlepiej. Przede wszystkim utrzymać koncentrację i mentalnie jestem przygotowany na tak silnych rywali. Dla nas najtrudniejszy był mecz w Pardubicach i uważam tę drużynę za jednego z faworytów tegorocznej edycji – stwierdził na pożegnanie Fučik.

Po raz kolejny niesłychana ambicja tyskiego zespołu nie została nagrodzona punktami, jednak kibice docenili postawę hokeistów, których pożegnano na stojąco.

**Włodzimierz Sowiński**

■ **GKS Tychy – Servette Genewa 0:1 (0:0, 0:0, 0:1)**
0:1 – Saarijärvi – Le Coultre (58:17).
**Sędziowali**: Michał Baca i Paweł Kosidło – Piotr Kot i Łukasz Sośnierz.
**Widzów** 1987.

**GKS**: Fučik; Pociecha – Kovař, Kakkonen – Viinikainen, Bryk – Sertti (2), Sobecki (4) – Kaskinen; Knuutinen – Paś – Łyszczarczyk, Jeziorski – Ainali – Kerkkänen, Janik – Kiełbicki – Viitanen, Drabik – Kucharski – Gościński. Trener Pekka TIRKKONEN.
**SERVETTE**: Mayer; Rutta – Untersander, Saarijärvi – Le Coultre, Karrer – Henauer, Sutter; Puljujärvi – Manninen – Miranda, Praplan – Vesey (2) – Kneubuehler, Ignatavicius (2) – Müller – Rod, Lemyre – Verboon – Hischier. Trener Sam HALLAM.
**Kary**: GKS – 6 min, Servette – 4 min.

**14**
**CELNYCH**
strzałów oddali gospodarze, goście zaś o 25 więcej; w sumie szwajcarski zespół uderzał 82 razy na bramkę Fučika, zaś Tyszanie – 30.

**18**
**UDERZEŃ**
gości zablokowali hokeiści GKS-u, a szwajcarski zespół 9.

**42**
**WZNOWIENIA**
wygrali goście, zaś Tyszanie tylko 14.

### NA RAZIE OSTATNI

■ W sezonie regularnym w HLM rywalizują 24 zespoły. Trofeum broni szwedzka Frolunda Goeteborg. Wśród uczestników są cztery ekipy ze Szwecji, po trzy z Austrii, Czech, Finlandii, Niemiec i Szwajcarii oraz po jednym z Polski, Danii, Francji, Norwegii i Słowacji. Po rozegraniu fazy zasadniczej najlepszych 16 ekip awansuje do 1/8 finału. Po sobotnich meczach nasz zespół zajmował ostatnie miejsce.
W poprzedniej edycji Tyszanie wygrali jedno z sześciu spotkań (na wyjeździe z austriackim KAC Klagenfurt 4:1) i zakończyli udział w rozgrywkach.
W kolejnym meczu GKS zmierzy się na wyjeździe z niemiecką drużyną Adler Mannheim (7 października).

## CZTERY PYTANIA DO...

**BARTŁOMIEJA POCIECHY,** kapitana GKS-u Tychy

**1. Czy tak pan sobie wyobrażał scenariusz obecnej Ligi Mistrzów?**

- Gdy poznaliśmy rywali, zdawaliśmy sobie sprawę, jak trudne zadanie nas czeka w tych sześciu meczach. Wiedzieliśmy, że wystąpimy w roli underdoga, bo spotykamy się z zespołami z najwyższej półki, które przewyższają nas pod każdym względem. Musieliśmy skupić na kontrach oraz skutecznej grze w przewagach. Niestety, swoich planów nie zrealizowaliśmy i stąd też cztery porażki, jednak z meczu na mecz prezentujemy się coraz lepiej, a przed nami jeszcze dwie potyczki...

**2. Co było powodem wysokiej porażki w Pardubicach, bo w kolejnych meczach było coraz lepiej?**

- W okresie przygotowawczym rozgrywaliśmy mecze z 1-ligowcami z Czech oraz z zespołami ekstraligi słowackiej. Nim zaadaptowaliśmy się do tempa gry w Lidze Mistrzów, już dostaliśmy parę goli (porażka 0:6 – przyp. red.). Mistrz Czech to silna drużyna i jestem przekonany, że daleko zajdzie w tegorocznej edycji, niemniej w kolejnych potyczkach pokazaliśmy się z niezłej strony - solidnie w defensywie, jednak w ataku brakowało nieco skuteczności. Nieliczne dogodne sytuacje trzeba wykorzystywać. Przegraliśmy dwa spotkania jednym golem, a z Davos dwoma, ale ostatniego dostaliśmy do pustej bramki. Z Genewą najbardziej możemy żałować, że nie wykorzystaliśmy kilku okazji i nie objęliśmy prowadzenia, bo mecz mógłby się potoczyć nieco inaczej. Teraz możemy tylko gdybać... Jestem jednak dumny z postawy kolegów.

**3. Poprzedni sezon miał pan bardzo udany i teraz też rozpoczął pan z wysokiego „C". Gdzie tkwi tajemnica?**

- Dziękuję za uznanie. Mnie ambicji nie brakuje i gdy wychodzę na lód, skacze adrenalina. Staram się realizować zadania wytyczone przez trenerów i wykorzystywać swój atut, czyli silny strzał z daleka. Czasami krążek wpada do siatki... (mruży znacząco oko – przyp. red.)

**4. Czy występy Lidze Mistrzów mogą się przełożyć dobrą grę w lidze?**

- To inne światy. W europejskich rozgrywkach występujemy w roli kopciuszka, zaś w lidze będziemy kreatorami gry i faworytami. Wówczas nasi przeciwnicy starają sięuważnie bronić oraz utrudnić realizację naszego planu, ale pamiętam, co było rok temu mniej więcej o tej samej porze. Miało być miło, skończyło się brakiem awansu do finałowego turnieju Pucharu Polski. Ta sytuacja nie może się powtórzyć. Mamy za sobą przykre doświadczenie i o tym pamiętamy.

**Rozmawiał WS**

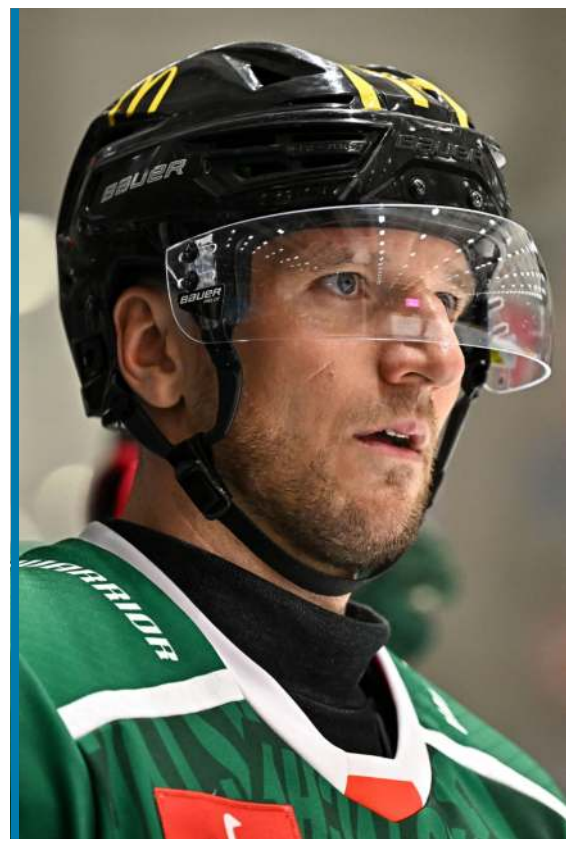
Fot. Łukasz Sobala / Press Focus

eprasa.pl bf22096629

Fot. FIBA

Na drużynę ze Stanów Zjednoczonych wciąż nie ma mocnych!

# Dominatorki z USA

## Amerykanki przetrwały w Berlinie szturm Francuzek i po raz piąty z rzędu zostały mistrzyniami świata!

MISTRZOSTWA ŚWIATA KOBIET

W wielkim finale Amerykanki spotkały się z Francuzkami. To był rewanż za finał igrzysk olimpijskich w Paryżu przed dwoma laty. Wtedy ledwie jednym punktem wygrał zespół USA. Francuzki przyjechały do stolicy Niemiec z wielką chęcią wzięcia rewanżu.

### Kosmiczna seria USA

Amerykanki walczyły o swój piąty tytuł mistrzyń świata z rzędu, ale po pierwszej kwarcie trzema punktami prowadziły Francuzki, które po raz pierwszy w historii grały w wielkim finale mundialu. Drugą ćwiartkę Trójkolorowe zaczęły serią 8:0 i w oczach zawodniczek oraz sztabu USA pojawił się niepokój. W 13 minucie świetnie grające w obronie koszykarki Francji miały już 14 punktów zaliczki (31:17)! Ich radość nie trwała jednak długo. Faworytki wzięły się bowiem do odrabiania strat i do przerwy po trójce Catlin Clark przegrywały tylko dwoma „oczkami" (43:45).

Amerykanki z szatni wyszły mocno skoncentrowane i serią 9:2 odwróciły losy meczu, przejmując kontrolę nad spotkaniem. Tuż przed końcem trzeciej kwarty, przy wyraźnym już prowadzeniu USA, Francuzki popełniły dwa faule (w tym jeden niesportowy) i po serii osobistych koszykarki ze Stanów Zjednoczonych kończyły tę część z 16 punktami przewagi. Rywalki już się po tym ciosie nie podniosły. Francuzki przegrały walkę pod tablicami, były zdecydowanie gorsze w punktach w szybkim ataku czy tych zdobywanych po stratach.

Breanna Stewart zaliczyła double double (22 punkty, 10 zbiórek), a Jackie Young dodała 18 punktów, 6 zbiórek i 5 asyst. Kadra USA przedłużyła kosmiczną serię zwycięstw na mundialu do 36 z rzędu!

### Gwiazdor łapał się za głowę

Ciekawymi widowiskami były oba sobotnie półfinały. Dzięki znakomitej grze Gabby Williams (22 punkty, 5 zbiórek, 5 asyst oraz 4 przechwyty) Francuzki nie dały żadnych szans gospodyniom turnieju. Niemki zanotowały niewiarygodną liczbę aż 25 strat przy zaledwie siedmiu zgubionych piłkach ze strony Francuzek. Francja zdobyła po błędach rywalek aż 29 punktów, podczas gdy miejscowe zaledwie osiem. Na trybunach Berlin Areny zasiadły legendy niemieckiego sportu, m.in. Dirk Nowitzki i Dennis Schröder, a kamery telewizyjne uchwyciły momenty, w których ten drugi łapał się za głowę, patrząc na bezradność swoich rodaczek.

Za to niemal do końca były emocje w drugim półfinale. Hiszpanki postawiły niesamowicie trudne warunki Amerykankom i po trzech kwartach remisowały z faworytkami 58:58, będąc blisko sprawienia gigantycznej sensacji. O sukcesie USA zdecydowała mistrzowska defensywa w ostatniej kwarcie (wygranej 18:8) oraz znakomita postawa Stewart.

(pp)

WYNIKI

**Półfinały**: Francja – Niemcy 86:64, USA – Hiszpania 76:66.
**Mecz o 3 miejsce:** Niemcy – Hiszpania 58:81.
**Finał**: USA – Francja 97:79.

# Krok w stronę NBA

## Igor Milicić Jr. z szansą w New York Knicks. Polak podpisał kontrakt Exhibit 10.

NBA

Syn trenera reprezentacji Polski jest bliżej spełnienia marzenia o grze w najlepszej lidze świata. Według doniesień mediów Polak związał się z mistrzowską drużyną z NYC.

Ta informacja, przekazana pierwotnie przez Karola Waśka z portalu Interia, lotem błyskawicy obiegła amerykańskie media sportowe. Choć umowa typu Exhibit 10 nie gwarantuje jeszcze stałego miejsca w NBA, otwiera przed 23-letnim skrzydłowym drzwi, które dla wielu pozostają zamknięte.

### Lekcja z Philadelphii

Przypomnijmy – dokładnie przed rokiem Milicić znalazł się w identycznej sytuacji, gdy podpisał umowę Exhibit 10 z Philadelphia 76ers. W NBA ostatecznie jednak nie zagrał. Po obozie przygotowawczym został zwolniony i spędził cały sezon w zespole rezerw Delaware Blue Coats na zapleczu ligi. Tam, zbierając cenne szlify w G League, notował średnio 6,9 punktu oraz 4,9 zbiórki na mecz. Bogatszy o tamto wymagające doświadczenie Polak doskonale wie, jak bolesna potrafi być amerykańska weryfikacja i z jak wielką konkurencją przyjdzie mu się mierzyć.

### Wolne miejsca w Knicks

Tym razem eksperci zza Atlantyku podkreślają jednak, że trafił w idealne miejsce i czas. Mistrzowie NBA z Nowego Jorku posiadają bowiem rzadko spotykaną elastyczność kadrową – przed startem obozu przygotowawczego (training camp) Knicks mają wolne wszystkie trzy miejsca na tzw. kontrakty dwukierunkowe (two-way). „Ponieważ Knicks dążą do zachowania elastyczności finansowej w obliczu nadchodzących przedłużeń kontraktów dla Karla-Anthony'ego Townsa, Harta i McBride'a, szukają utalentowanych graczy, na których mogliby polegać przy obronie tytułu mistrzowskiego. Nowojorczycy przystąpią do obozu treningowego z całkowicie pustą pulą miejsc na kontrakty dwukierunkowe, co daje Igorowi Miliciciowi Jr. złotą szansę na wejście do składu meczowego" – pisze BasketNews.com.

### Szansa kadrowicza

Dla mierzącego 208 cm wzrostu Milicicia to „złota szansa". W trakcie nadchodzących tygodni na obozie treningowym pod okiem trenera Mike'a Browna reprezentant Polski powalczy o przekonanie do siebie sztabu szkoleniowego. Jeśli zaprezentuje się z dobrej strony, Nowojorczycy mogą zamienić jego umowę próbną na kontrakt two-way, co pozwoli mu legalnie balansować między pierwszą drużyną Knicks a ich zapleczem w G League.

Dla absolwenta uczelni Tennessee to kolejny, niezwykle ważny krok. Teraz w legendarnej Madison Square Garden spróbuje przekuć ubiegłoroczną lekcję w sukces i napisać najważniejszy rozdział koszykarskiej kariery.

(pp)



# Planowy

## Z Izraelem i Macedonią Północną było i kontuzji. – Rywale nie stanowili wiel Artur Szalpuk, przyjmujący Biało-czer

MISTRZOSTWA EUROPY MĘŻCZYZN

Izrael i Macedonia Północna to jedne z najsłabszych zespołów biorących udział w finałach mistrzostw Europy. Przed starciem z naszą drużyną jedyna wątpliwość dotyczyła więc nie wyniku, ale tego, czy rywale zbliżą się w którymkolwiek secie do granicy 20 punktów.

### Bez taryfy ulgowej

Polacy, tak jak w meczu z Portugalią, Izrael potraktowali poważnie. Nie było żadnej taryfy ulgowej – od początku mocno przycisnęli. Wystrzegali się pomyłek, byli skoncentrowani i pewni siebie, co błyskawicznie znalazło potwierdzenie na tablicy wyników. Zanim siatkarze na dobre się rozgrzali, Biało-Czerwoni prowadzili 16:7. W premierowym secie pozwolili Izraelczykom na wywalczenie zaledwie 16 „oczek". Co ciekawe, nasz zespół nie zanotował w nim ani jednego punktowego bloku (przeciwnicy – jeden) ani asa serwisowego, a mimo to zwyciężył różnicą dziewięciu punktów!

Dwa kolejne sety miały podobny przebieg, więc Nikola Grbić, trener naszego zespołu, mógł pozwolić sobie na eksperymenty kadrowe. Z meczowej czternastki nie wystąpił jedynie środkowy Bartłomiej Lemański, a całe spotkanie rozegrali tylko jego koledzy ze środka siatki: Szymon Jakubiszak i Jakub Nowak.

### Mat przyjmującego

Najbardziej wyrównany był trzeci set. Zaczął się od prowadzenia Polaków 3:0, ale równie szybko Izraelczycy je zniwelowali, wykorzystując chwilowe rozluźnienie w szeregach naszej ekipy. Równa gra skończyła się jednak po dziesiątym punkcie. Na parkiecie rozpoczął się wtedy show Tomasza Fornala. Nasz przyjmujący, który w tym meczu był rezerwowym, bawił się grą. Tylko w trzeciej odsłonie zdobył osiem punktów (w całym meczu dziesięć), prezentując niesamowitą skuteczność i uniwersalność – wykonał pięć ataków i wszystkie skończył, dołożył blok oraz dwa asy serwisowe!

– Wierzymy w to, co mówi nam nasz trener na każdym treningu. Pozostajemy skupieni, wiemy, jak pracować, i nikt nie narzeka. Oczywiście czasami

# Ukraina pokonała Bułgarię!

## W mistrzostwach Europy zrobiło się ciekawie. W grupie B, w której występują Polacy, doszło do pierwszej sensacji.

Wicemistrz świata i współgospodarz zawodów, który zapowiada walkę o główne trofeum, nieoczekiwanie już w trzecim spotkaniu znalazł pogromcę. Została nim Ukraina, wygrywając 3:1. – Krok po kroku, spokojnie robimy swoje. Wygrać przy takiej publiczności – spotkanie oglądało ponad 11 tysięcy widzów – i z tak mocnym zespołem to nie taka prosta sprawa. Cieszymy się, ale za chwilę o tym meczu zapominamy i myślimy o kolejnym, czyli z Portugalią – krótko podsumował starcie Jurij Semeniuk, środkowy Ukrainy. – Wiedzieliśmy, że będziemy grać na wysokich piłkach, bo rywale zagrywają bardzo mocno. Starałem się nie popełniać wielu błędów. Myślę, że trochę chłopaki byli już zmęczeni, bo to nasz trzeci mecz z rzędu, ale najważniejsze, że wygrany – dodał.

Bułgarom nie pomógł znakomity Aleksandar Nikołow, który wywalczył aż 27 punktów. Słabiej zaprezentowali się natomiast Denisław Bardarow (4 pkt) i Martin Atanasow (5 pkt). Po drugiej stronie siatki brylował Ołeh Płotnicki (23 pkt).

Wygrana Ukrainy nad Bułgarią nie była jedyną niespodzianką. W grupie C Dania nieoczekiwanie ograła faworyzowaną Holandię 3:0. Dla Duńczyków był to pierwszy triumf w mistrzostwach Europy od 2013 roku! Zwycięstwo może mieć dla nich ogromne znaczenie. Dzięki zdobytym punktom zachowali realne szanse na awans do 1/8 finału.

(mic)

eprasa.pl bf22096629

# początek

## szybko, bez straty zbędnych sił
## kiego wyzwania – przyznał szczerze
## rwonych.

Fot. PAP / Darek Delmanowicz

Tomasz Fornal czeka już na mecze z wyższej klasy rywalami.

### POWIEDZIELI

■ **Jakub POPIWCZAK:** - Trudno się do czegoś przyczepić, natomiast takie mecze jak na początku mistrzostw, nie są wielkim wyznacznikiem tego, w jakim miejscu jesteśmy. Zakładam, że wszystko zacznie się dopiero od meczów z Ukrainą i Bułgarią. Wówczas to będzie dla nas taki realny feedback, który pokaże nam, czy dobrze gramy, czy musimy na czymś konkretnie się skupić itd.

■ **Szymon JAKUBISZAK**: - Zrobiliśmy swoją robotę w trzech setach, tak jak zaplanowaliśmy i jesteśmy zadowoleni. Nikogo nie lekceważymy. Każdy, kto tu przyjechał, będzie chciał z nami wygrać, aczkolwiek znamy swoją wartość. Jeżeli zagramy na swoim wysokim poziomie, to jesteśmy w stanie wygrać tak naprawdę z każdym.

■ **Marcin KOMENDA**: - Z całym szacunkiem do naszych przeciwników, ale oczywiście my mamy inne cele niż Izrael czy Portugalia. Natomiast chcieliśmy podejść do tych meczów po prostu w pełni skoncentrowani, bo wiemy, że jeżeli tak podejdziemy do spotkania, to wtedy czy zagramy z Izraelem, czy zagramy z Bułgarią, z którą się będziemy mierzyć niebawem, to wtedy trudno się przeciwko nam gra. Tak było w meczu z Izraelem. Przede wszystkim skupialiśmy się na swoich założeniach.

■ **Aleksander ŚLIWKA**: - Jestem zadowolony, bo po tych trzech meczach jesteśmy zdrowi, mamy komplet punktów, a nasza forma rośnie. Każdy z nas miał też okazję zagrać.

jesteśmy zmęczeni, ponieważ przechodzimy również przez trudne okresy, ale w końcu wszyscy wierzą w ten proces. Nie ma znaczenia, kto jest w reprezentacji, kto jest w wyjściowej szóstce czy drugiej szóstce. Wszyscy wierzą, wszyscy sobie ufają, a wszyscy ufają temu procesowi – podsumował Tomasz Fornal.

Wśród rywali jedynie Shay Mayo Liberman dotrzymywał kroku naszym zawodnikom. Urodzony w Brazylii 21-latek to jeden z największych talentów na świecie i pokazał, że zachwyty nad jego postawą mają podstawy. Wywalczył 14 punktów i był najskuteczniejszym graczem na parkiecie.

### 100 procent środkowego

Na początku spotkania z Macedonią Północną można było odnieść wrażenie, że nasi siatkarze mają już dość meczów, w których rywale prezentują o kilka klas niższy poziom. Wyglądali na znudzonych i zaczęli niemrawo. Za to siatkarze z Bałkanów byli bezkompromisowi – wiedzieli, że tylko gra z pełnym ryzykiem, zwłaszcza w polu serwisowym, pozwoli im zatrzymać Polaków. I trzymali się dzielnie. Do czasu.

W połowie seta Biało-czerwoni najwidoczniej doszli do wniosku, że harców wystarczy. Mocniejszy serwis, szybsze przemieszczanie się do bloku oraz silne ataki w wykonaniu Bartłomieja Bołądzia i Bartłomieja Lemańskiego sprawiły, że rywale byli bezradni. Podobać mogły się zwłaszcza zagrania między rozgrywającym Janem Firlejem a Lemańskim. Ten pierwszy wystawiał mu piłki szybkie i dokładne, co Lemański wykorzystywał w 100 procentach – dostał sześć piłek i wszystkie skończył. Po jego potężnych uderzeniach nie było co zbierać.

W dwóch kolejnych setach nasz zespół już w pełni kontrolował przebieg spotkania. Jego dominacja ani na moment nie była zagrożona, a mecz zakończył się po 65 minutach.

**(mic)**

■ **Polska – Izrael 3:0 (25:16, 25:17, 25:18)**
**POLSKA:** Komenda (2), Leon (5), Nowak (7), Sasak (8), Semeniuk (8), Jakubiszak (4), Popiwczak (libero) oraz Granieczny (libero), Fornal (10), Śliwka (5), Szalpuk , Bołądź (4), Firlej (1). Trener Nikola GRBIĆ.
**IZRAEL**: Ariel, Goldrin (6), Batchkala (5), Haver (5), Liberman (14), Maron (5), Roitman (libero) oraz Grybauskas, Halachmi (libero), Kopilevich, Alon, Peleg, Chansky. Trener Itamar STEIN.
**Sędziowali**: Dominga Lot (Włochy) i Dejan Rogić (Serbia). Widzów 1876.
**Przebieg meczu**
**I**: 10:5, 15:7, 20:10, 25:16.
**II**: 10:7, 15:7, 20:12, 25:17.
**III**: 10:7, 15:10, 20:13, 25:18.
**Bohater** – Tomasz FORNAL.

■ **Macedonia Północna – Polska 0:3 (19:25, 16:25, 13:25)**
**MACEDONIA PÓŁNOCNA**: G. Gjorgiev, Ljaftov (6), Madjunkov (4), Ilijev (4), Iliev, Savovski (4), Richliev (libero) oraz Jovanov (libero), Jefremov (2), Milev (2), Stojanov, Kostikj (1), Miracziev (1). Trener Joszko MILENKOSKI.
**POLSKA**: Firlej, Fornal (9), Nowak (7), Bołądź (13), Szalpuk (11), Lemański (8), Granieczny (libero) oraz Komenda, Śliwka (4), Sasak (3). Trener Nikola GRBIĆ.
**Sędziowali**: Dejan Rogić (Serbia) i Caner Cildir (Turcja). Widzów 876.
**Przebieg meczu**
**I**: 7:10, 13:15, 17:20, 19:25.
**II**: 7:10, 10:15, 13:20, 16:25.
**III**: 5:10, 8:15, 11;20, 13:25.
**Bohater** – Bartłomiej LEMAŃSKI.

### TERMINARZ ME SIATKARZY – FAZA GRUPOWA

**GRUPA A NEAPOL, MODENA**

| | |
|---|---|
| Włochy – Szwecja | 3:0 (25:22, 25:21, 25:17) |
| Czechy – Grecja | 3:1 (25:21, 25:17, 25:23) |
| Słowacja – Słowenia | 0:3 (29:31, 15:25, 18:25) |
| Szwecja – Czechy | 2:3 (22:25, 23:25, 25:23, 25:17, 13:15) |
| Grecja – Włochy | 0:3 (23:25, 23:25, 16:25) |
| Słowenia – Szwecja | 3:0 (25:16, 25:21, 25:12) |
| 13.09. Włochy – Słowacja | 21.05 |
| 14.09. Słowacja – Czechy | 16.00 |
| 14.09. Słowenia – Grecja | 21.00 |
| 15.09. Grecja – Szwecja | 16.00 |
| 15.09. Czechy – Włochy | 21.00 |
| 16.09. Szwecja – Słowacja | 16.00 |
| 16.09. Czechy – Słowenia | 21.00 |
| 17.09. Słowacja – Grecja | 16.00 |
| 17.09. Włochy – Słowenia | 21.00 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 1. Słowenia | 2 | 2/0 | 6 | 6:0 |
| 2. Włochy | 2 | 2/0 | 6 | 6:0 |
| 3. Czechy | 2 | 2/0 | 5 | 6:3 |
| 4. Szwecja | 3 | 0/3 | 1 | 2:9 |
| 5. Grecja | 2 | 0/2 | 0 | 1:6 |
| 6. Słowacja | 1 | 0/1 | 0 | 0:3 |

**GRUPA B SOFIA**

| | |
|---|---|
| Bułgaria – Macedonia Północna | 3:0 (25:17, 25:19, 25:18) |
| Polska – Portugalia | 3:0 (25:12, 25:18, 25:20) |
| Izrael – Ukraina | 1:3 (22:25, 19:25, 25:22, 19:25) |
| Ukraina – Macedonia Północna | 3:0 (25:22, 25:22, 25:10) |
| Portugalia – Bułgaria | 0:3 (18:25, 18:25, 20;25) |
| Polska – Izrael | 3:0 (25:16, 25:17, 25:18) |
| Bułgaria - Ukraina | 1:3 (23:25, 22:25, 25:21, 21:25) |
| Portugalia – Izrael | 2:3 (25:19, 20:25, 25:20, 22:25, 7:15) |
| Macedonia Północna – Polska | 0:3 (19:25, 16:25, 13:25) |
| 14.09. Ukraina – Portugalia | 15.00 |
| 14.09. Bułgaria – Izrael | 18.00 |
| 15.09. Macedonia Pln. - Portugalia | 15.00 |
| 15.09. Polska – Ukraina | 18.00 |
| 16.09. Izrael – Macedonia Płn. | 15.00 |
| 16.09. Polska – Bułgaria | 18.00 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 1. POLSKA | 3 | 3/0 | 9 | 9:0 |
| 2. Ukraina | 3 | 3/0 | 9 | 9:2 |
| 3. Bułgaria | 3 | 2/1 | 6 | 7:3 |
| 4. Izrael | 3 | 1/2 | 2 | 4:8 |
| 5. Portugalia | 3 | 0/3 | 1 | 2:9 |
| 6. Macedonia Płn. | 3 | 0/3 | 0 | 0:9 |

**GRUPA C TAMPERE**

| | |
|---|---|
| Finlandia – Dania | 3:0 (25:22, 25:17, 25:20) |
| Holandia – Belgia | 1:3 (14:25, 25:18, 17:25, 14:25) |
| Serbia – Estonia | 3:1 (25:23, 26:24, 26:28, 25:22) |
| Holandia – Dania | 3:0 (25:17, 25:20, 25:20) |
| Belgia – Finlandia | 2:3 (25:23, 20:25, 19:25, 25:23, 10:15) |
| Estonia – Dania | 0:3 (26:28, 22:25, 16:25) |
| Finlandia – Serbia | 3:0 (25:19, 25:21, 25:23) |
| 14.09. Serbia – Holandia | 16.00 |
| 14.09. Estonia – Belgia | 19.00 |
| 15.09. Belgia – Dania | 16.00 |
| 15.09. Holandia – Finlandia | 19.00 |
| 16.09. Dania – Serbia | 16.00 |
| 16.09. Holandia – Estonia | 19.00 |
| 17.09. Serbia – Belgia | 16.00 |
| 17.09. Finlandia – Estonia | 19.00 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 1. Finlandia | 3 | 3/0 | 8 | 9:2 |
| 2. Dania | 3 | 2/1 | 6 | 6:3 |
| 3. Belgia | 2 | 1/1 | 4 | 5:4 |
| 4. Serbia | 2 | 1/1 | 3 | 3:4 |
| 5. Estonia | 2 | 0/2 | 0 | 1:6 |
| 6. Holandia | 2 | 0/2 | 0 | 1:6 |

**GRUPA D KLUŻ-NAPOKA**

| | |
|---|---|
| Rumunia – Łotwa | 1:3 (24:26, 25:18, 21:25, 24:26) |
| Francja – Szwajcaria | 3:0 (25:23, 31:29, 25:21) |
| Turcja – Niemcy | 1:3 (25:23, 22:25, 21:25, 19:25) |
| Niemcy – Łotwa | 3:0 (25:20, 25:20, 25:16) |
| Szwajcaria – Rumunia | 1:3 (21:25, 23:25, 25:13, 20:25) |
| Francja – Turcja | 3:0 (25:19, 25:20, 25:19) |
| Rumunia – Niemcy | 2:3 (22:25, 23:25, 25:22, 25:15, 13:15) |
| Szwajcaria – Turcja | 0:3 (23:25, 19:25, 19:25) |
| Łotwa – Francja | 1:3 (12:25, 16:25, 25:22, 13:25) |
| 14.09. Niemcy – Szwajcaria | 16.00 |
| 14.09. Rumunia – Turcja | 19.00 |
| 15.09. Łotwa – Szwajcaria | 16.00 |
| 15.09. Francja – Niemcy | 19.00 |
| 16.09. Turcja – Łotwa | 16.00 |
| 16.09. Francja – Rumunia | 19.00 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 1. Francja | 3 | 3/0 | 9 | 9:1 |
| 2. Niemcy | 3 | 3/0 | 8 | 9:3 |
| 3. Rumunia | 3 | 1/2 | 4 | 6:7 |
| 4. Turcja | 3 | 1/2 | 3 | 4:6 |
| 5. Łotwa | 3 | 1/2 | 3 | 4:7 |
| 6. Szwajcaria | 3 | 0/3 | 0 | 1:9 |

**FAZA PUCHAROWA: 19.09. - 21.09.** w Turynie i Sofii; **22-23.09**. ćwierćfinały w Turynie i Sofii; **25.09**. półfinały w Assago; **26.09.** o medale w Assago.

eprasa.pl bf22096629

# W końcu mają triumfatora

## Enric Mas z drużyny Movistar zdecydowanie najlepszy we Vuelta a Espana. Hiszpanie na zwycięstwo swojego kolarza w swoim największym wyścigu czekali ponad dekadę.

W 2014 roku, kiedy Alberto Contador po raz trzeci i ostatni wygrał Vueltę, Mas miał 19 lat i na koncie pierwsze sukcesy w gronie juniorów i młodzieżowców. Co ciekawe, osiągnął je, jeżdżąc właśnie w drużynie fundacji tego wielkiego hiszpańskiego mistrza. Opuścił ją rok później, podpisując pierwszy zawodowy kontrakt z czeską grupą Klein Constantia. Reprezentując ją, w 2016 wygrał wieloetapowe, trudne wyścigi niższej kategorii w Portugalii i Francji. Z dobrej strony pokazał się także na polskich szosach, zajmując szóste miejsce w Karpackim Wyścigu Kurierów.

Nic dziwnego, że chłopaka z Majorki szybko przejęła Quick-Step Floors – jedna z najlepszych drużyn na świecie, umożliwiając starty w największych imprezach. I tak, mając 22 lata, zadebiutował we Vuelcie. Co prawda zajął wtedy daleką pozycję, ale na dwóch etapach zdobył nagrodę dla najbardziej aktywnego zawodnika, a na przedostatnim odcinku z metą na słynnej górze Angliru znalazł się w ucieczce i pomógł Contadorowi w odniesieniu zwycięstwa – ostatniego, jakie Hiszpan odniósł w bogatej w sukcesy karierze.

Masa typowano jako jego następcę, ale nie spełnił pokładanym w nim nadziei – okazało się, że zdecydowanie zbyt wielkich. Rozbudził je, zajmując drugie miejsce w największym hiszpańskim w 2018 roku. Powtórzył to, jeżdżąc już w rodzimym Movistarze, któremu jest wierny, w 2021 i 2022. Potem nie było już jednak tak dobrze. Dorobek ostatnich lat to trzecia pozycja na Vuelcie w 2024 roku i całe mnóstwo rozczarowań. Także w tym sezonie nie zachwycał. Na Giro d'Italia nie walczył o „generalkę", tylko etapowe zwycięstwo, ale i to się nie udało. Za dobry należałoby uznać jedynie występ na poprzedzającym Vueltę wyścigu w Burgos. Był tam piąty, co należał uznać za optymistyczny prognostyk. Zwyciężył Austriak Felix Gall (Decathlon CMA CGM), który teraz stał się jego najgroźniejszym rywalem.

Pokonał go zdecydowanie, podobnie jak Słoweńca Primoża Roglicia (Red Bull-BORA-hansgrohe), czterokrotnego zwycięzcę Vuelty. Nieszczęście najlepszego kolarza świata Tadeja Pogacara (UAE Team Emirates-XRG), który będąc zdecydowanym liderem, fatalnie się rozbił i musiał wycofać, stało się szansą dla Masa. Wykorzystał ją, udowadniając w dwóch kolejnych tygodniach ścigania, że to właśnie on jest najmocniejszy. Spełnił marzenie, zwyciężając na Alto de Aitana w czerwonej koszulce (pierwszy etapowy sukces we Vuelcie od 2018 roku) i jadąc w niej już do końca wyścigu. Niosła go i dodawała sił.

– To pierwszy raz w życiu, kiedy się tak czuję. Dzisiaj po prostu odliczałem kilometry, jutro pewnie też tak będzie. Moje odczucia były świetne, a koledzy z drużyny znowu wykonali świetną robotę – podkreślał Enric Mas w sobotę po najtrudniejszym etapie imprezy z licznymi wspinaczkami w masywie Sierra Nevada. Zwycięstwo znowu zgarnął najlepszy z ucieczki dnia, a on na finałowym podjeździe na Collado del Alguacil dał kilkanaście sekund wyprzedzić się Gallowi, bo na wcześniejszych odcinkach wypracował nad nim i wszystkimi innymi wystarczającą do zachowania spokoju przewagę.

Ostatni niedzielny etap przyjaźni nie mógł przynieść zmian. – Ten dzień zapamiętam do końca życia. Długo na to czekaliśmy i długa była droga do tego momentu. Każda Vuelta jest wyjątkowa, ale ta szczególna – przyznał 31-letni zwycięzca na mecie w Grenadzie.

**20. etap, La Calahorra - Collado del Alguacil (186,8 km): 1.** Mikel Landa (Hiszpania, Soudal Quick-Step) 4:58.01, 2. Tobias Johannessen (Norwegia, Uno-X Mobility) strata 47 s., 3. Ramses Debruyne (Belgia, Alpecin-Premier Tech) 1.27.

**21. etap, Grenada - Grenada (112 km):** 1. Johannessen, 2. Alessandro Romele (XDS Astana), 3. Debruyne - wszyscy 2:54:08.

**Klasyfikacja końcowa 81. edycji:** 1. Enric Mas (Hiszpania, Movistar) 73:52.55, 2. Primoż Roglić (Słowenia, Red Bull-BORA-hansgrohe) 2.15, 3. Felix Gall (Austria, Decathlon CMA CGM) 2.44, 4. Richard Carapaz (Ekwador, EF Education-EasyPost) 6.54, 5. Sepp Kuss (USA, Visma–Lease a Bike) 8.45, 6. Oscar Onley (Wielka Brytania, Netcompany INEOS) 9.28.

**Zwycięzcy pozostałych klasyfikacji. Punktowa**: Wout van Aert (Belgia, Visma). Górska: Santiago Buitrago (Kolumbia, Bahrain-Victorious). Młodzieżowa: Onley. Drużynowa: Decathlon CMA CGM.
Polacy nie startowali.

**Grzegorz Kaczmarzyk**

Fot. PAP / EPA

**Zwycięzca (w środku) i jego koledzy z zespołu – bez ich pomocy nie byłoby sukcesu!**

### Z KOLARSKICH TRAS

#### POLKA NAJLEPSZA W NIEMCZECH

Dominika Włodarczyk (UAE Team L'IMAD) wygrała Grand Prix Region Stuttgart. Na trasie ze startem i metą w miejscowości Tamm mistrzyni naszego kraju nie dała szans rywalkom - samotnie od nich odjechała, wyprzedzając próbującą gonić ją grupę o bliską minutę. To piąte zwycięstwo tej 25-latki z Okalewa koło Wielunia w tym sezonie.

#### POLAK WYGRAŁ W RUMUNII

Radosław Frątczak po finiszu z peletonu okazał się najszybszy na piątym, ostatnim etapie wyścigu Dookoła Rumunii. Zawodnik drużyny Wibatech Lubelskie Perła Polski zwyciężył też na pierwszym odcinku i przez jeden dzień jechał w koszulce lidera. W całym wyścigu triumfował Węgier Barnabas Vas (United Shipping). Najlepszy z polskich kolarzy, Jakub Musialik (Wibatech Lubelskie Perła Polski) zajął 26. miejsce ze stratą blisko ośmiu minut do zwycięzcy.

#### POLSKIE SUKCESY W ARMENII

Patryk Stosz (Voster) zajął drugie miejsce na ostatnim, czwartym etapie wyścigu Dookoła Armenii. Pierwszy odcinek wygrał w czwartek Michał Pomorski (ATT Investments), ale koszulkę lidera oddał już następnego dnia. W klasyfikacji generalnej pierwszy był Włoch Simone Raccani (Ukyo). Tuż za podium uplasował się Tomasz Budziński (ATT Investments), a na piątym miejscu ukończył imprezę Jakub Kaczmarek (Voster).

# Smak medalu olimpijskiego

MISTRZOSTWA POLSKI

Złoto w jeździe na czas dwójkami zdobyli... łyżwiarze szybcy, Władimir Siemirunnij i Eryk Marciniak. – Jazda na rowerze to dla nas, panczenistów, fajny trening, a dla mnie też fajne hobby – przyznał w rozmowie z portalem naszosie.pl nasz wicemistrz olimpijski z Mediolanu.

W lutym tego roku po zdobyciu na włoskich igrzyskach srebrnego medalu w biegu na 10 000 m Siemirunnij zapowiedział, że chce spróbować sił również w kolarstwie. Miał to być jednak przyszły sezon. Rosjanin z polskim obywatelstwem chciał zacząć od jazdy indywidualnej na czas, bo – jak stwierdził – ponoć „wykręca" dobre waty na rowerze, czyli generuje na nim sporą moc. Dodał, że nie ma doświadczenia jazdy w peletonie, więc nad tym elementem musiałby popracować. Oświadczył również, że nie zamierza zmieniać dyscypliny i będzie kontynuował karierę w łyżwiarstwie szybkim. – Rywalizacja w mistrzostwach Polski byłaby dobrym sposobem na to, żeby utrzymać dobre odczucia w rytmie startowym – podsumował pół roku temu.

O medal powalczył jednak wcześniej niż zapowiadał. – Po sezonie olimpijskim z trenerem uznaliśmy, że wyzwaniem byłoby coś związanego z jazdą indywidualną na czas i zaczęliśmy trenować także pod tym kątem. Czerwcowe mistrzostwa nam nie pasowały, ale pojawiła się opcja przyjechania tutaj. Wziąłem więc kolegę z kadry, Eryka Marciniaka. Wcześniej tylko raz udało nam się razem pojechać, bo głównie jeździliśmy sami, tu rano przed startem zrobiliśmy wspólny trening, a potem zdobyliśmy złoto – relacjonował 23-letni Siemirunnij, który z 20-letnim Marciniakiem, także specjalistą w biegach długich, kilka dni wcześniej wrócili z wysokogórskiego obozu w Pirenejach, gdzie przygotowywali się do sezonu zimowego. – Teraz smakuje to jak medal olimpijski – uśmiechał się panczenista.

W Godzieszach Wielkich niedaleko Kalisza, gdzie odbywały się zawody, w dwójkach rywalizowało 11 par. W przeciwieństwie do czerwcowych mistrzostw kraju teraz nie wystartowali najlepsi polscy kolarze. Panczeniści dystans 29 km przejechali ze średnią prędkością powyżej 52 km/h.Dwa kolejne miejsca na podium zajęli młodzieżowcy z Chrobrego Scott Głogów i drużyny Mazowsze Serce Polski.

W przyszłym sezonie Siemirunnij chciałby powalczyć o biało-czerwoną koszulkę z orłem dla złotego medalisty w jeździe indywidualnej na czas. – Będę o tym rozmawiał z trenerem. Może uda się tak dopasować plany, żeby przyjechać w czerwcu na mistrzostwa Polski. Jestem ciekawy, kto z naszej dwójki byłby szybszy: ja czy Eryk? – z uśmiechem w rozmowie z portalem naszosie.pl zastanawiał się reprezentant naszego kraju.

**(gak)**

### POLECAMY IMPREZY SPORTOWE W TV

**PONIEDZIAŁEK 14 WRZEŚNIA**

**TVP 1**
20.10. Wiadomości sportowe

**TVP 3**
16.25, 19.00, 21.52 Przegląd wydarzeń regionalnych

**POLSAT**
19.35 Wiadomości sportowe

**TVN**
19.35 Wiadomości sportowe

**TVP SPORT**
18.55 Pn: Betclic 1. Liga, Stal Mielec – Bruk-Bet Termalica Nieciecza (na żywo)

**POLSAT SPORT 1**
15.45 Siatkówka: ME, Serbia – Holandia, 17.45 Bułgaria – Izrael, 20.45 Słowacja – Grecja (na żywo)

**POLSAT SPORT 2**
15.45 Siatkówka: ME, Niemcy – Szwajcaria, 18.45 Rumunia – Turcja (na żywo)

**POLSAT SPORT 3**
14.45 Siatkówka: ME, Ukraina – Portugalia, 18.45 Estonia – Belgia (na żywo)

**POLSAT SPORT EXTRA 1**
18.25 Pn: Liga włoska, Torino – AS Roma (na żywo)

**POLSAT SPORT EXTRA 2**
15.45 Siatkówka: ME, Serbia – Holandia, 17.45 Bułgaria – Izrael, 20.45 Słowacja – Grecja (na żywo)

**POLSAT SPORT PREMIUM 1**
15.45 Siatkówka: ME, Słowacja – Czechy (na żywo)

**CANAL+ EXTRA 1**
20.55 Pn: Liga angielska, Leeds United – Newcastle United (na żywo)

**CANAL+ SPORT**
20.55 Pn: Liga hiszpańska, Villarreal – Real Betis (na żywo)

**CANAL+ SPORT 2**
22.00 Tenis: Turniej WTA w Guadalajarze (na żywo)

**CANAL+ SPORT 3**
18.55 Pn: PKO BP Ekstraklasa, Radomiak – Piast Gliwice (na żywo)

**CANAL+ SPORT 5**
18.55 Pn: PKO BP Ekstraklasa, Radomiak – Piast Gliwice (na żywo)

**ELEVEN SPORTS 1**
18.25 Pn: Liga włoska, Torino – AS Roma, 20.40 Inter Mediolan – Udinese (na żywo)

**ELEVEN SPORTS 2**
18.25 Pn: Liga włoska, Como – Parma (na żywo)

Sport
**Adres:** 40-007 Katowice, ul. Uniwersytecka 13
**Redaktor naczelny**
Tomasz MUCHA
**Redaktor wydania** Grzegorz KACZMARZYK
**e-mail:** redakcja@dzienniksport.com.pl
**Tel.** 322587207
Wydawca
**Edicom sp. z o.o.**
**ul. Hagera 41**
**41-800 Zabrze**
**Prezes Ryszard Halemba**
**Druk:** Drukarnia Sosnowiec Polska Press Spółka z o.o., ul. Baczyńskiego 25a; 41-203 Sosnowiec

eprasa.pl bf22096629

# Wielki bieg nowej polskiej królowej

**Tydzień po sensacyjnym zwycięstwie w finale Diamentowej Ligi Klaudia Kazimierska udowodniła, że triumf w Brukseli nie był dziełem przypadku – w Budapeszcie znów pokonała całą światową czołówkę!**

Polka w fenomenalnym stylu wygrała w sobotę bieg na 1500 metrów podczas Ultimate Championship – nowych „mistrzostw" pod egidą światowej federacji World Athletics, które przez trzy wieczory toczyły się w Budapeszcie. Uczestniczyła w nich sama „śmietanka" najlepszych lekkoatletów sezonu.

Klaudia Kazimierska w ciągu kilku miesięcy stała się pełnoprawnym członkiem tej elity. W Brukseli zaszokowała lekkoatletyczny świat, pokonując wszystkie rywalki w finale Diamentowej Ligi. W stolicy Węgier przekonała, że potrafi wygrywać na różne sposoby. Przed tygodniem w biegu, w którym tempo nadawał tzw. zając, uciekła stawce 200 metrów przed metą i po raz drugi w odstępie dwóch tygodni pobiła rekord Polski (3.54,05) w czasie najlepszego wyniku na świecie w tym roku.

### Odparła atak

W sobotę bieg był wolniejszy, a tempo od początku kontrolowała halowa mistrzyni Europy Agathe Guillemot. Kazimierska biegła tuż za Francuzką, a halowa mistrzyni świata Georgia Hunter Bell uważnie obserwowała sytuację, biegnąc w środku stawki. Gdy zadzwonił dzwonek oznajmiający ostatnie okrążenie, Francuzka wciąż prowadziła, ale za jej plecami faworytki szykowały się do decydującego ataku. Na przedostatnim wirażu Polka wreszcie objęła prowadzenie, ale Brytyjka ruszyła za nią. 100 metrów przed metą Hunter Bell zrównała się z Kazimierską, lecz nasza gwiazda na finiszu znalazła dodatkowe pokłady energii - odparła atak mistrzyni Europy i jako pierwsza minęła linię mety w czasie 3.57,55! Hunter Bell straciła 0,17 sek, trzecia była Hiltz (3.58,16), która wyprzedziła Etiopkę Freweyni Hailu (3.58,44).

– Na ostatnim łuku pomyślałam, że muszę to wytrzymać i na ostatniej setce to ja będę miała więcej energii, bo nie nadrabiałam po zewnętrznej. Postanowiłam to rozegrać tak, jak chciałam to zrobić na mistrzostwach Europy, ale tam nie wyszło. Tutaj tak – cieszyła się jedyna polska triumfatorka Ultimate Championship (z grona ósemki), na której konto wpłynie aż 150 tys. dolarów.

### Presja i ekscytacja

Zwycięstwo w Budapeszcie jest zwieńczeniem spektakularnego awansu Kazimierskiej w ciągu ostatnich 12 miesięcy. W ubiegłym roku była siódma w mistrzostwach świata w Tokio, na początku tego sezonu szósta w halowych MŚ w Toruniu; latem wywalczyła już srebro w ME, a przed tygodniem wygrała finał Diamentowej Ligi.

- Ultimate to nie są oficjalne mistrzostwa świata, gdzie biega się trzy rundy, ale fajnie być w czołówce. To była dla mnie zupełnie nowa sytuacja – być faworytką. Po zwycięstwie w Brukseli czułam trochę presji. Bardzo się cieszyłam z tamtego zwycięstwa i miałam nadzieję, że uda mi się zrobić to ponownie. Ostatnie 100 metrów i walka z Georgią były ekscytujące, ale przez cały sezon zdobyłam mnóstwo doświadczenia i miałam plan na ten bieg. W końcu wszystko potoczyło się dokładnie tak, jak sobie założyłam – wspaniałą końcówkę sezonu tłumaczyła polska mistrzyni.

### „Mondo" wyśpiewał

W niedzielę Mateusz Kołodziejski skoczył wzwyż 2,22, co dało mu 6. miejsce, „oczko" niżej sklasyfikowany został w oszczepie Dawid Wegner, który odpadł z rywalizacji po dwóch rzutach z wynikiem 77,21. W piątek 6. miejsca zajęli Maria Żodzik w skoku wzwyż i Paweł Fajdek w młocie, siódma na 100 m przez płotki była Pia Skrzyszowska. Zawody zakończyła w niedzielę parada zwycięzców pod dyktando hymnu w wykonaniu jego autora, tyczkarza „Mondo" Duplantisa.

**(ToM)**

Fot. PAP / EPA

**W ciągu tygodnia Klaudia Kazimierska odniosła dwa spektakularne zwycięstwa – trudno się dziwić euforii Polki w Budapeszcie.**

**ZWYCIĘZCY**

**Sobota**

**Kobiety**

**100 m** - Melissa JEFFERSON-WOODEN (USA) 10,62 sek. (najlepszy w br. wynik na świecie)
**400 m** - Marileidy PAULINO (Dominikana) 49,07 sek... 10. Natalia Bukowiecka (odpadła w półfinale)
**800 m** - Audrey WERRO (Szwajcaria) 1.55,88 min.
**1500 m** - Klaudia KAZIMIERSKA (Polska) 3.57,55 min.
**Tyczka** - Sandi MORRIS (USA) 4,90 m
**Oszczep** - Haruka KITAGUCHI (Japonia) 68,92 m

**Mężczyźni**

**100 m** - Kenneth BEDNAREK (USA) 9,85 sek.
**400 m** - Busang KEBINATSHIPI (Botswana) 43,39 sek.
**W dal** - Miltiadis TENTOGLOU (Grecja) 8,35 m

**Niedziela**

**Kobiety**

**200 m** - Melissa JEFFERSON-WOODEN (USA) 21,47 sek. (najlepszy w br. wynik na świecie)
**5000 m** - Likina AMEBAW (Etiopia) 14.30,36 min.
**400 m ppł.** - Jasmine JONES (USA) 52,45 sek.
**Trójskok** - Saly SARR (Senegal) 15,06 m

**Mężczyźni**

**200 m** - Kenneth BEDNAREK (USA) 19,52 sek (najlepszy w br. wynik na świecie)
**800 m** - Djamel SEDJATI (Algieria) 1.41,91 min.
**1500 m** - Josh KERR (W. Brytania) 3.29,35 min.
**400 m ppł.** - Alison DOS SANTOS (Brazylia) 45,98 sek.
**Wzwyż** - Gianmarco TAMBERI (Włochy) 2,37 m (najlepszy w br. wynik na świecie)
**Oszczep** - Rumesh PATHIRAGE (Sri Lanka) 91,09 m... 7. Dawid Wegner 77,21

**Mieszane**

**4x400 m** - USA (C. Bailey, A. Holmes, J. Patterson, A. Butler) 3.08,32 min.

# Ocalał tylko ręcznik...

**Co znaczy „neutralność" władz światowego tenisa wobec rosyjskiej agresji na Ukrainę pokazała tenisistka Dajana Jastremska.**

TENIS

W dniu finału US Open mieszkanie rodziny Jastremskiej w wielopiętrowym bloku w Odessie zostało totalnie zniszczone w efekcie rosyjskiego ataku rakietowego. „Ocalał tylko ręcznik z Rolanda Garrosa" - przekazała 26-letnia tenisistka w swoich mediach społecznościowych i opublikowała zdjęcia i nagrania wideo przedstawiające płonący budynek. Ze zniszczonych ruin zwisa jedynie czerwony ręcznik z paryskiego szlema z 2025 roku. „Tak wygląda «rosyjski świat»: bezpośrednie trafienie pociskiem manewrującym Kalibr" – napisała Jastremska w internecie. Fakt, że atak przetrwał tylko tenisowy ręcznik, oceniła jako symboliczny.

W sobotę w Odessie rosyjskie rakiety i drony poważnie uszkodziły kilka budynków mieszkalnych, rannych zostało co najmniej 35 osób, w tym pięciomiesięczne niemowlę.

„Część światowego tenisa przetrwała rosyjski pocisk. Nasz dom nie. Spójrzcie na te zdjęcia naszymi oczami - to jest prawdziwe znaczenie waszej »neutralności« z ukraińskiej perspektywy" - tak półfinalistka Australian Open z 2024 roku (obecnie 113. w rankingu, odpadła w 1. rundzie US Open), zwróciła się do władz światowej federacji (ITF) i kobiecego cyklu WTA.

Tym samym odniosła się do kwestii dopuszczenia zawodników z Rosji do gry jako sportowców neutralnych, czyli m.in. bez flag i innych symboli narodowych.

Jastremska nie jest jedyną ukraińską tenisistką, jaka ucierpiała w ostatnim czasie wskutek rosyjskiej agresji. Elina Switolina w trakcie zmagań w Nowym, Jorku poinformowała, że jej klub z kortami do padla w Kijowie został zbombardowany w wyniku rosyjskiego ataku. „Do dzisiaj 776 ukraińskich sportowców i urzędników sportowych zginęło w wyniku rosyjskiej agresji. 942 obiekty sportowe na Ukrainie zostały uszkodzone lub całkowicie zniszczone" - wyliczyła numer 9 światowego tenisa, przypominając: „Ukraińscy sportowcy i nasza młodzież nie mają możliwości trenować i przygotowywać się do międzynarodowej rywalizacji w takich samych warunkach jak sportowcy z innych krajów".

Prawie wszystkie czołowe ukraińskie tenisistki nie podają ręki swoim przeciwniczkom z Rosji i Białorusi.

**(ToM)**

# Rybakina najlepsza

**Aryna Sabalenka nie zdołała po raz trzeci z rzędu wygrać wielkoszlemowego US Open.**

Liderka – do niedzieli - rankingu tenisistek przegrała w sobotnim finale w Nowym Jorku z Jeleną Rybakiną 4:6, 7:5, 2:6. Reprezentantka Kazachstanu trzeci raz wygrała turniej tej rangi – najlepsza była też w Wimbledonie 2022 i w Australian Open 2026. W styczniu w Melbourne w finale również pokonała Arynę Sabalenkę. Białorusinka czwarty rok z rzędu grała w finale US Open. W 2023 przegrała z Amerykanką Coco Gauff, a potem dwie edycje wygrała i miała szansę powtórzyć osiągnięcie Amerykanki Sereny Williams z lat 2012-14.

Już przed finałem było jasne, że w poniedziałkowym notowaniu rankingu Rybakina zastąpi Sabalenkę na pierwszym miejscu.

W 2022 roku US Open wygrała Iga Świątek, która w tegorocznej edycji przegrała w 4. rundzie z Chinką Qinwen Zheng; pozostałe trzy Polki – Maja Chwalińska, Magdalena Fręch i Magda Linette – odpadły po pierwszym meczu.

W niedzielnym finale singla mężczyzn – zakończył się po zamknięciu wydania – spotkali się najwyżej rozstawiony Niemiec Alexander Zverev i grający z „ósemką" Amerykanin Ben Shelton. Dla 29-letniego Zvereva, który w półfinale pokonał Rosjanina Karena Chaczanowa, był to trzeci z rzędu wielkoszlemowy finał, w tym roku triumfował już we French Open. Z kolei o ponad 5 lat młodszy Shelton w drodze do pierwszego w karierze finału zawodów tej rangi wyeliminował m.in. Huberta Hurkacza (2. runda), broniącego tytułu Hiszpana Carlosa Alcaraza (ćwierćfinał) oraz w piątkowym półfinale swojego rodaka Francesa Tiafoe.

**Finały**

**Singiel kobiet**: Jelena RYBAKINA (Kazachstan, 2) - Aryna Sabalenka (Białoruś, 1) 6:4, 5:7, 6:2.
**Debel kobiet:** Katerina SINIAKOVA, Taylor TOWNSEND (Czechy, USA, 1) - Ashlyn Krueger, Robin Montgomery (obie USA) 5:7, 6:0, 6:2.
**Debel mężczyzn**: Christian HARRISON, Neal SKUPSKI (USA, W. Brytania, 5) - Kevin Krawietz, Tim Puetz (Niemcy, 6) 6:4, 7:6 (8-6).
**Mikst**: Karolina MUCHOVA, Jakub MENSIK (Czechy) - Belinda Bencic, Flavio Cobolli (Szwajcaria, Włochy, 4) 6:3, 1:6, 10-6.
**Półfinały mężczyzn:** Alexander Zverev (Niemcy, 1) – Karen Chaczanow (bp) 6:3, 7:6 (9-7), 7:6 (8-6), Ben Shelton (USA, 8) - Frances Tiafoe (USA, 11) 4:6, 6:3, 6:3, 7:5.

**(ToM)**

eprasa.pl bf22096629

# Włoch nie do zatrzymania

## Kimi Antonelli wygrał już ósmy raz! W GP Hiszpanii na torze Madring zostawił za plecami Maxa Verstappena i Lando Norrisa.

Fot. PAP / EPA

**20-latek w Mercedesie triumfował na nowym torze w Madrycie.**

Po zwycięstwie na Monzy przyszedł czas na zdobycie Madrytu. Po minimalnie przegranych kwalifikacjach z Lando Norrisem, w niedzielę wszystko wróciło do normy. Tym razem Kimi Antonelli przez cały wyścig znajdował się w ścisłej czołówce, ale prowadzenie objął dopiero w jego końcówce. Włoch przyśpieszył, powiększył przewagę nad rywalami i triumfował po raz ósmy w sezonie. Antonelli został pierwszym zwycięzcą GP Hiszpanii na torze Madring. - To był bardzo trudny wyścig, niełatwy – szczególnie pod kątem zarządzania oponami. Dobrze jest wygrać, ale nie czuję pełnej satysfakcji, bo uważam, że na zwycięstwo zasługiwał Lando. Mimo to przyjmujemy ten wynik i walczymy dalej - stwierdził Włoch.

### Kosztowny błąd McLarena

Lando Norris może mówić o sporym rozczarowaniu wydarzeniami, które miały miejsce w niedzielne popołudnie w stolicy Hiszpanii. Aktualny mistrz świata wygrał kwalifikacje i świetnie zaczął niedzielny wyścig. Brytyjczyk utrzymał prowadzenie i powiększał przewagę nad resztą stawki. Wszystko zmieniło się wraz z decyzją McLarena o zjeździe do alei serwisowej na zmianę opon. W momencie zjazdu anulowano wirtualną neutralizację, a podczas obsługi bolidu mechanicy mieli problem ze zdjęciem przedniej opony i założeniem nowej. Przez to Brytyjczyk stracił cenny czas oraz prowadzenie w wyścigu. Walczący do końca Norris dojechał do mety na 3. miejscu.

### Szybki koniec marzeń mistrza

Lewis Hamilton nie tak wyobrażał sobie weekend w Madrycie. Trzeci zawodnik klasyfikacji generalnej po zajęciu 4. miejsca w kwalifikacjach, w niedzielę miał szansę na powtórkę wyniku z GP Barcelony-Katalonii. Po kilku okrążeniach wyścigu Brytyjczyk zaczął jednak tracić sporo czasu do czołówki. Przyczyną utraty tempa 7-krotnego mistrza świata była awaria hamulców. Hamilton był zmuszony zjechać do alei serwisowej i przedwcześnie zakończył wyścig.

Z kolei Charles Leclerc, po nieudanym weekendzie we Włoszech zakończonym rozbiciem bolidu, w Hiszpanii pojechał dobry wyścig. Monakijczyk przez większość dystansu był liderem, jednak z powodu konieczności zmiany opon pod koniec rywalizacji ukończył ją na 4. miejscu.

W klasyfikacji generalnej Kimi Antonelli powiększył przewagę do 81 punktów nad drugim Georgem Russellem. Następnym przystankiem F1 będzie GP Azerbejdżanu, które odbędzie się za dwa tygodnie.

■ **Wyniki wyścigu**: 1. Kimi Antonelli (Włochy/Mercedes) 1:34:23,754, 2. Max Verstappen (Holandia/Red Bull) strata 4,351 s, 3. Lando Norris (Wielka Brytania/McLaren) 5,089, 4. Charles Leclerc (Monako/Ferrari) 29,116, 5. George Russell (Wielka Brytania/Mercedes) 29,829, 6. Liam Lawson (Nowa Zelandia/Red Bull) 86,746, 7. Franco Colapinto (Argentyna/Alpine) 94,281, 8. Oscar Piastri (Australia/McLaren) 95,839, 9. Arvid Lindblad (Wielka Brytania/Racing Bulls) +1 okrążenie, 10. Nico Hülkenberg (Niemcy/Audi) +1.

■ **Klasyfikacja kierowców**: 1. Kimi Antonelli 292 pkt, 2. George Russell 211, 3. Lewis Hamilton (Wielka Brytania/Ferrari) 191, 4. Lando Norris 186, 5. Charles Leclerc 167, 6. Max Verstappen 145, 7. Oscar Piastri 120, 8. Isack Hadjar (Francja/Red Bull) 71, 9. Liam Lawson 59, 10. Pierre Gasly (Francja/Alpine) 41.

■ **Klasyfikacja konstruktorów**: 1. Mercedes 503 pkt, 2. Ferrari 358, 3. McLaren 306, 4. Red Bull 230, 5. Racing Bulls 77, 6. Alpine 68, 7. Haas 21, 8. Audi 17, 9. Williams 11, 10. Aston Martin 3, 11. Cadillac 0.

**Miłosz Derda**

# Który wiceprezes podejmie rękawicę

POLSKI KOMITET OLIMPIJSKI

Przyspieszyć Walne Zgromadzenie czy raczej powołanemu w miejsce aresztowanego Radosława Piesiewicza p.o. prezesa pozwolić rządzić do końca kadencji, czyli do kwietnia? O tym zdecyduje zarząd PKOl., który zbiera się w poniedziałek.

Najprawdopodobniej jeden z ośmiu wiceprezesów zastąpi Piesiewicza w formalnym kierowaniu organizacją, a decyzja zapadnie w oparciu o punkt statutu mówiący o „zdolności pełnienia przez niego funkcji". Jeśli ten zostanie odwołany, zarząd będzie musiał wybrać pełniącego obowiązki prezesa, który pokieruje PKOl do czasu wyboru nowych władz przez Walne Zgromadzenie. Członkowie zarządu do wyboru będą mieć dwie ścieżki. Mogą zdecydować, że p.o. prezesa będzie kierował Komitetem do końca kadencji, czyli do kwietnia 2027 roku. Dopiero wówczas Walne Zgromadzenie dokonałoby wyboru docelowego prezesa i zarządu. Mogą też jednak podjąć decyzje o skróceniu kadencji i zwołaniu Nadzwyczajnego Walnego Zgromadzenia PKOl, ale to jest mało prawdopodobny scenariusz.

Przewodniczący komisji Tadeusz Tomaszewski (Lewica) nie ma wątpliwości, że zarząd powinien odwołać Piesiewicza, w związku z tym będzie musiał powołać p.o. prezesa spośród obecnych wiceprezesów. Tylko ktoś taki może bowiem - zgodnie ze statutem - przejąć obowiązki prezesa do czasu Walnego Zgromadzenia. Zdaniem Tomaszewskiego tak wybrany p.o. prezesa mógłby pełnić obowiązki aż do zaplanowanego na kwiecień 2027 zjazdu PKOl, ale w tym czasie powinno się przygotować zmiany statutu PKOl, by nowe władze komitetu mogły rządzić na podstawie nowego statutu. - Nie może być takiej paranoi, że prezes to niemal Pan Bóg - odpowiedział Tomaszewski, pytany o jakie zmiany w statucie chodzi.

Dopytywany, kto mógłby pokierować PKOl do kwietnia, jako przykładowe wymienił nazwiska Tomasza Chamery i Mariana Kmity. - Ale wyboru dokona zarząd, jest też pytanie, kto z nich będzie chciał podjąć tę rękawice - zaznaczył poseł Lewicy. Przyznał, że po przysłowiowym „otwarciu szuflad" w PKOl może się okazać, że jest bardzo dużo problemów do rozwiązania. A to spowoduje, że nie będzie wielu chętnych do zarządzania Komitetem, nawet podczas kwietniowych wyborów. - Kluczem do tego, aby strategia przygotowania do igrzysk olimpijskich w Polsce w 2040 lub 2044 roku się powiodła, jest sprawnie działający Polski Komitet Olimpijski. Bez tego nie ma ona szans na realizację - podkreślił Tomaszewski.

Dotychczas swoją kandydaturę zgłosił jedynie Robert Korzeniowski, który do niedawna pracował w Ministerstwie Sportu i Turystyki. Nie pełni on funkcji wiceprezesa PKOl, więc mógłby zostać wybrany dopiero przez Walne Zgromadzenie.

# Polacy bez medali

## Klaudia Zwolińska okazała się najlepsza z naszych reprezentantów w finale Pucharu Świata, ale nie dało jej to nawet podium.

KAJAKARSTWO GÓRSKIE

Brytyjka Kimberley Woods i Hiszpan Manuel Ochoa wygrali ostatnie zawody w tym sezonie Pucharu Świata w kajakarstwie górskim - konkurencję cross w hiszpańskiej miejscowości La Seu d'Urgell. Polacy nie stanęli w tej rundzie cyklu na podium.

Ubiegłoroczna brązowa medalistka mistrzostw świata w tej konkurencji Klaudia Zwolińska tym razem dotarła tylko do ćwierćfinału, a i tak była najlepsza z Biało-czerwonych. - Uderzyłam się w głowę podczas przejazdu, ale poza tym wszystko jest w porządku. Cóż, tak właśnie wygląda kajak cross. Teraz mam dwa dni przerwy, na chwilę wrócę do domu, a później jadę na mistrzostwa Europy. Główną imprezę sezonu, czyli mistrzostwa świata, mam już za sobą, ale fizycznie nadal czuję się dobrze. Najważniejsze, żeby utrzymać dyspozycję przez kolejne dwa tygodnie, co z pewnością będzie wyzwaniem, bo zmęczenie jest już odczuwalne – powiedziała Zwolińska.

Wicemistrzyni olimpijska z Paryża w konkurencji K1 nie zachwyciła także we wcześniejszych dniach w Hiszpanii: najpierw była czwarta w crossie indywidualnym, potem 14. w K1 i 22. w C1. W klasyfikacji końcowej PŚ jest czwarta w K1, piąta w crossie indywidualnym, siódma w crossie i 25. w C1.

W niedzielę walkę o ćwierćfinał przegrali Dominika Brzeska i Mateusz Polaczyk, a w repasażach odpadł Marek Kulczycki.

Dzień wcześniej Polacy nie zdołali awansować do finałów w konkurencji C1. Rywalizację kobiet wygrała Brazylijka Ana Satila, a mężczyzn Hiszpan Miquel Trave.

W finale Satila triumfowała z czasem 103,85. Druga była Hiszpanka Miren Lazkano ze stratą 0,70, a trzecia Czeszka Tereza Kneblova - strata 0,79. W klasyfikacji generalnej triumfowała Słowenka Eva Hocevar. Zwolińska zajęła 25. miejsce, a Hanna Danek, która w sobotę odpadła w eliminacjach - 49.

Z mężczyzn najlepszy Trave uzyskał czas 89,08. Drugie miejsce ze stratą 0,35 zajął Słoweniec Ziga Hocevar, który triumfował w klasyfikacji generalnej. Trzeci był Francuz Nicolas Gestin ze stratą 2,06. Kacper Sztuba odpadł w półfinale, zajmując 19. miejsce. Szymon Nowobilski był 33. w eliminacjach, a Michał Wiercioch 46. i już na tym etapie obaj zakończyli rywalizację. W klasyfikacji generalnej Sztuba uplasował się na 16. pozycji, Nowobilski na 27., a Wiercioch na 34.

Teraz nasza kadra skupi się teraz na przygotowaniach do mistrzostw Europy we włoskiej Ivrei, które odbędą się 24-26 września.

eprasa.pl bf22096629

# Totalny przewrót, czyli ale ciasno

## Rozgrywany w strugach deszczu turniej w Vojens przyniósł ogromne emocje i sensacyjne rozstrzygnięcia. Dzięki wygranej Robert Lambert wyprzedził w rankingu Bartosza Zmarzlika i Brady'ego Kurtza!

SPEEDWAY GRAND PRIX

To właśnie na Jutlandii, gdzie zlokalizowane jest Vojens, rozgrywa się większość duńskich seriali kryminalnych mających również nad Wisłą wierne grono fanów. Rozstrzygnięcia w nich często bywają szokujące i zupełnie niespodziewane dla widzów. W sobotę scenariusz na nie mniej mrożący krew w żyłach thriller napisany został na torze żużlowym, ponad 50 lat temu wybudowanym przez Ole Olsena. Głównym reżyserem zdarzeń był niestety deszcz, który we wrześniu w tej części Skandynawii jest pewniejszy od podatków.

Na podium lał się szampan. Przez cały turniej z nieba lał deszcz. Od lewej: Leon Madsen, Robert Lambert i Max Fricke.

Fot. Michał Krupa / Press Focus

### Deszcze niespokojne

Woda lała się z nieba nad Vojens z różną częstotliwością właściwie przez całą sobotę. W strugach wody zawodnicy rozpoczynali przedostatnią rundę tegorocznych zmagań o żużlowe mistrzostwo świata, jak i ją kończyli. Ostatecznie po 20, a nie 23 wyścigach, ponieważ półfinałów i finału – mimo prób i wysiłku Phila Morrisa i spółki – nie udało się rozegrać. To niezwykle rzadkie, gdyż na 304 rundy przez 32 lata zdarzyło się dopiero po raz piąty! Wcześniejsze przypadki to Goeteborg, Gorzów (oba w 2011) oraz Warszawa i Daugavpils (oba w 2015).

Deszcze, błoto i ciężki tor sprzyjały zawodnikom startującym na co dzień w lidze angielskiej, ponieważ nie ma się co oszukiwać – w takich warunkach żaden mecz ligowy w Polsce nie zostałby rozegrany. Jak ryba w wodzie od początku zmagań czuli się Robert Lambert, Max Fricke, startujący z dziką kartą Frederik Jakobsen oraz dość niespodziewanie Leon Madsen (Duńczyk wyrobił sobie markę zawodnika zdecydowanie bardziej preferującego równe i twarde nawierzchnie).

### Niemoc liderów

W tym miejscu trzeba zaznaczyć, że już przed początkiem głównego turnieju Zmarzlik stracił całą przewagę nad Kurtzem wskutek zainkasowania przez Australijczyka czterech punktów za zwycięstwo w sprintach. Mistrzowi i wicemistrzowi świata same zawody nie układały się najlepiej, i to najdelikatniej mówiąc. Polak zaczął od „trójki", ale do pokonania miał tylko Jakobsena, bo Anders Thomsen i Andrzej Lebiediew wcześniej zostali wykluczeni za upadki. W kolejnej serii Zmarzlik przyjechał ostatni, nie podejmując walki z Madsenem, Lambertem i Jepsenem Jensenem. W kolejnym wyścigu znów wygrał, a w trzynastym spotkał się z Kurtzem. Lepiej wyszedł ze startu, ale na trasie większą determinacją, ale i szybkością w trudnych warunkach wykazał się Australijczyk, dla którego był to pierwszy wygrany bieg w turnieju. Obaj pretendenci w ostatniej serii dorzucili zaledwie po punkcie i stało się jasne, że o bezpośrednim awansie do finału mogą jedynie pomarzyć.

### Wielki dzień Lamberta

Kibice ostrzyli sobie zęby na drugi z półfinałów, kiedy to Zmarzlik z Kurtzem mieli stoczyć walkę o miejsce w finale. Wyścig ten wywoływał dużo większe emocje od samego finału i z dużym prawdopodobieństwem mógł zadecydować nie tylko o końcowych rozstrzygnięciach w Vojens, ale i na koniec sezonu. Miał, ponieważ w pierwszym półfinale doszło do niebezpiecznego wypadku z udziałem Fredrika Lindgrena oraz Fricke'a. W połączeniu z nieustającymi opadami deszczu organizatorzy podjęli decyzję o przerwaniu zawodów, a po kilkudziesięciu kolejnych minutach syzyfowej walki z naturą – o zakończeniu zmagań po 20 biegach.

– To był szalony dzień, warunki bardzo szybko się zmieniały, raz było lepiej, raz gorzej, jak to w żużlu. Czułem się wolny i niewiele dało się zrobić – przyznał niepocieszony 6-krotny mistrz świata, który ostatecznie zakończył zmagania na piątym miejscu.

### Toruń rozstrzygnie

Co to oznaczało dla klasyfikacji? Totalny przewrót! Tracący przed turniejem (po sprintach) siedem punktów do Zmarzlika oraz Kurtza Lambert… wyprzedził obu! Polaka o jeden, a Australijczyka o trzy punkty. To iście sensacyjne rozstrzygnięcie powoduje, że ostatni turniej w Toruniu (26.09) zapowiada się pasjonująco jak nigdy. Albowiem jeszcze nigdy w 32-letniej historii cyklu nie zdarzyło się (a przecież w przeszłości rozgrywano tylko sześć rund, a nie dziesięć!), aby przed ostatnim turniejem różnica pomiędzy liderem a trzecim zawodnikiem wynosiła trzy punkty. Pod względem emocji sportowych jest to jeden z najbardziej fascynujących sezonów w historii.

– Wiele pracy przede mną, ale moja pozycja po turnieju jest zdecydowanie lepsza niż przed nim. Świetnie jest założyć ten plastron lidera cyklu. Mam nadzieję, że w Toruniu znajdę coś, co będzie działało – przyznał po turnieju zawodnik, który po raz pierwszy znalazł się w pozycji uciekającego, a nie goniącego największych rywali. Brytyjczyk w listopadzie spodziewa się przyjścia na świat dziecka i z pewnością zdobycie tytułu mistrza świata na torze, gdzie na co dzień ściga się w lidze, byłoby najlepszym z możliwych wprowadzeń w wyjątkowo dobry czas. Mistrz z wicemistrzem świata z pewnością jednak za darmo nie dadzą Robertowi Lambertowi niczego.

Mimo trudnych warunków trzeba sobie powiedzieć, że same biegi były w Vojens niezwykle emocjonujące, nie brakowało odważnych ataków i zmian pozycji. Starsi kibice mogli sobie przypomnieć obrazki z dawnego, romantycznego żużla. Przedwczesnego zakończenia zmagań mogli żałować Kacper Woryna oraz Patryk Dudek. Jeden z nich miał dużą szansę na awans do finału.

**Mariusz Rajek**

WYNIKI

**Grand Prix Danii w Vojens**
1. Lambert (W. Brytania) 13 (2,2,3,3,3) - 20 pkt GP
2. Madsen (Dania) 12 (3,3,2,1,3) - 18
3. Fricke (Australia) - 10 (3,3,1,3,0) - 16
4. Jepsen Jensen (Dania) - 10 (2,1,2,2,3) - 14
5. Zmarzlik 9 (3,0,3,2,1) - 12
6. Woryna 9 (1,3,1,2,2) - 11
7. Kurtz (Australia) 8 (0,2,2,3,1) - 10
8. Lindgren (Szwecja) 8 (1,1,3,1,2) - 9
9. Dudek 8 (3,1,2,1,1) - 8
10. Jakobsen (Dania) 7 (2,2,0,3,0) - 7
11. Doyle (Australia) 7 (1,0,1,2,3) - 6
12. Lebiediew (Łotwa) 5 (w,3,0,0,2) - 5
13. Kubera 5 (2,2,0,0,1) - 4
14. Thomsen (Dania) 3 (w,0,3,d,w) - 3
15. Andersen (Dania) 3 (1,2) - 2
16. Parnicki (Ukraina) 1 (0,0,0,1,0) - 1
17. Bewley (W. Brytania) 1 (0,1,w,d,w) - 0
18. Heiselberg (Dania) 0 (0) - 0

**Klasyfikacja przejściowa cyklu GP po 9 turniejach:**
1. Lambert 142, 2. Zmarzlik 141, 3. Kurtz 139, 4. Jepsen Jensen 102, 5. Madsen 90, 6. Fricke 89, 7. Woryna 89, 8. Dudek 89, 9. Doyle 66, 10. Lebiediew 65, 11. Thomsen 58, 12. J. Holder 55, 13. Kvech 52, 14. Kubera 35, 15. Lindgren 25, 16. Parnicki 21, 16. Bewley (W. Brytania) 18, 17. Bewley 21, 18. Huckenbeck 18, 19. Janowski 11.

# Wrocław i Toruń w finale

## Nie było żadnych zaskoczeń w półfinałowych rewanżach w ekstralidze.

PGE EKSTRALIGA

W półfinałach ekstraligi nie doszło do żadnych niespodzianek. Drużyny, które w pierwszych spotkaniach odniosły zwycięstwa, utrzymały przewagę w rewanżach. Sparta Wrocław po pewnej wygranej na wyjeździe zremisowała u siebie z Unią Leszno i tym samym zameldowała się w finale. Jej rywalem będzie KS Toruń, który kompletnie zdemolował Motor Lublin w dwumeczu.

Z kolei w pierwszej odsłonie meczu o siódme miejsce Włókniarz Częstochowa nie przełamał złej passy i przegrał ze Stalą 43:47. Nadal więc pozostaje bez wygranej w tym sezonie, przed rewanżem w Gorzowie jest na przegranej pozycji i najprawdopodobniej spadnie z ligi po 18 porażkach.

**Kacper Janoszka**

**Półfinały**

■ **Betard Sparta Wrocław – Fogo Unia Leszno 45:45 (100:80 w dwumeczu)**
**WROCŁAW:** Kurtz 13+1 (3, 3, 3, 1*, 3), Obst ns., Janowski 3 (0, 0, 1, 1, 1), Bewley 12+1 (2, 3, 3, 2, 2*), Łaguta 9+1 (1*, 3, 1, 3, 1), Andersen 3 (2, 1, 0, 0, 0), Kowolik 5+1 (0, 0, 0, 2*, 3), Mikołajczyk ns.
**LESZNO**: Zengota 4 (2, 2, 0, 0, -), Kołodziej 9+2 (3, 1*, 1, 2, 2*), Cook 8+2 (1*, 2, 2, 2*, 1), Rew 8+2 (3, 1*, 1*, 3, 0), Pi. Pawlicki 2 (0, 2, 0, -), Parnicki 13+1 (3, 2*, 2, 3, 3), Mania 1 (1, t, -), Konieczny 0 (0).

■ **PRES Grupa Deweloperska Toruń – Orlen Oil Motor Lublin 58:32 (106:74 w dwumeczu)**
**TORUŃ**: Dudek 12+2 (3, 2*, 3, 2*, 2), Lambert 9+1 (3, 3, 2*, 1, -), Bloedorn 5+1 (1, 0, 1*, 3), Michelsen 11 (3, 3, 2, 3, -), Sajfutdinow 10 (1, 3, 3, 3, -), Duchiński 5+1 (3, 2*, 0, 0), Kawczyński 6+2 (2*, 1, 2*, 0, 1), Derek ns.
**LUBLIN**: Woryna 7+1 (0, 2, 2, 1, 0, 2*), Cierniak 2 (0, 0, 0, 1, 1), Vaculik 8+2 (2, 1*, 1*, 1, 0, 3), Lindgren 0 (w, -, -, -), Zmarzlik 13 (2, 2, 1, 3, 2, 3), Bańbor 2 (1, 1, 0), Jaworski 0 (0, 0, 0), Cepielik ns.

**Mecz o 7. miejsce**

■ **Krono-Plast Włókniarz Częstochowa – Gezet Stal Gorzów 43:47**
**CZĘSTOCHOWA:** Szostak 8+1 (3, 0, 3, 0, 2*), Lidsey 4+1 (2, 1, -, 1*, -), Miśkowiak 15+2 (2*, 3, 1*, 3, 3, 3), Hansen 8 (2, 1, 2, 2, 1), Tungate 5 (0, d, 3, 0, 2), Caban 0 (0, 0, -), Ciurzyński 3 (1, 1, 1, 0).
**GORZÓW**: Przedpełski 9 (1, 3, 2, 3, 0), Chatłas ns., Wright 2 (0, -, 2, -, -), Kordun 2 (1, 0, d, 1), Thomsen 14 (3, 3, 3, 3, 2), Paluch 7+1 (2*, 3, 0, 2, 0), Bednar 9+2 (3, 2, 2*, 1*, 1), Pollestad 4+2 (1, 2*, 1*, 0).

METALKAS 2. EKSTRALIGA

**Finał**

■ **Hunters PSŻ Poznań – Abramczyk Polonia Bydgoszcz 45:45**
Rewanż - 20 września.

KRAJOWA LIGA ŻUŻLOWA

**Finał**

■ **Trans MF Lanshut Devils – Wybrzeże Gdańsk 39:39 (z powodu deszczu zakończono mecz po 13. wyścigu)**
Rewanż - 20 września.

eprasa.pl bf22096629